हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

शिकायत आने के बाद रोका गया प्रोजेक्ट
हरिभूमि ने जांच की, ताले लटके मिले

135 करोड़ रुपए का भुगतान शेष

रीपा पर रार...441 करोड़ का प्रोजेक्ट, 260 करोड़ का भुगतान, अब हर जगह ताले, सरकार ने जांच बिठाई

सुरेन्द्र शुक्ला ⏭ रायपुर

पूर्व सरकार ने महात्मा गांधी रूरल इंडस्ट्रियल पार्क (रीपा) प्रोजेक्ट शुरू किया था। मकसद था कि किसान और ग्रामीणों की आय बढ़ाना और उन्हें उद्योग धंधे से जोड़ना। छत्तीसगढ़ में 300 प्रोजेक्ट स्वीकृत हुए। 441 करोड़ रुपए के बजट में से 260 करोड़ का भुगतान भी कर दिया गया। लेकिन अब...लगभग हर जगह ताले लटक गए हैं। कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में हुई आर्थिक अनियमितता की जांच और प्रोजेक्ट का महालेखाकार से आडिट कराया जा रहा है। सरकार को आशंका है ⏭ शेष पेज 7 पर

बिना बजट की योजना कलेक्टरों पर छोड़ दिया गया था :अजय

भाजपा के वरिष्ठ विधायक और पूर्व मंत्री अजय चंद्राकर ने रीपा प्रोजेक्ट के फेल होने का करण बताते हुए कहा कि प्रोजेक्ट के लिए कोई बजट नहीं था। न हीं इसके लिए कोई प्रोजेक्ट ⏭ शेष पेज 7 पर

बंद करने का निर्णय निंदनीय : सुशील

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने बताया कि कांग्रेस सरकार ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने गांधी के ग्रामोद्योग की संकल्पना के आधार रीपा शुरू ही थी।

महिला स्वसहायता समूहों और युवाओं को रोजगार मुहैया कराने का अच्छा ⏭ शेष पेज 7 पर

कबाड़ में तब्दील हो रहा करोड़ों का रीपा प्रोजेक्ट इंडस्ट्रियल पार्क ठप

हरिभूमि लाइव..

दिलीप देवांगन-धमतरी/ गोरेलाल सिन्हा-गरियाबंद/ राहुल शर्मा-दुर्ग/ दलजीत सिंह चावला-बलौदाबाजार की विशेष रिपोर्ट

हरिभूमि ने प्रदेश के कई जिलों में करोड़ों रुपए की लागत लगाकर शुरू की गई इस योजना का मुआयना किया, तो जो प्रारंभिक स्थिति सामने आई है। वह चौकाने वाली है। दुर्ग जिले में महात्मा गांधी रूरल इंडस्ट्रियल पार्क के लिए जिले में बारह यूनिट खोले गए थे। प्रत्येक यूनिट में दो करोड़ खर्च करने के बाद न तो किसी ग्रामीण को रोजगार मिल रहा है और न ही महिला समूहों के हाथों में काम है। सिर्फ स्ट्रक्चर और मशीन में ही करोड़ों रुपए खर्च कर दिए गए। जिसके बाद अफसरों ने दोबारा योजना को लेकर मुड़कर भी नहीं देखा। हालात यह है कि, दो से तीन यूनिट को छोड़ बाकी यूनिट में ताले लगे हैं। इस योजना का मकसद ग्रामीणों को रोजगार और महिला समूह ⏭ शेष पेज 7 पर

बलौदाबाजार, ठेकेदारों का लाखों का भुगतान अटका

बलौदा बाजार जिले के हर जनपद पंचायत में 2 रीपा सेंटर बनाए गए हैं, जिला बलौदा बाजार-भाटापारा में कुल 10 रीपा सेंटर्स हैं। मिली जानकारी के अनुसार जिले मे रीपा प्रोजेक्ट पूरी तरह बंद हो चुका हैं, रीपा सेंटर्स का निर्माण करने वाले ठेकेदारों का भी लाखों का भुगतान अटका हुआ हैं।

धमतरी में कमरे में कैद योजना

धमतरी में महात्मा गांधी रूलर इंडस्ट्रियल पार्क ग्राम भटगांव में धूल खा रहा है। हाल यह है कि लाखों रुपए की लागत से बना इंडस्ट्रियल पार्क कॉम्पलेक्स बनकर रह गया है। यहां गोबर पेंट बनाने वाली मशीनें काम शुरू होने से पहले ही बंद पड़ी हैं। धान से पोहा, मुर्रा, बनाने के लिए कोई समूह ट्रेंड नहीं है। यह उद्योग कमरे में कैद है। खारा मिक्चर बनाने के उद्योग को निजी व्यक्ति के नाम से ठेके पर चलाया जा रहा है।

वालकिंस गंगा
USFDA स्वीकृत अत्याधुनिक उपचार
CYST REMOVAL
परामर्श सिर्फ 199/-
डॉ. सुकृति अरोरा
एम.डी. गोल्ड मेडलिस्ट
शंकर नगर, रायपुर
9238709001

बस्तर के विकास की रफ्तार होगी डबल

दोनों परियोजनाओं से लगभग 7 लाख हेक्टेयर भूमि में हो सकेगी सिंचाई

बोधघाट, इंद्रावती-महानदी परियोजना पर सीएम-पीएम मोदी की अहम चर्चा

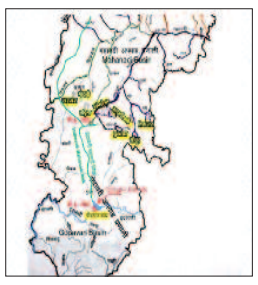

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से बहुउद्देशीय बोधघाट बांध परियोजना और इंद्रावती-महानदी इंटरलिंकिंग परियोजना के राष्ट्रीय परियोजना के रूप में निर्माण के संबंध में विस्तार से चर्चा की है। उन्होंने कहा, बस्तर संभाग लंबे समय से नक्सल प्रभावित रहा है, इसी वजह से संभाग सिंचाई साधनों के विकास में पिछड़ गया है, संभाग में सिंचाई साधनों की समस्या को दूर करने और चहुंमुखी विकास को बढ़ावा देने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार बहुउद्देशीय बोधघाट बांध परियोजना और इंद्रावती-महानदी लिंक परियोजना पर काम कर रही है।

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

मुख्यमंत्री ने कहा, बस्तर क्षेत्र के चहुंमुखी विकास के लिए बोधघाट बहुउद्देशीय बांध परियोजना निर्णायक परियोजना साबित होगी। यह परियोजना, लंबे समय से इन्द्रावती नदी पर प्रस्तावित है। इंद्रावती, गोदावरी नदी की बड़ी सहायक नदी है। गोदावरी जल विवाद अभिकरण के वर्ष 1980 के अवॉर्ड में भी अन्य योजनाओं के साथ इस परियोजना का उल्लेख है। इस अवॉर्ड में उल्लेखित अन्य परियोजनाओं का क्रियान्वयन दूसरे राज्यों द्वारा किया जा चुका है परंतु दूरस्थ अंचल में होने एवं नक्सल समस्या के कारण इस परियोजना को प्रारंभ नहीं किया जा सका।

क्या है बोधघाट बांध परियोजना ?

बहुउद्देशीय बोधघाट बांध परियोजना, गोदावरी नदी की बड़ी सहायक इन्द्रावती नदी पर प्रस्तावित है। राज्य में इन्द्रावती नदी कुल 264 कि. मी. में प्रवाहित होती है। यह परियोजना दंतेवाड़ा जिले के विकासखंड एवं तहसील गीदम ⏭ शेष पेज 7 पर

इन जिलों का होगा लाभ

बहुउद्देशीय बोधघाट बांध परियोजना से दंतेवाड़ा, बीजापुर, सुकमा जिले के 269 गांवों को बड़ा लाभ होगा। जबकि इंद्रावती-महानदी इंटरलिंकिंग परियोजना से कांकेर जिले के अनेकों गांवों में सिंचाई सुविधा का विस्तार हो सकेगा। बस्तर संभाग को विकसित, आत्मनिर्भर और सक्षम बनाने की दिशा में दोनों परियोजना एक महत्वपूर्ण कदम होगा।

परियोजना की विशेषताएं

दोनों परियोजनाओं की अनुमानित लागत 49000 करोड़ रूपए है। जिसमें इंद्रावती-महानदी लिंक परियोजना की लागत लगभग 20 हजार करोड़ रूपए एवं बहुउद्देशीय बोधघाट बांध परियोजना में लगभग 29 हजार करोड़ रुपए की लागत संभावित है। जिसमें हाइड्रोपावर इलेक्ट्रोमैकेनिकल कार्य, सिविल कार्य (सिंचाई) भी शामिल हैं। इस परियोजना में उपयोगी जल भराव क्षमता 2009 मि.घ.मी, कुल जल भराव क्षमता 2727 मि.घ.मी, पूर्ण जल भराव स्तर पर सतह का क्षेत्रफल 10440 हेक्टेयर सम्भावित है।

बस्तर के विकास की रफ्तार होगी डबल

बहुउद्देशीय बोधघाट बांध परियोजना से संभाग में सिंचाई साधनों का दायरा बढ़ने के साथ ही बस्तर के विकास को डबल रफ्तार मिलेगी। इस परियोजना से 125 मेगावाट का विद्युत उत्पादन, 4824 टन वार्षिक मत्स्य उत्पादन जैसे अतिरिक्त रोजगार, खरीफ एवं रबी मिलाकर 3,78,475 हेक्टेयर में सिंचाई विस्तार एवं 49 मिघमी पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित हो सकेगी। वहीं इंद्रावती-महानदी इंटरलिंकिंग परियोजना से कांकेर जिले की भी 50,000 हेक्टेयर भूमि में सिंचाई सहित कुल 3,00,000 हेक्टेयर से अधिक भूमि में सिंचाई सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। बस्तर को विकसित और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में दोनों परियोजना एक महत्वपूर्ण कदम होगा।

राहुल बोले-महाराष्ट्र चुनाव मैच फिक्सिंग

राहुल के बयान पर ईसीआई का जवाब गलत सूचना फैलाना कानून का अपमान

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

राहुल गांधी के महाराष्ट्र चुनाव में धांधली वाले आरोप पर चुनाव आयोग का जवाब सामने आया है। अपने एक जवाब में चुनाव आयोग ने कहा कि महाराष्ट्र की मतदाता सूची के खिलाफ लगाए गए निराधार आरोप कानून के शासन का अपमान हैं। बता दें कि राहुल गांधी ने महाराष्ट्र चुनाव में फिक्सिंग का आरोप लगाया था। दरअसल, एक अखबार में प्रकाशित लेख को साझा करते लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने महाराष्ट्र चुनाव में मैच फिक्सिंग का दावा किया। उन्होंने ट्वीट में आगे यह भी दावा किया कि बीजेपी की नजर अब बिहार विधानसभा चुनाव पर है, जो इस साल के अंत में होने वाले हैं। ⏭ शेष पेज 7 पर

- बीजेपी की नजर अब बिहार विधानसभा चुनाव पर

खुद के नियुक्त प्रतिनिधियों का भी अपमान

राहुल गांधी के महाराष्ट्र चुनाव में मैच फिक्सिंग का दावे पर ईसीआई ने जवाब में कहा कि किसी के द्वारा फैलाई गई कोई भी गलत सूचना न केवल कानून के प्रति अनादर का संकेत है, बल्कि अपने स्वयं के राजनीतिक दल द्वारा नियुक्त हजारों प्रतिनिधियों को भी बदनाम करती है। लाखों चुनाव कर्मचारियों को हतोत्साहित करती है। यह कहकर चुनाव आयोग को बदनाम करने की कोशिश करना पूरी तरह से बेतुका है।

राहुल सत्य को स्वीकार नहीं कर रहे : भाजपा

राहुल गांधी के इस बयान के बाद भाजपा के आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने कहा कि अनेकों बार चुनावों में जनता द्वारा नकारे जाने के बावजूद नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी इस सत्य को स्वीकार नहीं कर पा रहे हैं। हर चुनावी हार के बाद चुनाव आयोग और जनादेश को कठघरे में खड़ा करना राहुल गांधी की हताशा है। मालवीय ने आगे कहा, 'जब कांग्रेस चुनाव जीतती है — जैसे कर्नाटक या तेलंगाना में तब वही चुनावी व्यवस्था 'न्यायपूर्ण' लगती है। लेकिन जब वे हरियाणा या महाराष्ट्र में हारते हैं, तो साजिश की थ्योरी शुरू हो जाती है।

बैद्यनाथ
नागपुर
असली आयुर्वेद
इम्युनिटी एवं स्फूर्ति बढ़ाने में सहायक।
शारीरिक शक्ति बढ़ाने, थकान, कमजोरी, हाथ-पैर में दर्द, पीठ दर्द, कमर दर्द आदि दूर करने में उपयोगी।
अश्वगंधामृत
शारीरिक शक्ति व स्फूर्ति कायम रखने एवं मानसिक तनाव कम करने में लाभदायक।
बढ़ती उम्र के लिए लाभकारी।
वैद्यकीय सलाह : 8448444935 | www.baidyanath.co

हार्ट अटैक से मौत

फुटबॉल मैच की खुशी ने ली कोच की जान

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

फुटबॉल कोच की हार्ट अटैक से मौत होने का मामला सामने आया है। मामले में नेवई पुलिस मर्ग कायम कर जांच कर रही है। मिली जानकारी के मुताबिक रिसाली स्थित रावणभाटा मैदान में फुटबाल स्पर्धा का आयोजन था। शुक्रवार को भिलाई तीन न्यू मशाल क्लब फुटबाल टीम (जूनियर) कोच बजरंग पारा भिलाई 3 निवासी सुरेश ⏭ शेष पेज 7 पर

बच्चों को प्रेरित करने वाले कोच थे

सुरेश राउत की टीम न्यू मशाल क्लब सेमीफाइनल मैच में 3-0 से पिछड़ गई थी। सुरेश ने यह मान चुके थे की उनकी टीम हार रही है। इसके बाद दूसरी पारी में उनकी टीम ने 4-3 से अंतिम समय में जीत दर्ज कर ली। मैच जीतने के बाद वो ⏭ शेष पेज 7 पर

नए सीसीटीवी फुटेज से सस्पेंस गहराया

रेनकोट-सफेद शर्ट में दिखी सोनम, राजा की लाश के पास यही दोनों कपड़े मिले

एजेंसी ⏭ शिलांग

मेघालय के शिलांग में इंदौर के नवविवाहित जोड़े राजा रघुवंशी और सोनम रघुवंशी के मामले में एक नया खुलासा हुआ है। बीती 22 मई के एक नए सीसीओवी फुटेज में राजा और सोनम शिलांग के एक होटल के बाहर स्कूटी से आते और सूटकेस रखने ⏭ शेष पेज 7 पर

होटल में बैग रखकर दिखे जाते

शिलांग के एक न्यूज़ चैनल' की ओर से जारी 4 मिनट 53 सेकंड के इस फुटेज में साफ देखा जा सकता है कि 22 मई को होटल पहुंचे, बैग रखा। स्कूटी पर सवार होकर बाहर निकल गए।

संवाद से समाधान तक
सुशासन तिहार

" हमारा संकल्प है कि राज्य के हर नागरिक तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचे और कोई भी पात्र हितग्राही वंचित न रहे। सुशासन तिहार जनहित के प्रति प्रतिबद्धता का जीवंत उदाहरण बन गया है। यह अभियान केवल आवेदन संग्रह या समस्या निराकरण का माध्यम नहीं है, बल्कि यह राज्य के शासन-प्रशासन और जनता के बीच का सेतु बन गया है।"
- विष्णु देव साय, मुख्यमंत्री

अभियान का स्वरूप

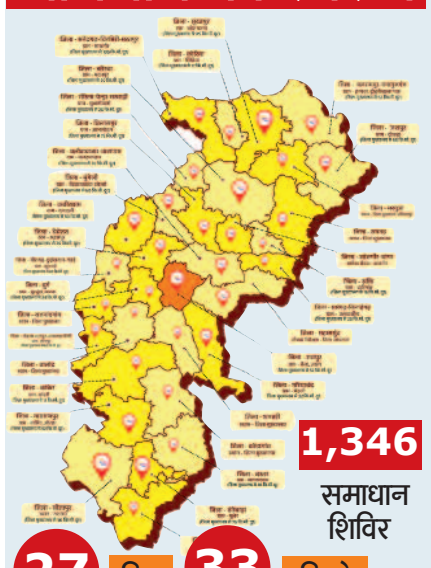

1,346 समाधान शिविर
27 दिन **33** जिले
41,21,042 आवेदनों का संकलन

मुख्य उद्देश्य

1. समस्याओं का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करना।
2. विकास कार्यों में गति लाने के लिए आम जनता, जनप्रतिनिधियों और विभिन्न सामाजिक संगठनों से सीधा संवाद स्थापित करना।
3. जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा करना/विकास कार्यों की जमीनी सच्चाई जानना।
4. पारदर्शिता, जवाबदेही और सेवा की भावना को बढ़ावा देना।

जनहितैषी प्रशासन का नया मॉडल

सुशासन तिहार ने सरकार को समयबद्ध तरीके से जनता की मांगों को पूरा करने की कार्य योजना का एक नया मॉडल दिया है। इसके साथ ही वस्तु स्थिति के जमीनी आंकलन और जनता की मांगों से रूबरू होकर जनहित की नई योजनाओं की रूपरेखा तैयार करने में भी मदद मिली है। इस अभियान ने जल जीवन मिशन, सिंचाई परियोजनाओं और राजस्व प्रकरणों से जुड़े वर्षों पुराने मामलों के भी निराकरण का रास्ता खोला है। शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार हेतु युक्तियुक्तकरण जैसी बड़ी पहल की शुरुआत भी सुशासन तिहार की ही परिणीति है। कुल मिलाकर सुशासन तिहार, छत्तीसगढ़ में सुशासन और जनहित की मजबूती के त्योहार के रूप में जनमानस के लिए समस्याओं के निराकरण, जन सुविधाओं में अभिवृद्धि और नई सौगातों का प्रतीक रहा है।

समस्याओं का त्वरित निराकरण, यही है 'विष्णु का सुशासन'

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय अपने लोकप्रिय कार्यक्रम सुशासन तिहार में आम लोगों से आमने-सामने मिले। इस दौरान जनता के हाथ में माइक होता था और मुख्यमंत्री उनकी बातें सुनते थे। सुशासन तिहार में जन-जन से मन से मुख्यमंत्री विष्णु देव साय मिले। लोगों की समस्याएं सुनी, निराकरण किया और करोड़ों की सौगातें दी। जिससे लोगों के चेहरों पर मुस्कान आई।

जन-जन से...मन से मिले सीएम साय
चेहरों पर लाई मुस्कान

सरकारी मशीनरी के संचालन के लिए सर्वोच्च स्तर पर यदि सरकार की इच्छाशक्ति मजबूत हो तो आमजन की समस्याओं का त्वरित निराकरण किस तरह हो सकता है, इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है छत्तीसगढ़ सरकार का 'सुशासन तिहार'। 27 दिनों के इस महा अभियान की सबसे खास बात यह है कि इसमें मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की सीधी भूमिका रही। अभियान के दौरान मुख्यमंत्री साय का राज्य के विभिन्न ग्रामीण और शहरी क्षेत्र में औचक आगमन-निरीक्षण होता, जिसकी पहले से किसी को कोई जानकारी नहीं होती। सिर्फ मुख्यमंत्री तय करते कि उन्हें आज राज्य के किस इलाके में जाकर जनता से सीधा संवाद करना है। ना कोई औपचारिकता, न कोई टेंट- पंडाल, इस दौरान गांव में बड़े वृक्षों की छांव तले लगती मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की चौपाल। जहां वे लोगों से जनहित के मुद्दों पर चर्चा करते, उनकी समस्याएं सुनते और त्वरित निराकरण के लिए हर संभव प्रयास करते। इस दौरान मुख्यमंत्री साय ने जनहित से जुड़ी 100 से अधिक महत्वपूर्ण घोषणाएं भी कीं।

सुशासन तिहार, 3 चरणों का महा अभियान है, जिसकी शुरुआत 8 अप्रैल 2025 से हुई। अभियान के पहले चरण में जन सामान्य से विभिन्न समस्याओं और मांगों से जुड़े आवेदन एकत्र किए गए। इसके बाद आवेदनों के निराकरण का दौर शुरू हुआ। तीसरे चरण में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का औचक आगमन- निरीक्षण, समीक्षा बैठक और समाधान शिविरों का आयोजन हुआ, जो 31 मई 2025 तक चला। प्रथम चरण में आवेदन एकत्र करने के लिए ग्राम पंचायत, नगरीय निकाय, जिला मुख्यालय, विकासखंड कार्यालय और हाट बाजारों में समाधान पेटियां लगाई गई थीं। इसके अलावा सुशासन तिहार पोर्टल और कॉमन सर्विस सेंटर से ऑनलाइन व शिविरों के माध्यम से भी आवेदन लिए गए। इस दौरान ग्रामीण क्षेत्रों से 38 लाख 44 हजार 250 व शहरी क्षेत्रों से 2 लाख 76 हजार 792, इस तरह कुल 41 लाख 21 हजार 42 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 40 लाख 40 हजार 147 आवेदन मांग संबंधी व 80 हजार 895 आवेदन शिकायत संबंधित हैं। प्राप्त आवेदनों में पंचायत एवं ग्रामीण विकास, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन, खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण, महिला एवं बाल विकास विभाग और नगरी प्रशासन एवं विकास विभाग से संबंधित सर्वाधिक आवेदन प्राप्त हुए, जिनके समाधान की प्रक्रिया अगले चरण में प्रारंभ हुई। अभियान के तीसरे चरण में समाधान शिविरों का आयोजन हुआ। 27 दिनों में कुल 33 जिलों में 1,346 समाधान शिविरों का आयोजन हुआ। इनमें 1,012 ग्रामीण क्षेत्र और 334 समाधान शिविर शहरी क्षेत्र में आयोजित हुए।

मुख्यमंत्री साय ने बच्चों से किया आत्मीय संवाद, टॉफियां बांटी और पूछा हालचाल

गरियाबंद जिले के मड़ेली में आयोजित समाधान शिविर के दौरान एक अनोखा दृश्य देखने को मिला, जब मुख्यमंत्री विष्णु देव साय अचानक आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण करने पहुँच गए। नन्हे बच्चों के बीच पहुँचे मुख्यमंत्री ने जब पूछा-"बच्चों, हमारे देश के प्रधानमंत्री कौन हैं?" तो सबने उत्साह से कहा-"श्री नरेंद्र मोदी!" फिर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री का नाम पूछने पर सभी ने तुरंत उत्तर दिया-"श्री विष्णु देव साय!" यह दृश्य सिर्फ एक सामान्य संवाद नहीं था, बल्कि यह बताता है कि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री की लोकप्रियता केवल युवाओं और बड़े बुजुर्गों तक सीमित नहीं, बल्कि बच्चों के दिलों तक भी पहुँच चुकी है। मुख्यमंत्री साय ने बच्चों को दुलारा, चॉकलेट और टॉफियां बांटी और कुछ पल उनके साथ बिताया। बच्चों की मासूम मुस्कान और स्नेह ने मुख्यमंत्री श्री साय को भी भाव-विभोर कर दिया।

मुख्य घोषणाएं

- **स्वास्थ्य सेवा को बढ़ावा :** मनेंद्रगढ़ में 100 बिस्तरों का नया अस्पताल जशपुर और कांकेर में पीएचसी उन्नयन की घोषणा।
- **शिक्षा को बढ़ावा :** मोहला मानपुर दुर्ग और कनकबीरा में हाईस्कूलों का उन्नयन, जशपुर व मुंगेली में नए कॉलेजों की सौगात।
- **बिजली और पानी की पहुंच :** अंबागढ़ चौकी में 132 केव्ही सब स्टेशन और कबीरधाम-कांकेर में प्रमुख पेयजल योजनाओं की घोषणा।
- **सड़कें और संपर्क : गरियाबंद सड़क चौड़ीकरण,** दंतेवाड़ा, सूरजपुर और बीजापुर में गांवों के लिए सीसी सड़कें व पुलिया की घोषणा।
- **कल्याण वितरण :** महातारी वंदन में नवविवाहितों को जोड़ने की घोषणा, राशन आयुष्मान और वन अधिकारियों के लिए शिविर लगाए गए।
- **समुदायिक बुनियादी ढांचा :** ग्रामीण जिलों में डिजिटल सेवा केंद्रों की शुरुआत एवं जिले सक्ती और मोहला- मानपुर- अंबागढ़ चौकी के भोरामपुर में पंचायत भवनों को मंजूरी।
- सुकमा दंतेवाड़ा मार्ग हेतु 230 करोड़ रुपए।
- कबीरधाम जिले में छीरपानी जलाशय से कुसुमघटा जल प्रदाय योजना के तहत 123 करोड़ रुपए स्वीकृत।
- राजिम से छुरा सड़क (बेलटुकर होते हुए) 43 किमी सड़क चौड़ीकरण के लिए 147 करोड़ रुपए दिए जाने की घोषणा।
- मड़ेली में 132 केवी सबस्टेशन और विद्युत लाइन के लिए 75 करोड़ की घोषणा।
- अंबागढ़ चौकी में 132 केवी सबस्टेशन की स्थापना की घोषणा।

उपलब्धियां

- शीर्ष स्तर पर शासकीय योजनाओं की निगरानी से सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार।
- जन सरोकार एवं भागीदारी में वृद्धि।
- योजनाओं की मॉनिटरिंग में सुधार।
- **हितग्राहियों से बातचीत :** योजनओं के सफलतापूर्वक क्रियान्वयन की पुष्टि।
- ग्राम स्तरीय नेतृत्व को प्रोत्साहन- सरपंच, सचिव, मितानिन सभी की रही सक्रिय भागीदारी।
- सरकारी योजनाओं की अंतिम गांव तक पहुंच सुनिश्चित हुई है।
- आवेदनों के रूप में जमीनी स्तर पर आवश्कताओं की जानकारी मिलने से योजनाओं के क्रियान्वयन की प्लानिंग और बेहतर होगी।

सुशासन तिहार: पारंपरिक प्रशासन प्रणाली में नए बदलाव की बयार

सुशासन तिहार यानी, जनहित के मुद्दों पर सरकार की सजगता, जवाबदेही और तत्परता से आम जनता के जीवन में आने वाले सकारात्मक बदलाव का पर्व। सुशासन तिहार, पारंपरिक प्रशासन प्रणाली में एक नए बदलाव का भी प्रतीक है, जहां सरकार खुद जनता के द्वार पहुंचकर जनहित को और मजबूत बनाने का प्रयास कर रही है।

सरकार की जवाबदेही और तत्परता से आम जनता के जीवन में सकारात्मक बदलाव

सुशासन तिहार के दौरान जहां एक तरफ मनेंद्रगढ़ में 100 बिस्तरों के नए अस्पताल के खुलने का मार्ग प्रशस्त हुआ, वहीं जशपुर और मुंगेली में नए कॉलेजों की स्थापना की भी प्रक्रिया शुरू हो पाई। अंबागढ़ चौकी और कबीरधाम, कांकेर जैसे सीमावर्ती जिलों के सुदूर गांवों तक बिजली पानी की पहुंच सुनिश्चित हुई। गरियाबंद दंतेवाड़ा सूरजपुर और बीजापुर जिलों के अंदरूनी गांवों में सड़कों और पुल-पुलिया निर्माण के लिए रास्ते खुले। महतारी वंदन योजना, आयुष्मान भारत, राशन कार्ड और वन अधिकार पत्रों सहित अन्य कल्याणकारी कार्यक्रमों के पात्र हितग्राहियों को उनका लाभ मिल सके, इसके लिए शिविर लगाए गए। समाधान शिविरों में 75,647 लोगों को राशन कार्ड, 10,434 लोगों को आयुष्मान कार्ड, 60,668 लोगों के आय, जाति, निवास प्रमाण पत्र बनाए गए और 33,116 लोगों को विभिन्न योजनाओं के तहत पेंशन स्वीकृत की गई। नागरिकों से प्राप्त आवेदनों में सर्वाधिक आवेदन प्रधानमंत्री आवास योजना की मांग से जुड़े थे, जिनपर मुख्यमंत्री श्री साय ने केंद्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान से चर्चा की और उन्होंने तत्परता के साथ तीन लाख अतिरिक्त प्रधानमंत्री आवासों की स्वीकृति भी प्रदान कर दी। सुशासन तिहार के दौरान ही कई ग्रामीण इलाकों में डिजिटल सेवा केंद्रों की भी शुरुआत हुई। पंजीयन विभाग में 10 डिजिटल सेवाओं का शुभारंभ भी हुआ, जिनमें जमीन और अचल संपत्तियों के ऑनलाइन पंजीयन व नामांतरण की सेवा शामिल है।

सुशासन तिहार-प्रभाव

- **जिलों की नवाचार पहल :** राजनांदगांव में सूखे बोरवेल को रिचार्ज कर जल संरक्षण एवं बेमेतरा की ग्राम पंचायतों ने ग्रीष्मकालीन धान की खेती को हतोत्साहित किया।
- **बढ़ती जन-जागरूकता :** सड़क, पानी, बिजली सहित स्वच्छताऔर बेहतर जनसुविधाएं उपलब्ध कराने पर विशेष फोकस।
- **मुख्यमंत्री का जमीनी जुड़ाव :** सड़क मार्गों से यात्रा कर सड़कों की स्थिति देखी एवं आमजनों से सीधे संवाद किया।
- **मैदान स्तर पर संवाद :** सूरजपुर में सब्जी किसानों से मुलाकात, चांपा में प्रयास संस्थान के छात्रों के साथ भोजन, नारायणपुर में सुरक्षा बलों से संवाद।
- **राजस्व मामलों पर विशेष फोकस :** सभी जिलों में समयबद्ध तरीके से राजस्व प्रकरण निपटान पर जोर।

बदलाव

- जन शिकायतों का तेजी से हुआ समाधान।
- कई जिलों में प्राथमिक स्कूल, स्वास्थ्य केंद्र और आंगनबाड़ी की व्यवस्थाओं में सुधार की पहल शुरू हुई।
- मुख्यमंत्री द्वारा की गई घोषणाओं से नए विकास कार्यों (जैसे सड़क, पुल, पानी, बिजली आदि) को गति मिली।

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

रायपुर, रविवार 8 जून 2025

पहाड़ से बुझती है प्यास, रामाबुटी की जलधारा से किरंदुल के हजारों घरों में पानी की सप्लाई

खास खबर

सुरेश रावल/ विप्लव मलिक ⏭ जगदलपुर/ किरंदुल

- प्रदेश का पहली नगर पालिका जहां बिना बिजली के होती है पानी की सप्लाई
- साल के 12 महीने पहाड़ से अनवरत निकलता है शुद्ध पानी

दंतेवाड़ा जिले की लौह नगरी किरंदुल में पहाड़ों से लोहा निकलता है। वहीं एक पहाड़ है रामाबुटी...वह चमत्कार से कम नहीं। रामाबुटी से बारहों महीने पानी की जलधारा बहती है, वह भी पूरी तरह से शुद्ध। इस पानी से किरंदुल के लगभग 10 वार्ड के करीब 20 हजार लोगों की प्यास बुझती है। विशेष बात यह है कि किरंदुल में जितनी भी पहाड़ियां हैं, वहां से लोहा निकलता है। लेकिन इसी क्षेत्र के रामाबुटी में चट्टान से रिसते पानी में आयरन की मात्रा नहीं है। जल पूरी तरह से शुद्ध माना गया है, क्योंकि यह कई साल से 10 वार्ड के लोगों को सप्लाई हो रहा है। नगर पालिका केवल टैंक में पानी स्टोर कर उसे फिल्टर कर घर-घर में सप्लाई करती है। हरिभूमि ने वहां का जायजा लिया। पता चला कि रोजाना करीब 7 लाख लीटर पानी रामाबुटी के चट्टान से रिसता है। यह पानी कभी सूखता नहीं है। ⏭ शेष पेज 7 पर

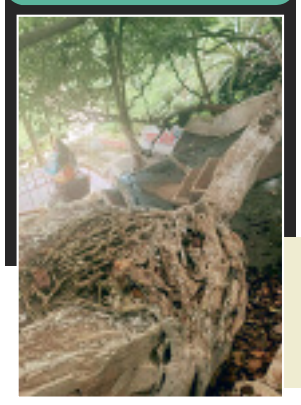

चट्टान से निकले हैं पौधे और लताएं रामाबुटी पहाड़ में सभी तरफ केवल चट्टान है और चट्टानों से ही पौधे और लताएं निकली है, जो पूरे पहाड़ को हराभरा बनाए रखती है। यहां आकर घंटों बैठने वाले लोग सुकून का अनुभव करते हैं। यह भी सोचनीय बात है कि चट्टान से निकले पौधे और लताएं जल की तरह चमत्कार का एक स्वरूप है।

बिजली का उपयोग नहीं

नगर पालिका किरंदुल की अध्यक्ष रूबी सिंह ने हरिभूमि से चर्चा में कहा कि रामाबुटी पहाड़ एक चमत्कारिक स्थल है, जहां पहाड़ के ऊपर जल का कोई स्रोत नहीं है। पानी किसी नदी, नाले या गुफा से निकलने का कोई जानकारी भी नहीं है। केवल चट्टान से पानी रिसता रहता है। जलधारा की रफ्तार भी काफी तेज बहती है। किरंदुल के 10 वार्ड के अलावा कोड़ेनार पंचायत और रेलवे कॉलोनी में भी यहां का पानी ⏭ शेष पेज 7 पर

7-8 बड़े टैंक में स्टोर होता है पानी

लौह नगरी के रामाबुटी चट्टान से प्रतिदिन 7 लाख लीटर से अधिक पानी निकलता है, जिसे बड़े-बड़े 7-8 टैंक में स्टोर किया जाता है। उसके बाद उसे वार्डों में सप्लाई किया जाता है। कई साल से इस चट्टान के पानी को किरंदुल के लोग पीते चले आ रहे हैं लेकिन कहीं भी आयरन की मात्रा या अन्य खनिज तत्व का कोई असर लोगों के स्वास्थ्य पर नहीं पड़ा है। यहां का जल पूरी तरह शुद्ध है और यह राज्य का एक मात्र नगरीय निकाय है, जहां पानी सप्लाई में न्यूनतम खर्चा आता है। शासन को रामाबुटी को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने प्रयास करना चाहिए।

- रूबी सिंह, *अध्यक्ष नगर पालिका किरंदुल*

ऑपरेशन के दौरान जवान हुए सर्पदंश, मधुमक्खी के डंक व डिहाइड्रेशन के शिकार

नेशनल पार्क एरिया में तीसरे दिन भी मुठभेड़

अब तक दो महिला समेत 7 नक्सली मारे गए

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

नेशनल पार्क इलाके में नक्सलियों के खिलाफ तीन दिन से चलाए जा रहे अभियान के तहत सुरक्षाबलों ने शनिवार को दो महिला समेत पांच नक्सलियों को ढेर कर दिया। मारे गए नक्सलियों में 1 करोड़ 45 लाख के ईनामी सीसी मेंबर सुधाकर व तेलगांना स्टेट कमेटी मेंबर भास्कर शामिल हैं। तलाशी अभियान में सुरक्षाबलों ने एके 47 रायफल के अलावा भारी मात्रा में विस्फोटक व गोला बारूद भी बरामद किया है।

आईजी सुंदरराज पट्टलिंगम ने बताया कि अब तक बीजापुर जिले के नेशनल पार्क क्षेत्र में चल रहे नक्सल विरोधी अभियानों के दौरान सुरक्षा बलों द्वारा कुल 7 माओवादी कैडरों के शव बरामद कर चुके हैं। इनमें सेंट्रल कमेटी सदस्य गौतम उर्फ सुधाकर और तेलंगाना राज्य कमेटी सदस्य भास्कर के शव भी शामिल हैं।

आईजी ने बताया कि सुरक्षाबलों को लगातार सफलता मिल रही है। नेशनल पार्क इलाके के घने जंगलों में सुरक्षाबलों को कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। अभियान के दौरान कई जवानों को सर्पदंश, मधुमक्खी के डंक, डिहाइड्रेशन और अन्य अभियान संबंधी कारणों से चोटें आई है। घायल जवानों को आवश्यक चिकित्सकीय उपचार प्रदान किया जा रहा है और फिलहाल सभी की स्थिति सामान्य है और वे खतरे से बाहर हैं। जंगल में नक्सलियों की तेजी से खोज की जा रही है।

जंगल में कई दिनों से घेरकर रखा है नक्सलियों को

2 एके 47 रायफल व गोला बारूद भी बरामद, फोर्स को मिली बड़ी सफलता

शिनाख्त होगी मारे गए पांच माओवादियों की

मुठभेड़ में मारे गए 7 नक्सलियों में 2 की शिनाख्त कार्रवाई पूरी हो चुकी है। इनकी शिनाख्त 1 करोड़ के ईनामी सीसी मेंबर सुधाकर उर्फ गौतम व 45 लाख के ईनामी तेलंगाना स्टेट कमेटी मेंबर भास्कर के रूप में हुई है। वहीं दो अज्ञात महिला नक्सली कैडर व तीन अज्ञात पुरुष नक्सली कैडर के शिनाख्त का प्रयास जारी है।

जारी है तलाशी अभियान

नेशनल पार्क इलाके में पिछले तीन दिन से चलाए जा रहे सर्च ऑपरेशन एवं एरिया डॉमिनेशन अभियान वर्तमान में भी जारी है। सुरक्षाबलों द्वारा तलाशी अभियान चलाया जा रहा है, जिससे शेष फरार माओवादी कैडरों की खोज की जा सके और पूरे क्षेत्र को पूर्णत: सुरक्षित बनाया जा सके।

- सुंदरराज पट्टलिंगम
आईजी, बस्तर

तीन पुरुष व दो महिला नक्सलियों के शव बरामद

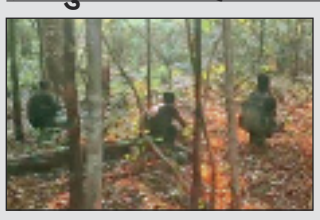

अभियान के पहले दिन 5 जून को सेंट्रल कमेटी मेंबर (सीसीएम) सुधाकर उर्फ गौतम का शव बरामद किया गया था। वहीं 6 जून को तेलंगाना स्टेट कमेटी (टीएससी) सदस्य भास्कर का शव बरामद हुआ था। वहीं 6 और 7 जून की शाम को हुई मुठभेड़ के दौरान तीन पुरुष व दो महिला माओवादी कैडरों के शव बरामद किया गया है। इसके अलावा तलाशी अभियान में 2 एके 47 रायफल, गोला बारूद, विस्फोटक व नक्सली सामग्री बरामद किया गया है।

महिला को लेकर नशे में घूम रहे कार सवार व्यापारी ने तीन युवकों को मारी टक्कर, एक की मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज, युवक गिरफ्तार

नशे में धुत महिला को लेकर घूम रहे कार सवार व्यापारी ने तेज रफ्तार गाड़ी चलाते हुए सड़क किनारे पैदल

मृतक

घूम रहे तीन युवकों को जबरदस्त टक्कर मार दी। हादसे में एक युवक की मौत हो गई है। वहीं दो लोग गंभीर रूप से घायल हैं। उन्हें इलाज के लिए निजी हास्पिटल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने गैर ⏭ शेष पेज 7 पर

आटो से भाग गई महिला

टीआई श्री बैस ने बताया, लोगों ने जानकारी दी है कि कार में व्यापारी के साथ एक महिला थी जो पूछताछ में अपने आपको को व्यापारी की पत्नी होना बता ⏭ शेष पेज 7 पर

कार में मिली बीयर की बोतलें

लोगों ने कार सहित व्यापारी व महिला को पकड़ा तो व्यापारी नशे में था और लोगों को तीनों का इलाज कराने का आश्वासन दे रहा था। इससे लोगों ने ⏭ शेष पेज 7 पर

पेट से जुड़ी समस्या

सोनिया गांधी की तबीयत बिगड़ी, शिमला में भर्ती

एजेंसी ⏭ शिमला

कांग्रेस संसदीय दल की चेयरपर्सन सोनिया गांधी को शिमला के अस्पताल में भर्ती किया गया है।

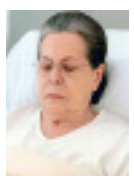

खबर है कि उनकी तबीयत अ चा न क बिगड़ गई थी जिसके बाद उन्हें शनिवार को शिमला के इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल ले जाया गया। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के मीडिया सलाहकार नरेश चौहान ने इसकी जानकारी दी है।

फरवरी में भी अस्पताल में भर्ती हुई थीं

सोनिया गांधी को इसी साल फरवरी में पेट से जुड़ी समस्या के कारण दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। उस समय भी डॉक्टरों ने बताया था कि चिंता की कोई बड़ी बात नहीं है और उन्हें अगले दिन ही छुट्टी दे दी गई थी। गौरतलब है कि सोनिया गांधी आखिरी बार 27 मई को सार्वजनिक रूप से दिखाई दी थीं।

कोको गॉफ ने पहली बार जीता फ्रेंच ओपन खिताब

पेरिस। अमेरिका की कोको गॉफ ने एक सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए शीर्ष रैंकिंग वाली एरिना सबालेंका को 6-7, 6-2, 6-4 से हराकर पहली बार फ्रेंच ओपन महिला एकल खिताब जीत लिया। दूसरी रैंकिंग वाली गॉफ इससे पहले 2023 अमेरिकी ओपन जीत चुकी हैं। रोलां गैरो पर 2013 के बाद पहली बार दुनिया की पहले और दूसरे नंबर की खिलाड़ी के बीच फाइनल खेला गया।

स्वीडन की यूनिवर्सिटी ऑफ काल्मर में 14 रिसर्चर्स द्वारा की गई एक स्टडी में साबित हुआ है कि अगर व्यक्ति अपनी उम्र को ध्यान में रखते हुए वॉक करता है, तो इससे ना केवल बढ़ते वजन को कंट्रोल किया जा सकता है, बल्कि ये कई और लाइफस्टाइल संबंधी बीमारियों को काबू करने में भी असरदार है। पैदल चलने के फायदों के बारे में हम अक्सर सुनते रहते हैं। हेल्दी बॉडी और माइंड के लिए वॉक करना बेहद फायदेमंद माना जाता है।

जानिए किस उम्र के व्यक्ति को कितने कदम रोज चलना चाहिए

स्टॉकहोम। इसी कड़ी में हेल्थ एक्सपर्ट्स हर उम्र के व्यक्ति को रोज वॉक करने की सलाह देते हैं। वॉक एक ऐसा वर्कआउट है, जिसमें आपकी पूरी बॉडी एक्टिव रहती है और आपके शरीर का हर अंग तेजी से काम करता है। ऐसे में अगर आप नियमित रूप से पैदल चलते हैं, तो आपको किसी और एक्सरसाइज की भी अधिक जरूरत नहीं होती है। खैर, यह बात अधिकतर लोग जानते होंगे, लेकिन क्या आपको पता है कि किस उम्र के व्यक्ति को कितने कदम रोज चलना चाहिए? अगर नहीं, तो इस लेख में हम आपको इसी के बारे में बताने जा रहे हैं।

स्वीडन की यूनिवर्सिटी ऑफ काल्मर ने रिसर्च के बाद दी नई जानकारी

वजन होता है कंट्रोल

स्वीडन की यूनिवर्सिटी ऑफ काल्मर में 14 रिसर्चर्स द्वारा की गई एक स्टडी में साबित हुआ है कि अगर व्यक्ति अपनी उम्र को ध्यान में रखते हुए वॉक करता है, तो इससे ना केवल बढ़ते वजन को कंट्रोल किया जा सकता है, बल्कि ये कई और लाइफस्टाइल संबंधी बीमारियों को काबू करने में भी असरदार है। इससे हार्ट डिजीज, डायबिटीज और हाई ब्लड प्रेशर जैसी कई गंभीर बीमारियों पर आसानी से कंट्रोल पाया जा सकता है। इसी रिसर्च के आधार पर आइए जानते हैं कि उम्र के हिसाब से एक व्यक्ति को कितने कदम रोज चलना चाहिए।

उम्र के अनुसार हो वार्किंग

रिसर्च के मुताबिक, 6 से 17 साल के बच्चे जितना चलते हैं, उतना ही उनके लिए ये फायदा करता है। इस उम्र के लड़कों को एक दिन में कम से कम 15,000 स्टेप्स जरूर लेने चाहिए। जबकि, लड़कियां 12,000 कदम चलें तो अच्छा रहेगा। 18 से 40 साल के पुरुष और महिलाओं दोनों को एक दिन में 12,000 कदम चलना चाहिए। 40 के पार पहुंचने पर स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं अधिक देखने को मिलती है, साथ ही इस उम्र में बेवजह वजन बढ़ने का चांस भी अधिक रहता है, ऐसे में हेल्थ एक्सपर्ट्स इस उम्रे में एक दिन में 11,000 कदम जरूर चलने की सलाह देते हैं। 50 की उम्र के लोगों को प्रतिदिन 10,000 कदमों का अभ्यास जरूर करना चाहिए। 60 साल के लोगों स्वस्थ रहने के लिए हर रोज दिन में 8,000 कदम तो चलना ही चाहिए। हालांकि, ध्यान रहे कि चलने का मतलब सुस्ती के साथ चलना नहीं, बल्कि जोश और तेजी से पैरों को बढ़ाना है। वहीं, 60 से अधिक उम्र के लोगों को ज्यादातर चलने-फिरने में परेशानी का सामना करना पड़ता है, ऐसे में एक्सपर्ट्स उन्हें तब तक वॉक करने की सलाह देते हैं, जब तक वे थकान महसूस नहीं करते।

चार्ट से समझें-

उम्र	लिंग	कदम
6 से 17 साल	पुरुष	कम से कम 15,000 कदम
6 से 17 साल	महिला	कम से कम 12,000 कदम
18 से 40 साल	पुरुष	कम से कम 12,000 कदम
18 से 40 साल	महिला	कम से कम 12,000 कदम
40 के पार	पुरुष	कम से कम 11,000 कदम
40 के पार	महिला	कम से कम 11,000 कदम
50 साल	पुरुष	कम से कम 10,000 कदम
50 साल	महिला	कम से कम 10,000 कदम
60 साल	पुरुष	कम से कम 8,000 कदम
60 साल	महिला	कम से कम 8,000 कदम

रिसर्च के मुताबिक पैदल चलने के फायदे

गौरतलब है कि केवल पैदल चलने से व्यक्ति कई गंभीर बीमारियों से खुद की हिफाजत कर सकता है। हर रोज वॉक करने से स्ट्रेस लेवल में गिरावट आती है। अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन के मुताबिक, रनिंग करने या तेजी के साथ कदम बढ़ाने से दिल में ब्लड सर्कुलेशन बढ़ाता है, जिससे बैड कोलेस्ट्रॉल का खतरा कम हो जाता है। साथ ही ब्लड प्रेशर भी स्थिर रहता है। वॉक करना फेफड़ों के लिए भी फायदेमंद है। इससे ऑक्सीजन का शरीर में ज्यादा बहाव होता है। रोजाना वॉक करने से शरीर की अतिरिक्त चर्बी घटाती है और मसल्स टोन फिट रहते हैं।

रोचक खबरें

कई सारे अजगरों के साथ सूटकेस में मिली बच्ची, हर कोई हुआ हैरान

अजगर और सांप ऐसे जीव हैं, जिनका जिक्र होते ही ज्यादातर लोगों के मन में डर बैठ जाता है। इन रेंगने वाले जीवों को देखकर लोग घबरा जाते हैं और उनसे दूरी बनाकर रखना ही बेहतर समझते हैं। खासकर अजगर, जो आकार में बड़े होते हैं, उनका आना ही लोगों को भयभीत कर देती है। मगर कुछ लोग इन डरावने माने जाने वाले जीवों को न सिर्फ अपनाते हैं बल्कि उन्हें अपने घरों में पालते भी हैं। वे इनके साथ इस तरह घुल-मिल जाते हैं जैसे वे कोई पालतू कुत्ता या बिल्ली हों। सोशल मीडिया पर इन दिनों एक ऐसा ही वीडियो सामने आया है जो हर किसी को हैरानी में डाल रहा है। इस वायरल वीडियो में एक छोटी सी बच्ची को कई अजगरों के बीच बैठे और उनके साथ खेलते हुए देखा जा सकता है। वो बच्ची अजगरों को किसी खिलौने की तरह ट्रीट कर रही है। उसकी उम्र करीब 5 से 8 साल के बीच बताई गई है। हैरानी की बात यह है कि वह इन सांपों से न तो डरती है और न ही रोती है। इस बच्ची का नाम एरियाना है और वह बॉल पायथन नस्ल के कई अजगरों को पालती है। एरियाना सिर्फ उनके साथ खेलती ही नहीं, बल्कि उनके साथ एक ही बिस्तर पर सोती भी है। उसके लिए ये सांप उसके दोस्त जैसे हैं, जिनके साथ वह हर समय रहना पसंद करती है।

सांपों के साथ ट्रैवल भी करती है बच्ची

वीडियो में एरियाना ने यह भी बताया कि वह अपने बॉल पायथन के साथ ट्रैवल करना पसंद करती है। चाहे यात्रा छोटी हो या लंबी, वह अपने सांपों का काफी ध्यान रखती है। उसका कहना है कि वह हमेशा यह कंफर्म करती है कि उसके पालतू सांपों को पूरा आराम और सुरक्षा मिल रही हो। एरियाना ने सांपों की देखभाल से जुड़ी कुछ अहम बातें भी साझा की हैं। जैसे उनके लिए सही वेंटिलेशन और शांत माहौल बहुत जरूरी होता है। इन बातों का ध्यान रखा जाए तो बॉल पायथन बेहद शांत और दोस्ताना रहते हैं।

सड़क पर चैन से सो रहा था शख्स, तभी पहुंची शेरनी, वीडियो वायरल

नई दिल्ली। सोशल मीडिया पर अक्सर जंगली जानवरों के सड़कों पर घूमने के वीडियो सामने आते हैं। रात के अंधेरे में जंगली जानवर शिकार की तलाश में कभी-कभी रिहायशी इलाकों में चले आते हैं। शेर और तेंदुआ के शिकार करने के कई वीडियो वायरल होते हैं। अब इन दिनों एक शेरनी का वीडियो वायरल हो रहा है। यह वीडियो बेहद हैरान करने वाला है। शेर से पूरा जंगल तो क्या इंसान भी थर-थर कांपते हैं। ऐसे में जब रात के अंधेरे में सुनसान सड़क पर एक शेरनी आ जाए, तो क्या आपकी क्या प्रतिक्रिया क्या होगी? आप डर के वहां से भाग जाएंगे। लेकिन चैन से शो रहे शख्स के पास एक शेरनी पहुंच जाती है और उसकी प्रतिक्रिया ऐसी होती है, जिसे देखकर आप हैरत में पड़ जाएंगे। वायरल हो रहे वीडियो में आप देख सकते हैं कि युवक फुटपाथ पर अपनी दरी बिछाकर सो रहा है। उसके पास चादर भी है। लेकिन शायद नींद में वो उसपर से हट गई है। कुछ देर बाद वहां से शेरनी गुजरती है। वहां घूमते हुए जब शेरनी की नजर शख्स पर पड़ती है, तो पास जाकर उसे कई बार सूंघती है। इतना सब होने के बाद भी युवक नींद में सोता रहा। ऐसा भी देखा जा सकता है कि युवक

चोर नहीं उठा पाया सिलेंडर का वजन और गिर गया नाले में

हरिद्वार। उत्तराखंड के हरिद्वार जिले से एक चौंकाने वाला लेकिन कॉमेडी तरह का मामला सामने आया है। रुड़की में हुए इस वाकये का सीसीटीवी फुटेज सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें चोरी करने आए एक चोर को उसके कर्मों की सजा उसी वक्त मिल जाती है, लेकिन वह इससे सबक नहीं लेता। हालांकि, चोर की हरकत देखकर और उसके साथ जो होता है, उसे देखकर लोगों की हंसी नहीं कंट्रोल होती है। वीडियो में दिखाई देता है कि एक चोर घर में घुसकर गैस सिलेंडर चुराता है और जैसे ही वह उसे कंधे पर उठाकर दरवाजे से बाहर आता है, सिलेंडर का वजन उसकी उम्मीद से कहीं ज्यादा होता है। संतुलन बिगड़ते ही वह नाले में गिर जाता है। इसके बावजूद वह गिरकर भी रुकता नहीं है और दोबारा खड़ा होकर सिलेंडर उठाकर वहां से भाग निकलता है। करीब 28 सेकंड का यह वीडियो इंटरनेट पर जमकर देखा और शेयर किया जा रहा है। इसमें साफ देखा जा सकता है कि चोर को अंदाजा नहीं था कि उसकी यह हरकत सीसीटीवी कैमरे में कैद हो रही है। चोरी के वक्त वह सिलेंडर उठाकर जैसे ही गेट पार करता है। अचानक उसका बैलेंस बिगड़ जाता है और वह गिरकर नाले में गिर जाता है। घटना का वीडियो पड़ोस की एक महिला ने अपने टीवी से रिकॉर्ड कर सोशल मीडिया पर शेयर किया है। इस दौरान वह अपने पड़ोसी को भी कोसती सुनाई देती है। यह वीडियो अब हर तरफ चर्चा में है। इस वीडियो को X पर @askbhupi नामक यूजर ने पोस्ट किया और कैप्शन में लिखा, ₹चोरी का सिलेंडर उठाकर भाग रहे चोर पर सिलेंडर का वजन कुछ ज्यादा ही भारी पड़ गया और बस धड़ाम से नाले में समा गए।

प्रथा

इसी तरह हुआ 60 प्रतिशत आबादी का रिश्ता

किर्गिस्तान में आम है पकड़ौवा शादी, ये सब होता है खुलेआम

दुनिया के कई हिस्सों से फोर्स्ड मैरिज की खबरें आती हैं, लेकिन किर्गिस्तान के ग्रामीण इलाकों में ये बहुत आम है। यहां तक कि देश की 60 प्रतिशत आबादी का रिश्ता इसी तरह हुआ। इस प्रथा को वहां अल काचु कहते हैं, जिसका मतलब है- पकड़ो और भाग निकलो। लड़के इसमें ग्रुप बनाकर लड़की तलाश करते हैं और पसंद आते ही उसे अगवा कर लेते हैं। ये सब खुलेआम होता है।

जैसे ही लड़का शादी की उम्र तक पहुंचता है, उसका परिवार उसे अल काचू की तरफ उकसाता है। लड़की की खोज शुरू हो जाती है। देखा जाता है कि लड़की स्वस्थ और सुंदर हो। आमतौर पर कमउम्र और गरीब घरों की लड़कियां इसका शिकार बनती हैं। लड़के अपने साथियों के साथ मिलकर उसे भीड़ भरी जगहों या फिर सीधे घर से अगवा कर लेते हैं।

कानून भी बन चुका है

सोवियत संघ का हिस्सा रहने के दौरान किर्गिस्तान में ब्राइड किडनैपिंग पर रोक लग गई थी। हालांकि उससे टूटने के बाद एक बार फिर ये प्रथा फलने-फूलने लगी। मानवाधिकार संस्थाएं इसका विरोध करती थीं, लेकिन उनके पास भी खास ताकत नहीं थी। असल में सोवियत से अलगाव के बाद किर्गिस्तान की अर्थव्यवस्था कमजोर हो चुकी थी। ऐसे में शादी पर भारी-भरकम खर्च करने की बजाए ये ऑप्शन लोगों को ज्यादा पसंद आ गया। अगवा करके शादी में खर्च बच जाता था। हालांकि बहुत से प्रोटेस्ट और यूएन के दखल के बाद करीब 20 साल पहले ब्राइड किडनैपिंग को गैरकानूनी माना गया। क्रिमिनल कोड ऑफ किर्गीज रिपब्लिक के तहत इसपर कड़ी सजा और जुर्माना भी तय हुआ, लेकिन ग्रामीण इलाकों में सब वैसे ही चलता रहा। यहां बता दें कि देश की आधी से ज्यादा आबादी ग्रामीण ही है। इसी बीच लड़की का परिवार भी वहां पहुंच जाता है। आमतौर पर शादी के लिए हां कर दी जाती है क्योंकि इस मुस्लिम-बहुल देश में अगवा की जा चुकी लड़की को फिर कम ही लोग अपनाते हैं। लड़की को पकड़कर उसके सिर पर जबर्दस्ती एक सफेद स्कार्फ बांध दिया जाता है, जिसका मतलब है कि वो शादी के लिए राजी है।

मां और बच्चे की सेहत पर हो रहा असर

केवल जबरन शादी ही नहीं हो रही, बल्कि इसकी वजह से देश में मातृ मृत्युदर भी ज्यादा है। इसका असर बच्चे की सेहत पर भी होता है। डेमोग्राफी में अगस्त 2017 की रिपोर्ट फोर्स्ड मैरिज एंड बर्थ आउटकम में माना गया कि जबरन शादी के जन्मे पहले बच्चे का वजन सामान्य शादियों की तुलना में काफी कम होता है। मांओं में तनाव और कमजोरी इसकी वजह है। अक्सर शादी के बाद लड़की खेती और घर के काम अकेले ही संभालती है। वो एक तरह से बंधुवा मजदूर हो जाती है।

रूस की तरफ माइग्रेट कर रहीं

चूंकि लड़की के माता-पिता उसे अगवा किए जाने का विरोध नहीं करते, ऐसे में किर्गीज लड़कियों के पास घुटने टेक देने के अलावा कोई विकल्प नहीं रहता। हालांकि बीते कई सालों से इस देश से महिला माइग्रेशन तेजी से बढ़ा. रूस में ज्यादातर किर्गीज महिलाएं मजदूरी के लिए चली जाती हैं। यहां उन्हें अगवा किए जाने का डर नहीं रहता। वहीं पुरुष आर्थिक हालात सुधारने के लिए दूसरे देश जाते हैं।

यूपी पुलिस ने भाई की हत्या के बाद लड़की की शादी में की मदद

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले में पुलिस कर्मियों ने युवती की जिंदगी बर्बाद होने से बचा ली। उन्होंने अपनी मौजूदगी में उक्त युवती की शादी कराई जिसके भाई की हाल ही में बदमाशों ने लूटपाट के दौरान हत्या कर दी थी और परिवार से शादी के लिए रखे पैसे भी लूट लिए थे। रिपोर्ट के अनुसार पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल और उनकी पत्नी तन्वी जायसवाल ने शादी में अहम भूमिका निभाई, क्योंकि दूल्हे के परिवार ने डर के कारण शादी कैंसल कर दी थी।

- बारातियों का किया स्वागत, उठाया सारा खर्चा

दरअसल, दुल्हन उदय कुमारी के भाई शिवदीन की शादी से ठीक दो दिन पहले 24 अप्रैल को हत्या कर दी गई थी। स्थिति के बारे में जानने के बाद, पुलिस अधिकारियों ने न केवल शादी का पूरा खर्च उठाया, बल्कि दूल्हे के परिवार से बात की और शादी की नई तारीख भी तय की। एसपी विनीत जायसवाल के नेतृत्व में पुलिसकर्मियों ने न केवल दुल्हन को 1 लाख 51 हजार रुपये नकद, गहने और घर के सामान दिए, बल्कि शादी स्थल पर दूल्हे के परिवार का स्वागत भी किया। इस बीच, उसके भाई की हत्या कर उसकी शादी के पैसे लूटने वाले डकैतों का सरगना ज्ञान चंद 8 मई को इंस्पेक्टर अरुण सिंह के नेतृत्व वाली स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) की टीम के साथ मुठभेड़ में गंभीर रूप से घायल हो गया। रिपोर्ट के मुताबिक सरकारी अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। ज्ञान चंद पर एक लाख रुपये का इनाम है। पुलिस ने उसके पास से एक अवैध 32 बोर की पिस्तौल, एक राइफल, 315 बोर, एक 12 बोर की बंदूक और भारी मात्रा में कारतूस बरामद किए हैं।

इस देश में मोटी दुल्हन को मानते हैं बेस्ट, लड़की दुबली-पतली हो तो जबरन खिलाते हैं खाना

सुंदरता के पैमाने हर किसी के लिए अलग होते हैं। किसी को पतले लोग पसंद आते हैं। तो किसी को मोटे लोग पसंद आते हैं। किसी को ज्यादा हाइट वाले लोग पसंद आते हैं। तो किसी को कम हाइट वाले लोग पसंद आते हैं। लोगों की इस मामले में अपनी अलग पसंद होती है। हालांकि अगर आप ज्यादातर लोगों को देख तो उन्हें पतले लोग पसंद आते हैं/ खास तौर पर लड़कियों की बात की जाए तो। लोगों को पतली लड़कियां पसंद होती हैं। और लड़कियां भी खुद को काफी स्लिम रखना पसंद करती हैं। इसके लिए वर्कआउट, कार्डियो और भी फिजिकल एक्टिविटी करती हैं। लेकिन दुनिया में एक ऐसा देश है। जहां मोटी

लड़कियों को पसंद किया जाता है। इतना ही नहीं लड़कियों को मोटी करने के लिए उन्हें जबरन खाना भी खिलाया जाता है। चलिए आपको बताते हैं।

लैबलोउ परंपरा काफी समय से चली रही है

मॉरिटानिया में इस परंपरा को लैबलोउ कहा जाता है। इसमें लड़कियों को बचपन से ही ज्यादा वजन बढ़ाने के लिए दूध मक्खन और इस तरह के पदार्थ दिए जाते हैं जिनमें ज्यादा कैलोरी होती है। अगर किसी लड़की का खाने का मन भी नहीं होता। तब भी उसे जबरन खाना खिलाया जाता है। इस देश में है परंपरा कई सालों से चली आ रही है। देश के लोगों का मानना है कि मोटी दुल्हन परिवार की प्रतिष्ठा को बढ़ाती है और पैसे भी आते हैं।

अब हो रहा बदलाव : भले ही अभी भी मॉरिटानिया के ज्यादातर लोग लड़कियों को मोटा करने की परंपरा को निभा रहे हैं। लेकिन अब कुछ लोगों में आधुनिकता को देखते हुए कई बदलाव हो रहे हैं। मोटे होने से स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का भी सामना करना पड़ता है। इस वजह से भी अब कुछ जगह पर इस परंपरा को कम फॉलो किया जा रहा है।

डीटीसी बस के आगे नागिन की तरह बाइक नचा रहा था लड़का

नई दिल्ली। दिल्ली में हाल ही में एक लड़के के किए गए खतरनाक स्टंट का वीडियो इंटरनेट पर जमकर वायरल हो गया। इस वीडियो में लड़का बिना हेलमेट के रॉयल एनफील्ड बुलेट बाइक चलाते हुए दिखाई देता है। वह सड़क पर चलती डीटीसी बस के सामने जिग-जैग अंदाज में बाइक चला रहा था और बार-बार बस का रास्ता रोककर ड्राइवर को आगे बढ़ने से रोक रहा था। हालांकि, इसके बाद वह मुसीबत में भी पड़ जाता है। तो आज की इस खबर में हम आपको इसी वीडियो के बारे में विस्तार से बताने जा रहे हैं।

पुलिस ने की कार्रवाई

इंस्टाग्राम पर स्टंटबाजी करने वाले युवक को पुलिस ने वीडियो के आधार पर ट्रैक किया और कार्रवाई शुरू की। जिस बाइक से उसने यह स्टंट किया था वह 15 साल से ज्यादा पुरानी पाई गई। नियमों के अनुसार ऐसी पुरानी गाड़ियों को स्क्रैपिंग पॉलिसी के तहत नष्ट किया जाता है। इसलिए पुलिस ने बाइक को जब्त कर कबाड़ में भिजवा दिया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इस तरह के स्टंट न केवल स्टंट करने वाले की जान को खतरे में डालते हैं, बल्कि सड़क पर मौजूद बाकी लोगों की जान को भी गंभीर जोखिम में डालते हैं। इस लड़के के खिलाफ अब कानूनी कार्रवाई भी शुरू कर दी गई है।

लोगों ने दी ऐसी प्रतिक्रिया

वीडियो पर सोशल मीडिया पर लोगों की प्रतिक्रिया भी तीखी रही। एक यूजर ने गुस्से में लिखा, ₹अच्छी तरह से कुटाई होनी चाहिए इसकी।₹ वहीं एक और ने कहा, ₹यही लोग मासूमों की जान ले बैठते हैं, फिर कहते हैं हादसा हो गया।₹ कई लोगों का कहना है कि यह पूरी घटना एक बार फिर यह साबित करती है कि कुछ लोग थोड़ी सी लोकप्रियता के लिए कितनी बड़ी लापरवाही कर बैठते हैं। सोशल मीडिया पर लाइक्स और व्यूज के चक्कर में ऐसे स्टंट करना न केवल गैरकानूनी है, बल्कि जानलेवा भी।

सोशल मीडिया पर वायरल हुआ वीडियो

वीडियो में लड़का एक जगह बस के साइड मिरर को पकड़ने की कोशिश करता भी नजर आता है। उसने इस वीडियो पर अब बताओ लोकेशन लिखा हुआ कैप्शन भी डाला और बैकग्राउंड में म्यूजिक जोड़कर इसे एक सोशल मीडिया रील के तौर पर पेश किया। जब यह वीडियो सोशल मीडिया पर फैलने लगा, तो दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने तुरंत मामले पर ध्यान दिया। पुलिस ने पहले डीटीसी कंट्रोल रूम से जरूरी जानकारी जुटाई और फिर वीडियो की बारीकी से जांच करते हुए बाइक का नंबर ट्रैक किया।

कार्रवाई पहलगाम अटैक के बाद हाल ही में पकड़ गए हैं कई जासूस

पकड़े जा रहे जासूस, जानें कौन सी कोर्ट में होती सुनवाई

नई दिल्ली। पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान और भारत के बीच सैन्य कार्रवाई देखने को मिली थी। हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ तुरंत एक्शन लेते हुए सिंधु जल समझौता रद्द किया था और पाकिस्तानी नागरिकों को भारत छोड़ने के आदेश दिया था।

इसके अलावा पुलिस लगातार सक्रिय है और देश में बैठे गद्दारों की धर-पकड़ कर रही है। इसी क्रम में हरियाणा की ज्योति मल्होत्रा को कुछ वक्त पहले गिरफ्तार किया गया था। उसके साथ पूछताछ में पाकिस्तान के साथ कनेक्शन भी सामने आया है। अब पुलिस ने एक और पंजाबी यूट्यूबर जसबीर सिंह उर्फ जान महल को भी गिरफ्तार किया है। चलिए जानते हैं कि ऐसे जासूसों की किस कोर्ट में सुनवाई होती है।

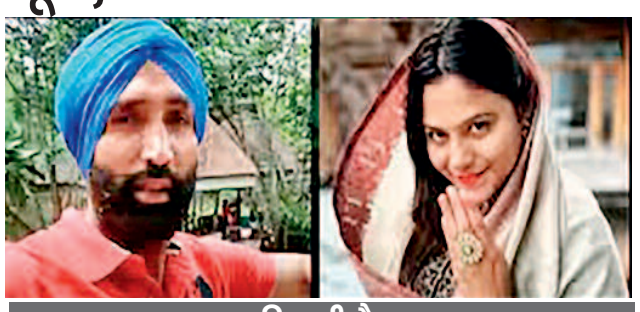

क्या मिलती है सजा

भारत में जासूसी एक गंभीर अपराध माना जाता है, यह देश की अखंडता, सुरक्षा और संप्रभुता को खतरे में डालने का काम है। भारत में जासूसी से संबंधित अपराध के लिए सख्त कानून है, जिसमें मुख्य रूप से ऑफिशियल सीक्रेट एक्ट 1923 और भारतीय न्याय संहिता 2023 शामिल हैं। अब जासूसी से संबंधित सजा की भी बात कर लेते हैं। ऑफिशियल सीक्रेट्स एक्ट 1923 की धारा 3 रक्षा और गोपनीय जानकारी से संबंधित जासूसी को कवर करती है। अगर कोई देश की सुरक्षा से संबंधित जानकारी किसी दुश्मन को देता है तो उसे 14 साल की जेल हो सकती है। अगर अपराध गंभीर है तो आजीवन कारावास भी हो सकता है। धारा 4 के अनुसार विदेशी एजेंटों के साथ अनधिकृत संपर्क करने पर 2 साल की सजा, धारा 5 के अनुसार गोपनीय जानकारी लीक होने पर दुश्मन को 3 साल की सजा और धारा 10 कम जासूसी गतिविधियों के लिए 3 साल की सजा या जुर्माना हो सकता है।

कानूनी प्रक्रिया है बहुत सख्त

भारत में जासूसी मामलों में कानूनी प्रक्रिया सख्त है, चूंकि जासूसी एक संज्ञेय अपराध है इसलिए पुलिस बिना वारंट के आरोपी की गिरफ्तारी कर सकती है। इस तरह के मामले आमतौर पर फास्ट-ट्रैक कोर्ट में चलाए जाते हैं, ताकि जल्दी से जल्दी न्याय मिल सके. अगर आरोपी को दोषी ठहरा दिया जाता है तो वह हाईकोर्ट या सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर कर सकता है। इसकी प्रक्रिया में करीब 20 महीने का वक्त लग जाता है।

रायपुर
रविवार, 8 जून 2025
ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष त्रयोदशी
वर्ष : 23, अंक : 321
पृष्ठ : 14+4+4= 22 मूल्य : 5.00**

मौसम
अधि. 41.4
न्यून. 27.7

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

06 श्रेयश के प्यार में हुईं दिवानी...

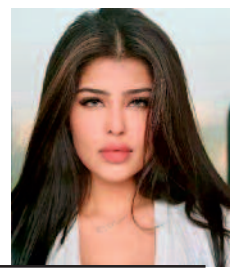

आजकल
02 खतरनाक मोड़ पर यूक्रेन बनाम...

खबर संक्षेप

भगदड़ कांडः केएससीए सचिव, कोषाध्यक्ष का इस्तीफा

बेंगलुरू। IPL 2025 फाइनल जीतने के बाद बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में हुए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु यानी आरसीबी टीम के जश्न के दौरान 11 लोगों की मौत स्टेडियम के बाहर हुई भगदड़ में हो गई थी। इस मामले में आरसीबी के एक अधिकारी समेत 4 लोगों को गिरफ्तार किया गया। अब इसकी आंच कर्नाटक स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन यानी केएससीए तक पहुंच गई है।

कोरोना : एक्टिव केस 5700 के पार

नई दिल्ली। देश में कोविड-19 संक्रमण के मामलों में एक बार फिर इजाफा देखने को मिल रहा है। शनिवार सुबह तक के आंकड़ों के अनुसार, भारत में एक्टिव मामलों की संख्या 5755 पहुंच गई है। बीते 24 घंटों में 391 नए मामले सामने आए हैं और चार लोगों की मौत हुई है- जिनमें से मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, केरल और तमिलनाडु के लोग शामिल हैं। केरल अब भी सबसे अधिक प्रभावित राज्य बना हुआ है, जहां एक ही दिन में 127 नए कोविड-19 मामले दर्ज किए गए। इसके बाद गुजरात में 102, पश्चिम बंगाल में 26 और दिल्ली में 73 नए मामले सामने आए।

सपा सांसद बर्क को कोर्ट से बड़ी राहत

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 15 मई 2025 के उस आदेश पर रोक लगा दी है, जिसमें सपा सांसद जिया उर रहमान बर्क से उनके संभल स्थित आवास पर 2 करोड़ रुपये के बिजली बिल का भुगतान करने की मांग की गई थी। कोर्ट ने आदेश दिया है कि सांसद द्वारा दो सप्ताह के भीतर संभल बिजली कार्यालय में बिजली बिल के रूप में 6 लाख रुपये का भुगतान करने पर तत्काल प्रभाव से बिजली आपूर्ति बहाल कर दी जाएगी। यह आदेश जस्टिस एसडी सिंह एवं जस्टिस संदीप जैन की खंडपीठ ने सपा सांसद की याचिका पर दिया है।

ऑपरेशन सिंदूर को एक महीना पूरा, लेकिन पिक्चर अभी बाकी है...

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

भारत ने 7 मई को लिया था पहलगाम हमले का बदला, 25 मिनट में ढहा दिए 9 आतंकी कैंप

पहलगाम हमले के जवाब में की गई भारत की बडी सैन्य कार्रवाई 'ऑपरेशन सिंदूर' को शनिवार को एक महीना पूरा हो गया है। पाकिस्तान के साये में छिपे बैठे आतंकवादियों के लिए 7 मई 2025 की ये वही कयामत की रात थी।

जब भारत की सशस्त्र सेनाओं के बेहद मारक अस्त्र-शस्त्र एकसाथ पाकिस्तान व उसके अवैध कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में मौजूद 9 आतंकी ठिकानों पर काल बनकर टूट पडे थे और उन्होंने महज 25 मिनट में 24 लक्ष्यों पर सटीक वार कर कुल 100 से ज्यादा आतंकवादियों का काम तमाम कर दिया था। इससे बौखलाए पाक ने बडे पैमाने पर ड्रोन और मिसाइलों से हमला कर भारत को पश्चिमी सीमा पर घेरने की कोशिश की थी। लेकिन उसके जवाब में भारतीय सेना, वायुसेना के छोटी व लंबी दूरी के हथियारों ने पाकिस्तान में मौजूद उसके सैन्य ढांचे को निशाना बनाकर जमकर तबाही मचाई। यह संघर्ष कुल चार दिनों (7 से 10 मई तक) तक चला। जिसके बाद पाकिस्तान के होश ठिकाने आ गए और उसके सैन्य संचालन महानिदेशक (डीजीएमओ) ने अपने भारतीय समकक्ष को फोन कर 10 मई को शाम 5 बजे से संघर्षविराम लागू करने पर सहमति जताई। भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्षविराम द्विपक्षीय आधार पर हुआ था। इसमें दुनिया के किसी अन्य देश की कोई भूमिका नहीं थी।

पाक की शर्मनाक हार का प्रतीक : पीएम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीते 6 जून को ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए कहा था कि अब ऑपरेशन सिंदूर का नाम सुनकर पाकिस्तान को अपनी शर्मनाक हार याद आएगी। उनका यह बयान सिर्फ शब्द नहीं थे। बल्कि इसमें भारत की तरफ से किसी भी भावी आतंकी हमले का जवाब पूरी आक्रामकता के साथ दिए जाने की प्रतिबद्धता साफ तौर पर झलक रही थी।

सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों की अहम भूमिका : *ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत की नई सोच के साथ आतंकवाद के खिलाफ बनी हुई जीरो टॉलरेंस की नीति और मामले पर पाकिस्तान को दुनिया भर में बेनकाब करने के लिए भारत सरकार द्वारा विश्व के लगभग 33 देशों में भेजे गए 7 सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों की भूमिका बेहद अहम रही है। इनके विश्व भ्रमण से न केवल पूरी दुनिया को साफ शब्दों में ये संदेश चला गया है कि अब भारत किसी और आतंकी हमले को कतई बर्दाश्त करने के मूड में नहीं है। साथ ही उन्होंने आतंकवाद की सबसे बडी शरणस्थली के रूप में पाकिस्तान की मौजूदगी को भी दुनिया के सामने बुरी तरह से एक्सपोज करके रख दिया है।*

मोर्चे पर डटी हुई हैं तीनों सेनाएं

इन सबके बीच एक बेहद महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि वर्तमान में भी हमारी तीनों सेनाएं (सेना, वायुसेना और नौसेना) पूरी मुस्तैदी के साथ देश की सरहदों और उससे लगे हुए अन्य इलाकों में चौबीसों घंटे तैनात हैं। अब अगर दुश्मन की तरफ से पहलगाम जैसे हमले की पुनरावृत्ति की गई तो उसे भारत के ⏭ शेष पेज 7 पर

जासूसी एजेंसियों ने किया खुलासा, कैसे चलाया जा रहा था भारत में जासूसी नेटवर्क

आईएसआई के लिए काम करने वाले पाक के रिटायर्ड अफसर के संपर्क में थी ज्योति

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

पाकिस्तान पुलिस के रिटायर्ड सब इंस्पेक्टर और जासूसी के आरोप में गिरफ्तार भारतीय यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा के बीच कनेक्शन सामने आया है। ज्योति पाकिस्तान के रिटायर्ड सब इंस्पेक्टर नासिर ढिल्लो के संपर्क में थी। ज्योति ने नासिर के साथ पॉडकास्ट भी किया था। नासिर की ज्योति से मुलाकात पाकिस्तान में हुई थी। नासिर पुलिस से रिटायर्ड होने के बाद अपना यूट्यूब चैनल चलाता है। वह आईएसआई और पाक आर्मी के इशारे पर भारत के यूट्यूबर्स से दोस्ती कर उनसे भारत की सेना से जुड़ी गोपनीय जानकारी हासिल करता था।

नासिर भारतीय यूट्यूबर्स से दोस्ती करता, फिर आईएसआई एजेंट से मिलवाता और फिर जासूसी के लिए टास्क देता था। नासिर ढिल्लो के दानिश से संबंध होने के भी सबूत जांच एजेंसी को मिले हैं। नासिर ढिल्लो से एक पॉडकास्टर ने आईएसआई एजेंट को लेकर सवाल भी पूछा था। पॉडकास्टर ने पूछा था कि आप पर आरोप लगता है कि आप एजेंसी के बंदे हो, आईएसआई एजेंट हो, जिस पर नासिर ढिल्लो हंसने लगता है।

रिटायरमेंट के बाद यूट्यूब चैनल : *नासिर ढिल्लो पाकिस्तान पुलिस का रिटायर्ड सब-इंस्पेक्टर है। नासिर अब अपना यूट्यूब चैनल भी चलाता है। जांच एजेंसियों को मिले सुरागों के मुताबिक, नासिर ने अपने यूट्यूब चैनल और अन्य माध्यमों से भारत के यूट्यूबर्स के साथ दोस्ती की और उन्हें आईएसआई एजेंटों से मिलवाया। इसके बाद इन यूट्यूबर्स को जासूसी के टास्क दिए जाते थे।*

जसबीर ने भी बताई है नासिर की भूमिका : *पंजाब से गिरफ्तार जसबीर सिंह ने पूछताछ में नासिर ढिल्लो की भूमिका का खुलासा किया। जसबीर ने बताया कि नासिर ने उसकी मुलाकात आईएसआई अधिकारियों से लाहौर में कराई और उसे पाकिस्तान के खुफिया नेटवर्क में शामिल किया। जसबीर ने यह भी कहा कि नासिर ने उसे भारतीय यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा से भी मिलवाया था, जो लाहौर में जसबीर के साथ करीब दस दिन रुकी थी।*

इधर, यूट्यूबर जसबीर सिंह की बढ़ी रिमांड

पंजाब के मशहूर यूट्यूबर जसबीर सिंह उर्फ जान महल को जासूसी के आरोप में गिरफ्तार किए जाने के बाद मोहाली कोर्ट ने शनिवार को उसकी पुलिस रिमांड दो दिन के लिए बढ़ा दी। जसबीर सिंह को 4 जून को गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने बताया कि जसबीर सिंह का संबंध एक बड़े जासूसी नेटवर्क से है, जिसे पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई का समर्थन प्राप्त है। जसबीर सिंह, जो रूपनगर जिले के महलां गांव का निवासी है, 'जान महल वीडियो' नाम से यूट्यूब चैनल चलाता था, जिसके 11 लाख से अधिक सब्सक्राइबर हैं। चैनल पर वह ट्रैवल और कुकिंग से जुड़े वीडियो पोस्ट करता था, लेकिन जांच में सामने आया कि वह पाकिस्तान की यात्रा तीन बार कर चुका है।

'बिलावल से बोले अमेरिकी सांसद जैश ए मोहम्मद को खत्म करो'

एजेंसी ⏭ वाशिंगटन

पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो भारत की शिकायत करने पहुंच अमेरिका पहुंचे थे। लेकिन, वहां जो हुआ उसकी दूर-दूर तक कल्पना उन्होंने नहीं की थी। अमेरिकी सांसद ब्रैड शेरमैन की बातों पर तो उन्हें कुछ पल के लिए यकीन नहीं हुआ होगा।

वह अमेरिका में जो सुनना चाहते थे, ठीक उसके उलट उन्हें गुरुवार को सुनने को मिला। शेरमैन ने उन्हें आतंकवाद पर लगाम लगाने खासकर जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) के खिलाफ सख्त कदम उठाने को कहा। इतना ही नहीं, सांसद ने जेईम को एक घृणित समूह बताया, जो जघन्य घटनाओं को अंजाम देता है। बिलावल भुट्टो के नेतृत्व पाकिस्तान का एक प्रतिनिधिमंडल अमेरिका गया हुआ है। इस प्रतिनिधिमंडल ने वाशिंगटन में गुरुवार को शेरमैन से मुलाकात की। शरमैन ने बाद में इस मुलाकात के बारे में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया। उन्होंने अपने पोस्ट में कहा, 'मैंने पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल को आंतकवाद खत्म करने की जरूरत के बारे में बताया। खासकर जैश ए मुहम्मद के खिलाफ कार्रवाई करने को कहा, जिसने 2002 में दोस्त डेनियल पर्ल की हत्या की थी।' अमेरिकी सांसद ने अपने पोस्ट में लिखा कि पर्ल का परिवार मेरे डिस्ट्रिक्ट में रहता है। उन्होंने लिखा, 'पाकिस्तान को इस घिनौने समूह को खत्म करने के लिए वह सब कुछ करना चाहिए, जो वह कर सकता है।

भारत की शिकायत करने अमेरिका पहुंचे भुट्टो को उल्टा पड़ा दांव

चार धाम यात्रा शुरू होने के बाद चौथा हादसा

केदारनाथ जा रहे हेलिकॉप्टर की हाइवे पर इमरजेंसी लैंडिंग

एजेंसी ⏭ देहरादून

चारधाम यात्रा के बीच एक और बड़ा हेलिकॉप्टर हादसा टल गया। केदारनाथ के लिए उड़ान भर रहे केस्ट्रेल एविएशन के एक हेलिकॉप्टर की हाइवे पर इमरजेंसी लैंडिंग की गई है। घटना सिरसी के पास भरासू हेलीपैड के पास की है, जहां टेकऑफ के तुरंत बाद पायलट कैप्टन आरपीएस सोढ़ी को हेलिकॉप्टर के कलेक्टिव कंट्रोल में तकनीकी गड़बड़ी महसूस हुई। हालात की गंभीरता को समझते हुए उन्होंने सूझबूझ से हाइवे पर आपात लैंडिंग की।

राष्ट्रपति ट्रंप के आगे झुके मस्क? डिलीट की यौन-शोषण वाली पोस्ट

एजेंसी ⏭ वाशिंगटन

टेस्ला के मालिक एलन मस्क ने इप्सटाइन फाइल्स वाला ट्वीट डिलीट कर दिया है, माना जा रहा है कि वे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ रिश्ते सुधारने की कोशिश कर रहे हैं। इससे पहले इप्सटाइन फाइल्स को लेकर मस्क ने जो दावे किए थे, उससे ट्रंप प्रशासन में हड़कंप था, लेकिन अब उस ट्वीट को ही डिलीट कर दिया गया है। एप्स्टीन केस एक हाई-प्रोफाइल क्रिमिनल मामला है, जिसमें अमेरिकी अरबपति जेफरी एप्स्टीन पर नाबालिग लड़कियों के यौन शोषण और तस्करी के आरोप लगे थे।

श्रेष्ठ भारत बनाने में सबका योगदान जरूरी : विस्पुते

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

बिलासपुर के कोनी स्थित सरस्वती शिशु मंदिर परिसर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मध्य क्षेत्र के कार्यकर्ताओं के लिए आयोजित कार्यकर्ता विकास वर्ग प्रथम (सामान्य) मध्यक्षेत्र का समापन कार्यक्रम हुआ। वर्ग कार्यवाह विक्रम सिंह ने सभी प्रमुख अधिकारियों का परिचय कराते हुए वर्ग का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

उन्होंने बताया कि 18 मई से प्रारंभ हुए कार्यकर्ता विकास वर्ग-1 मध्य क्षेत्र में कुल 308 स्थानों के 382 स्वयंसेवकों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। इन स्वयंसेवकों में कृषक, महाविद्यालयीन छात्र, व्यवसायी, कर्मचारी, अधिवक्ता, अभियंता, चिकित्सक, प्राध्यापक आदि शामिल थे। समापन समारोह में मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ लोकनाचा राष्ट्रीय रासधारी

आरएसएस के प्रशिक्षण वर्ग का समापन

(रहस) के डॉ. उग्रसेन कन्नौजे कहा, दुनिया में एक आरएएस ही तो है, जो छोटे-छोटे समाज को और हिन्दू पद्धति को चिर स्थायी बनाएं रखने के लिए यहां पर जो स्वयंसेवकों के गुण निर्माण का काम हो रहा है, उसमें हम सब की सहभागिता हो। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता अखिल भारतीय सह बौद्धिक प्रमुख दीपक विस्पुते ने कहा, प्राचीन भारत श्रेष्ठ भारत रहा है। समाज और देश का वैभव किसी एक संस्था संगठन से नहीं अपितु सारे जागरूक समाज के प्रयास से ही संभव है। अतः सारा समाज एक श्रेष्ठ भारत, दिग्विजयी भारत, समरस भारत, समृद्ध भारत, बनाने में अपना भी योगदान करें, आने वाले समय में 2047 का भारत दुनिया का नेतृत्व करेगा।

शिक्षार्थियों ने लगाए पौधे

कार्यकर्ता विकास वर्ग-1 (सामान्य) मध्य क्षेत्र में आए शिक्षार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण दिवस के उपलक्ष्य में पेड़ लगाए। पौधारोपण का इसके अतिरिक्त पूरे बीस दिनों में खाद्यान और पानी की बर्बादी रोकने तथा उपयोग की हुई वस्तुओं जैसे प्लास्टिक बोतल से बनाए गए सामानों की एक प्रदर्शनी भी लगाई गई। इको वृक्ष एवं सीड बाल के निर्माण का कार्य किया गया। समापन कार्यक्रम का आभार गणपति रायल ने किया।

महीने भर तक दिल्ली एयरपोर्ट पर रद्द रहेंगी 114 फ्लाइट्स

नई दिल्ली। दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर आने वाले एक महीने तक कुछ फ्लाइट्स को रद्द किया गया है। दिल्ली अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड (DIAL) के सीईओ विदेह कुमार जयपुरियार के अनुसार, दिल्ली हवाई अड्डा 15 जून से 15 सितंबर तक 114 डेली उड़ानें रद्द करने वाला है। जिन भी फ्लाइट्स को रद्द किया जाएगा, उनके टिकट का रिफंड एयरलाइंस की तरफ से भेज दिया जाएगा। विदेह कुमार ने बताया कि दिल्ली एयरपोर्ट पर रनवे को अपग्रेड करने के लिए फ्लाइट्स को कैंसिल किया जाएगा।

रूस और यूक्रेन जंग चौथे वर्ष में प्रवेश कर गई है। हाल फिलहाल में इस जंग के खत्म होने के आसार नहीं दिखाई पड़ रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी रूस व यूक्रेन जंग समाप्त कराने के अपने दावे में बुरी तरह फेल साबित हुए हैं। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और यूरोप के आगे ट्रंप की रणनीति की एक न चली। यहां तक कि यूक्रेन तक ने घास नहीं डाली। ट्रंप के फैसले के बाद अमेरिका के उदासीन होने से नाटो में ही गहरे मतभेद उभर गए हैं। यूरोप जिस शिद्दत से यूक्रेन के साथ खड़ा हुआ है और अमेरिकी प्रभाव के बिना यूक्रेन ने रूस के खिलाफ ऑपरेशन स्पाइडर वेब को अंजाम दिया है, उसके बाद से स्थिति और उलझ गई है। रूस घायल शेर की तरह हो गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ बातचीत में जवाबी हमले की बात कह कर रूस ने बड़ी ताकत से यूक्रेन के अंदर राजधानी कीव तक हमला किया है। यूक्रेन को भारी नुकसान पहुंचाया है। यूक्रेन के ऑपरेशन स्पाइडर वेब के चलते ही तुर्किये में प्रस्तावित शांति वार्ता में रूस व यूक्रेन के बीच संघर्ष विराम पर कोई बात नहीं हुई। अब सवाल है कि आखिर यह युद्ध चलता ही रहेगा? रूस या यूक्रेन में से शांति की पहल कौन करेगा? नाटो का क्या होगा? यूरोप से अलग अमेरिका कहां खड़ा है? क्या ट्रंप पुतिन को मना पाएंगे? जंग जारी रखने में यूरोप को क्या फायदा है? इन्हीं सब सवालों का विश्लेषण करता आजकल का यह अंक...

खतरनाक मोड़ पर यूक्रेन बनाम रूस जंग

विश्लेषण

प्रभात कुमार रॉय

विदेश मामलों के जानकार

युद्ध के मैदान में यूक्रेन की सेना रूस की सेना के मुकाबले में न केवल कामयाबी के साथ युद्धरत है, वरन् अनेक सैन्य संघर्षों में तो उसने रूसी सेना के छक्के छुड़ा दिए हैं। इन दुर्धर्ष और विकट सैन्य हालात से रूस की पुतिन सरकार बहुत अधिक तिलमिलाई हुई है। रूस और यूक्रेन के मध्य युद्ध के अत्यधिक तीव्र हो जाने से भारत में भी गहन चिंता व्याप्त हो गई है। रूस की आक्रामक जवाबी सैन्य कार्रवाई से वैश्विक ऊर्जा के बाजार में अत्यधिक अस्थिरता उत्पन्न हो सकती है, जिसके फलस्वरूप भारत के तेल आयात के बिल में अधिक वृद्धि हो सकती है। भारत में पहले से ही बढ़ी हुई महंगाई आसमान छू सकती है। डॉलर के मुकाबले कमजोर होता रुपया और अधिक कमजोर हो सकता है।

यूक्रेन और रूस के मध्य जारी युद्ध वस्तुतः फरवरी 2014 में ही प्रारम्भ हो गया था, जबकि रूसी सेना द्वारा क्रीमिया पर बलपूर्वक अपना सैन्य आधिपत्य स्थापित कर लिया गया। सर्वविदित है कि सोवियत संघ के पराभव के तत्पश्चात वर्ष 1991 में यूक्रेन सोवियत संघ से पृथक होकर एक स्वतंत्र राष्ट्र बन गया और क्रीमिया उसका अभिन्न अंग था। क्रीमिया को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संयुक्त राष्ट्र द्वारा यूक्रेन के अभिन्न इलाके के तौर पर मान्यता प्राप्त है। रूस और यूक्रेन के मध्य विवाद प्रारंभ में क्रीमिया और डोनबास के कुछ क्षेत्र के आधिपत्य था। जब यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने नाटो सैन्य संगठन में शामिल होने का इरादा जाहिर किया तो फिर राष्ट्रपति पुतिन ने सख्त ऐतराज जाहिर किया और तर्क दिया कि यूक्रेन के नाटो में शामिल हो जाने के बाद नाटो की फौज रूस की सरहद तक आ जाएंगी। 22 फरवरी सन् 2022 में राष्ट्रपति पुतिन के नेतृत्व में रूस की सेना ने यूक्रेन पर अपनी संपूर्ण ताकत के साथ आक्रमण अंजाम दिया। प्रारंभ में ऐसा प्रतीत हुआ कि रूस की शक्तिशाली और विशाल सेना के समक्ष यूक्रेन की छोटी सी और अपेक्षाकृत कमजोर सेना कदाचित अधिक दिनों तक टिक नहीं पाएगी।

युद्ध से भारत में भी गहन चिंता व्याप्त

रणनीतिक कयास को एकदम गलत साबित करते हुए और अत्यधिक क्षति उठाने के बावजूद आज भी युद्ध के मैदान में यूक्रेन की सेना रूस की सेना के मुकाबले में न केवल कामयाबी के साथ युद्धरत है, वरन् अनेक सैन्य संघर्षों में तो उसने रूसी सेना के छक्के छुड़ा दिए हैं। इन दुर्धर्ष और विकट सैन्य हालात से रूस की पुतिन सरकार बहुत अधिक तिलमिलाई हुई है। रूस और यूक्रेन के मध्य युद्ध के अत्यधिक तीव्र हो जाने से भारत में भी गहन चिंता व्याप्त हो गई है। रूस की आक्रामक जवाबी सैन्य कार्रवाई से वैश्विक ऊर्जा के बाजार में अत्यधिक अस्थिरता उत्पन्न हो सकती है, जिसके फलस्वरूप भारत के तेल आयात के बिल में अधिक वृद्धि हो सकती है। भारत में पहले से ही बढ़ी हुई महंगाई आसमान छू सकती है। डॉलर के मुकाबले निरंतर कमजोर होता हुआ रुपया और अधिक कमजोर हो सकता है।

उल्लेखनीय है कि हाल के कुछ वर्षों में रूस भारत को तेल निर्यात करने वाला सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता देश बन गया है। अप्रैल 2025 में भारत ने अपनी जरूरत का तकरीबन 40 फीसदी तेल रूस से आयात किया है। यूक्रेन और रूस के मध्य जारी सैन्य संघर्ष में अत्यंत तीव्रता आ जाने से युद्ध एक खतरनाक दौर में पहुंच गया है। यूक्रेन द्वारा ड्रोन आक्रमणों में रूसी वायु सेना के तकरीबन 40 लड़ाकू बमवर्षक विमानों को तबाह कर दिया गया। यूक्रेन की वायु सेना ने रूस के सरहदी इलाकों को रौंदते हुए हजारों किलोमीटर तक रूस के अंदर घुसकर पांच सैन्य ठिकानों पर भीषण आक्रमण अंजाम दिए। वहीं, अमेरिकन कूटनीतिक सूत्रों के हवाले से बताया गया कि अमेरिकन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मंजूरी के पश्चात ही यह भीषण आक्रमण यूक्रेन द्वारा अंजाम दिया गया था। आधिकारिक तौर पर यूक्रेन प्रशासन और अमेरिकन प्रशासन ने अपने अपने बयानों में फरमाया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को यूक्रेन के इस आक्रमण की कदाचित कोई जानकारी नहीं थी। यूक्रेन की सेना के भीषण आक्रमण का समुचित प्रति उत्तर देते हुए रूसी सेना द्वारा अभी तक का सबसे बड़ा आक्रमण यूक्रेन पर अंजाम दिया गया। बड़े पैमाने पर यूक्रेन पर किए गए आक्रमण में यूक्रेन की राजधानी कीव सहित यूक्रेन के अनेक प्रमुख शहरों को निशाना बनाया। जिसके फलस्वरूप यूक्रेनी सेना के अनेक ठिकाने नष्ट कर दिए गए और तकरीबन 1500 से अधिक सैनिकों को हलाक कर दिया गया।

युद्ध विराम करने की निरंतर अपीलें

रूस और यूक्रेन के मध्य यह भीषण युद्ध तब अंजाम दिया गया है, जबकि इस्तांबुल में रूस और यूक्रेन के मध्य शांति वार्ता आयोजित होने वाली है। उल्लेखनीय है कि प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप द्वारा रूस और यूक्रेन से युद्ध विराम करने की निरंतर अपीलें की जाती रही है। लेकिन रूस पर अंजाम दिए गए यूक्रेनी आक्रमण के बाद विकट प्रश्न खड़े हो गए हैं, कि एक तरफ तो प्रेसिडेंट ट्रंप दोनों देशों से युद्धविराम करने और शांति स्थापित करने की अपील कर रहे हैं और दूसरी तरफ यूक्रेन को रूस पर आक्रमण करने के लिए खुली छूट भी प्रदान कर रहे हैं। अमेरिकन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूक्रेन रूस युद्ध को लेकर एक अत्यंत विवादित बयान दिया। प्रेसिडेंट ट्रंप ने फरमाया कि शायद यही बेहतर होगा कि दोनों देशों को कुछ वक्त तक और युद्धरत रहने दिया जाए। इसी मध्य जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने प्रेसिडेंट ट्रंप के साथ व्हाइट हाउस में मुलाकात की। जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने अमेरिकन प्रेसिडेंट से रूस पर कूटनीतिक दबाव बढ़ाने की अपील की। व्हाइट हाउस में फ्रेडरिक मर्ज से मुलाकात करते हुए प्रेसिडेंट ट्रंप ने कहा कि यूक्रेन और रूस के मध्य गहरी नफरत और प्रतिशोध की भावना विद्यमान है। ऐसे हालात में दोनों देशों से युद्ध विराम की उम्मीद रखना बहुत मुश्किल है।

डोनाल्ड ट्रंप की कूटनीतिक टिप्पणी

ट्रंप ने कहा कि अच्छा ही है कि दोनों देश लगातार युद्धरत बने रहें, जैसे खेलों में रेफरी थोड़ी देर के लिए खिलाड़ी को आपस में भिड़ने देते हैं, ठीक वैसे ही दोनों देशों को देर तक लड़ने देना ही उचित होगा। उल्लेखनीय है कि प्रेसिडेंट ट्रंप की यह कूटनीतिक टिप्पणी, प्रेसीडेंशियलन इलेक्शन के दौरान उनके द्वारा किए गए वादे में बुनियादी बदलाव है, जिसके तहत उन्होंने कहा था कि यदि वह अमेरिका के राष्ट्रपति निर्वाचित हो जाएंगे तो फिर रूस-यूक्रेन युद्ध को अति शीघ्र समाप्त करा देंगे। जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने आग्रह किया कि अमेरिका को युद्ध खत्म करने में अपनी निर्णायक भूमिका का निर्वाह करना चाहिए और रूस पर अत्यंत कड़ा कूटनीतिक दबाव कायम करना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि अमेरिका इस स्थिति में है और वह भी यह चाहते हैं कि अमेरिका को रूस पर और अधिक कूटनीतिक दबाव डालना चाहिए। उल्लेखनीय है कि समस्त यूरोप भी यकीनन रूस-यूक्रेन युद्ध का समापन चाहता है। संपूर्ण यूरोप की अर्थव्यवस्था डगमगा चुकी है।

यूरोप के लिए ऊर्जा का सबसे बड़ा स्रोत रूस

यूरोप के लिए ऊर्जा का सबसे बड़ा स्रोत रूस ही रहा, जहां से यूरोप के लिए ऊर्जा की सप्लाई एकदम बंद हो गई है। प्रश्न यह भी उठ रहा है कि क्या यूक्रेन द्वारा आक्रमण करने के लिए अमेरिका सहित नाटो देशों ने सैटेलाइट्स द्वारा यूक्रेन को मदद प्रदान की है। अमेरिकन प्रशासन ने कुछ दिनों के लिए यूक्रेन को अपने सैटेलाइट्स से मदद करना बंद कर दिया था। लेकिन मार्च 2025 में अमेरिका ने फिर से यूक्रेन को इन आक्रमणों में मदद देना प्रारंभ कर दिया था। हाल ही में रूस ने अपने बमवर्षक विमानों को बेलाया से ओलेन्या हवाई एयरबेस पर स्थानांतरित किया था। बमवर्षक विमानों के इस स्थानांतरण को सैटेलाइट तस्वीरों में देखा गया था। यूक्रेन के ड्रोन विमानों द्वारा अंजाम दिया गया भीषण आक्रमण इन्हीं एयरबेसों पर किया गया। अमेरिका और नाटो सैन्य संगठन देशों को यूक्रेन द्वारा अंजाम दिए गए भीषण आक्रमण के विषय में यदि जानकारी नहीं थी, तो फिर रूस-यूक्रेन युद्ध के दौर में इस तथ्य को यह सबसे बड़ा आश्चर्य माना जाएगा। उल्लेखनीय है कि विगत वर्ष 2024 में यूक्रेन द्वारा रूस के कुसर्क इलाके में अचानक ही आक्रमण कर दिया गया था। इस विस्मयकारी आक्रमण ने रूस को हिला कर रख दिया। इस भीषण आक्रमण की जानकारी भी अमेरिका को पहले से नहीं थी और यह यूक्रेनी आक्रमण बेहद कामयाब साबित हुआ। इस आक्रमण में यूक्रेन द्वारा रूस की जमीन के बड़े इलाके पर अपना आधिपत्य स्थापित किया गया।

कूटनीति की कठिन परीक्षा से गुजर रहा भारत

इस दफा भी यूक्रेन की खुफिया एजेंसी ने दीर्घ काल तक रूस के अंदरूनी इलाकों में काम किया और स्पाइडर वेब नामक ऑपरेशन को अत्यंत कामयाबी के साथ अंजाम दिया। नए आर्थिक प्रतिबंधों पर जब ट्रंप से सवाल किया गया तो उन्होंने संकेत दिया कि फिलहाल तुरंत कोई फैसला नहीं लिया जा रहा है। लेकिन ट्रंप ने यह भी कहा कि अगर हालात नहीं सुधरे और युद्ध विराम नहीं किया गया तो अमेरिका दोनों राष्ट्रों पर कड़ी कार्रवाई करेगा। वस्तुस्थिति यह है कि भारत के रूस के साथ और नाटो देशों के साथ भी मैत्रीपूर्ण संबंध कायम रहे हैं। सर्वविदित है कि युद्ध सिर्फ यूक्रेन और रूस के मध्य नहीं लड़ा जा रहा है, वरन् युद्ध नाटो सैन्य संगठन और रूस के मध्य लड़ा जा रहा है। यूक्रेन की बेहद बहादुर सेना नाटो सैन्य संगठन द्वारा प्रदत्त आधुनिकतम अस्त्र शस्त्रों के अभाव में रूस के विरुद्ध युद्ध को इतने लंबे दौर तक कदापि नहीं लड़ सकती थी। निरंतर तीव्र होते हुए रूस-यूक्रेन सैन्य संघर्ष के दौर में भारत वस्तुतः विश्व पटल पर कूटनीति की बड़ी कठिन परीक्षा से गुजर रहा है। भारत के साथ ऐतिहासिक तौर पर गहन रणनीतिक संबंध रखने वाला रूस चाहता है कि युद्ध में भारत खुलकर रूस का समर्थन करे। उल्लेखनीय है कि चार दिवसीय भारत-पाक सैन्य संघर्ष में रूस ने भारत का एक तरफ समर्थन नहीं किया, जैसा कि सदैव ही करता रहा है।

दो ध्रुवीय शक्तियों के मध्य बंटता दिख रहा विश्व

इस दफा बहुत ही संतुलित कूटनीति अख्तियार करते हुए रूस ने भारत को अपना रणनीतिक मित्र निरुपित किया और पाकिस्तान को अपना राजनीतिक मित्र करार दिया। नए शीत युद्ध के दौर में जबकि विश्व दो ध्रुवीय शक्तियों के मध्य बंटता जा रहा है, एक तरफ अमेरिका और नाटो देश हैं और दूसरी तरफ चीन, रूस, ईरान और उत्तरी कोरिया आदि देश हैं। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त कराने के लिए अपने कूटनीतिक प्रयास को जारी रखा है। दोनों ही देश यूक्रेन और रूस भारत के निकट मित्रों में रहे हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध की विनाशकारी तीव्रता तृतीय विश्वयुद्ध के कगार पर लाकर पटक सकती है।

विश्व पटल पर गुटनिरपेक्ष आंदोलन का प्रणेता भारत फिर से एक बार तृतीय विश्व युद्ध के खतरे को समाप्त करने के लिए अवश्य ही गहन गंभीर कूटनीतिक प्रयास करेगा, जैसा कि ऐतिहासिक प्रयास भारत द्वारा तृतीय विश्व युद्ध को रोकने के लिए सन् 1956 में स्वेज कैनाल संकट और सन् 1962 में क्यूबा संकट के दौर में किया गया था।

अमेरिका के भरोसे को कमजोर करते ट्रंप

असमंजस

प्रमोद भार्गव

वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

अमेरिका के दूसरी बार राष्ट्रपति बनते ही डोनाल्ड ट्रंप ने यह दावा किया था कि वे रूस-यूक्रेन तथा इजरायल एवं हमास के बीच चल रहे युद्धों को समाप्त कर शांति स्थापित कर देंगे, परंतु कोई परिणाम नहीं दे पाए। इसके उलट हाल ही में यूक्रेन ने बड़ा हमला करके रूस के साइबेरिया में स्थित परमाणु बमवर्षक विमानों को ध्वस्त करके बड़ी शिकस्त दे दी है। ड्रोन से बेलाया वायुसेना अड्डे पर हमला करके रूसी वायुसेना के 40 विमानों को अग्नि में होम कर दिया। इस हमले के बाद यूक्रेन ने रूस को फिर निशाना बनाया। यूक्रेनी खुफिया एजेंसी एसबीयू ने रूस को क्रीमिया से जोड़ने वाले क्रेच पुल को विस्फोटक से उड़ा दिया। इन दो बड़े आक्रमणों से तय होता है कि यूक्रेन फिलहाल अमेरिका के दबाव में नहीं है। अमेरिका के पास ऐसा कोई कूटनीतिक इलाज भी नहीं दिखता है कि वह यूक्रेन और रूस को समझौते के लिए राजी कर पाए, क्योंकि रूस ने भी यूक्रेन पर हमले तेज कर दिए हैं। आशंका तो अब यह बढ़ गई है कि परमाणु हथियार सक्षम रूस कहीं यूक्रेन पर परमाणु हमला न कर दे ? अमेरिका के भीतर भी ट्रंप ने एक के बाद एक गैर जरूरी ऐसे फैसले लिए जो अमेरिकी परंपरा व संवैधानिक व्यवस्था के विरुद्ध थे। अतएव अदालतों में ये फैसले टिक नहीं पाए।

अप्रासंगिक व विवादित निर्णय

अमेरिकी प्रथम की रणनीति से जुड़े ऐसे अप्रासंगिक व विवादित निर्णय और कानूनी चुनौतियां अभी भी थम नहीं रही हैं। भारत और पाकिस्तान के बीच चले ऑपरेशन सिंदूर और फिर युद्धविराम का श्रेय लेने की होड़ में ट्रंप के शरारती एक्स संदेश से भी उनकी छवि धूमिल हुई है। असमंजस और अमर्यादित आचरण के प्रदर्शनों से अमेरिका की कूटनीतिक स्थिरता को बड़ा झटका लगा है। ऐसे व्यवहार से जहां ट्रंप बौने लगने लगे हैं, वहीं लगता है, जल्दी ही दुनिया बहुध्रुवीय व्यवस्था की ओर बढ़ती दिखाई देगी और अमेरिका अलग-थलग दिखाई दे सकता है। यह संभावना ट्रंप के चुनावी अभियान में 2100 करोड़ रुपये का चंदा देने व ट्रंप का खुला समर्थन करने वाले कारोबारी एलन मस्क व ट्रंप की दोस्ती टूटने से भी बड़ी है। एक समय के जिगरी दोस्त जानी दुश्मन बनते दिखाई दे रहे हैं। एलन मस्क बार-बार ट्रंप द्वारा लागू किए विधेयक की आलोचना कर रहे थे। इस पर ट्रंप ने प्रतिक्रिया दी कि मस्क मुझे निराश कर रहे हैं। इसके बाद दोनों में जुबानी जंग छिड़ गई। ट्रंप ने कटाक्ष किया कि मस्क को ट्रंप डेरेंजमेंट सिंड्रोम यानी ट्रंप अव्यवस्था दोष हो गया है।

नई नीतियों से अव्यवस्था फैली

मसलन ट्रंप जिस तरह से टैरिफ से लेकर नई-नई नीतियां बदल रहे हैं, उससे अव्यवस्था फैल रही है, जो मस्क को पसंद नहीं है। ट्रंप के इस कटाक्ष के बाद दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति मस्क भी कहां चूकने वाले थे, उन्होंने पलटवार करते हुए कहा कि यदि मैं न होता तो ट्रंप चुनाव हार जाते। गोया ट्रंप ने उनके साथ बेवफाई की है। ट्रंप की यह बेवफाई केवल मस्क के साथ अब नहीं है, बल्कि अनेक उन यूरोपीय देशों के साथ भी दिखाई दे रही है, जो अमेरिका या ट्रंप की प्रत्येक कूटनीतिक

रणनीति में भागीदार रहे हैं। रूस और यूक्रेन के बीच तीन साल से भी ज्यादा समय से चल रहा युद्ध न केवल यूरोप में बल्कि दुनिया में परमाणु हथियारों की महत्ता से जुड़ा परिदृश्य बदल रहा है। इस परिदृश्य को भी ट्रंप द्वारा दिया यह बयान कि 'यूरोपीय देशों के नाटो सदस्य यूक्रेन के परिप्रेक्ष्य में अमेरिका के बराबर जिम्मेदारी नहीं झेल रहे हैं। इस कारण इस गठबंधन की प्रासंगिकता पर प्रश्नचिन्ह लगाए जाने लगे हैं।' दरअसल द्वितीय विश्व युद्ध के बाद सोवियत रूस की सेनाएं मध्य और पूर्वी यूरोप में तैनात थीं। इसके बाद संयुक्त राज्य अमेरिका और सोवियत संघ के बीच वैचारिक और भू-राजनीतिक तनाव का दौर था। हालांकि दूसरे विश्वयुद्ध में ये दोनों देश प्रत्यक्ष रूप से युद्ध में शमिल नहीं थे, लेकिन एक-दूसरे के विरुद्ध अपनी शक्ति बढ़ाने में लगे थे। अमेरिकी पूंजीवादी विचारों का पोशक रहा, जबकि सोवियत संघ साम्यवादी विचारों का अनुयायी रहा। यही वैचारिक संघर्ष शीतयुद्ध कहलाता है। कालांतर में इन देशों की बढ़ती आर्थिक और सामरिक ताकत ने पूरी दुनिया को दो ध्रुवीय व्यवस्था में बदलने का काम किया। किंतु 26 दिसंबर 1991 को सोवियत संघ के विघटन के बाद 15 नए देश अस्तित्व में आए, इन्हीं में रूस और यूक्रेन शामिल हैं। ट्रंप द्वारा नाटो गठबंधन की प्रासंगिकता पर सवाल उठाए जाने के बाद अमेरिका द्वारा यूक्रेन को दी जाने वाली सैन्य सहायताएं भी स्थगित कर दी गईं।

नतीजतन फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनूएल मैक्रों को जवाबी हमला करने का मौका मिल गया। मैक्रों ने यूरोपीय मित्र देशों के समक्ष फ्रांस के परमाणु भंडारों को सुरक्षा देने का प्रस्ताव रख दिया। फ्रांस का यह प्रस्ताव विश्व-व्यवस्था में परमाणु सशस्त्रीकरण की नई इबारत लिखना है। इसके बाद ब्रिटेन और इटली ने भी रूस और यूक्रेन के बीच शांति के न्यायोचित समाधान खोजने की मांग उठा दी। तत्पश्चात यूरोपीय यूनियन की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेरलेयेन ने 800 बिलियन डॉलर से लेकर 1 ट्रिलियन डॉलर तक की रक्षा खर्च की योजना पेश कर दी। संघ के 26 सदस्य देशों ने इसे हाथों हाथ समर्थन भी दे दिया। इसका उद्देश्य यूरोप की रक्षा क्षमताओं को मजबूत करना है, विशेष रूप से यूक्रेन युद्ध के बाद की स्थिति में, क्योंकि यूक्रेन रूस के युद्ध के खिलाफ जो दंभ तीन साल से भरे हुए है, उसके पीछे यूरोपीय संघ और नाटो देशों की ही आर्थिक और सामरिक शक्तियां काम कर रही हैं। अब यूरोपीय संघ के सदस्य देशों ने संयुक्त हथियार खरीद के लिए 150 अरब यूरो का कोष स्थापित करने की सहमति जता दी है। नाटो और यूरोपीय संघ का यह कूटनीतिक उत्तर अमेरिका की नाटो से संभावित निकासी या उसकी धनराशि कम करने के परिप्रेक्ष्य में है। दरअसल ये देश परमाणु शक्ति संपन्न देश होने के कारण रूस को एक बड़ा खतरा मानकर चल रहे हैं और यूक्रेन के पीछे खड़े होकर रूस की बर्बादी देखने के इच्छुक हैं। अतएव ट्रंप की समझौते से जुड़ी रणनीति के विरुद्ध अभी यह टकराव बना रहेगा।

युद्ध समाप्ति के अभी आसार नहीं

यह युद्ध इसलिए लंबा चलने वाला है, क्योंकि हाल ही में तुर्की में रूस और यूक्रेन के बीच हुई वार्ता में ब्लादिमीर पुतिन ने साफ कर दिया है कि उन्हें केवल एक ही बात मंजूर है और वह यूक्रेन का समर्पण! रूस यह मांग इसलिए कर रहा है, क्योंकि उसने यूक्रेन के 5 प्रांतों के 19 फीसदी भू-भाग पर कब्जा कर लिया है। इसलिए उसे उम्मीद है कि देर-सबेर वह यूक्रेन को पराजित कर देगा। अमेरिका के पास इस स्थिति में युद्ध खत्म करने की कोई नीति या कूटनीति नहीं है।

ट्रंप जिस तरह की दादागिरी के आचरण और एकतरफा निर्णय लेने के मूड में हैं, उस स्थिति में युद्धविराम तब तक संभव नहीं है, जब तक नाटो और यूरोपीय संघ के देश ट्रंप की बात मानने को सहमत न हो जाएं ?

भड़कता दिख रहा रूस-यूक्रेन युद्ध

रणनीति

राजेश जैन

स्वतं पत्रकार व विश्लेषक

रूस के अंदर घुस कर यूक्रेन के मारक हमले के बाद से दोनों मुल्कों के बीच जारी जंग के जल्दी खत्म होने के आसार क्षीण हो गए हैं। यूक्रेन ने योजनाबद्ध तरीके से जिस तरह गाइडेड ड्रोन अटैक किया है और रूसी सैन्य ठिकानों को तबाह किया है, उसके बाद रूस के जवाबी हमले के खतरे बढ़ गए हैं। रूस ने यूक्रेन से बदला लिया भी है, लेकिन यह सिलसिला अभी और बढ़ेगा। तुर्किये में प्रस्तावित वार्ता से ठीक एक दिन पहले यूक्रेन की सैन्य कार्रवाई रूस की सोच से परे थी, यूक्रेन के इस कृत्य ने इस युद्ध को और उलझा दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कूटनीति रूस व यूक्रेन मामले में पूरी तरह फेल हुई है और ट्रंप के दावे हवाहवाई साबित हुए हैं। यूरोप अब यूक्रेन के कंधों पर रूस से अदावत निभा रहा है, इसलिए हाल फिलहाल इस युद्ध के और भड़कने की संभावना बढ़ गई है। फरवरी 2022 में शुरू हुआ रूस-यूक्रेन युद्ध चौथे साल में चल रहा है। लाखों लोगों की जान जा चुकी है, शहर उजड़ चुके हैं और अब दुनिया की नजरें इस सवाल पर टिकी हैं कि आखिर कौन जीत रहा है यह युद्ध? क्या यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की रूस के ताकतवर राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को मात दे रहे हैं या फिर रूस धीरे-धीरे अपनी रणनीति में सफल हो रहा है?

ड्रोन वार ने बदले समीकरण

रूस के तेज़ होते हमलों के बीच यूक्रेन ने बीते 1 जून को रूस के ख़िलाफ़ 'ऑपरेशन स्पाइडर वेब' लॉन्च किया। इसे रूस पर यूक्रेन का अब तक का सबसे घातक हमला बताया जा रहा है। दावा है कि इस ऑपरेशन की तैयारी यूक्रेन बीते 18 महीनों से कर रहा था। लीक जानकारी से पता चलता है कि कई छोटे ड्रोन्स को ख़ुफ़िया तरीके से रूस में पहुंचाया गया, फिर हज़ारों मील दूर अलग-अलग चार जगहों पर ले जाकर नज़दीकी सैन्य हवाई अड्डों पर रिमोटली लॉन्च किया गया। यूक्रेन का दावा है कि उसने रूस के 41 बमवर्षक विमानों को निशाना बनाया। विश्लेषकों का मानना है कि तुर्की में रूस और यूक्रेन के बीच हुई बातचीत के बाद स्थिति और उलझ गई है। पुतिन ने साफ कर दिया है कि उन्हें सिर्फ एक ही बात स्वीकार है, यूक्रेन का सरेंडर। दूसरी ओर, यूक्रेन कुछ शर्तों पर रियायत देने को तैयार है, लेकिन रूस अपने कठोर रुख से टस से मस नहीं हो रहा। दूसरी ओर यूक्रेन, टेक्नोलॉजी के मोर्चे पर, रूस को कड़ी टक्कर दे रहा है। हाल ही में यूक्रेनी ड्रोन हमलों ने रूस के बमवर्षक विमानों को भारी नुकसान पहुंचाया है। रूस ने सोचा भी नहीं होगा कि यूक्रेन रूस के 4000 किलोमीटर अंदर घुसकर उसके एयरबेस उड़ा सकता है, लेकिन उसने ऐसा किया। अब 5 एयरबेस पर हमले का नुकसान तो बड़ा है और रूसी राष्ट्रपति पुतिन का गुस्सा भी स्वाभविक है। ऐसे में रूस-यूक्रेन युद्ध एक बार फिर से भड़कता दिख रहा है और शांति की उम्मीदें लगभग मंद हो गई हैं।

लंबी है युद्ध के हताहतों की सूची

रूस ने 6 जून की रात को यूक्रेन के खिलाफ बड़े पैमाने पर बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोन हमला

किया है, जिसमें राजधानी कीव के साथ ही देश के प्रमुख शहरों को निशाना बनाया है। एक दिन पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ फोन कॉल के दौरान राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने रूसी हवाई ठिकानों पर ड्रोन हमले के लिए यूक्रेन के खिलाफ जवाबी कार्रवाई करने का वादा किया था। मीडिया रिपोर्ट्स बताती हैं कि इस युद्ध में अब तक करीब 14 लाख लोग हताहत हो चुके हैं। यूक्रेन के 75 हजार से ज्यादा सैनिक या तो मारे जा चुके हैं या गंभीर रूप से घायल हुए हैं। रूस की कुर्स्क पर भारी कार्रवाई के बाद यूक्रेनी सेना को पीछे हटना पड़ा। इसके बाद रूस ने पलटवार करते हुए सूमी प्रांत पर हमला शुरू कर दिया है। सूमी की भौगोलिक स्थिति ऐसी है कि यदि रूस इस पर कब्जा कर लेता है, तो वह सीधे कीव की ओर जमीनी हमला कर सकता है। इससे यूक्रेन की राजधानी की सुरक्षा व्यवस्था कमजोर हो जाएगी। फिलहाल, यूक्रेनी सेना रूस के कब्जे वाले इलाकों में जवाबी कार्रवाई कर रही है। उन्हें अमेरिका और यूरोपीय देशों से तकनीकी और खुफिया जानकारी मिल रही है, जिससे उन्हें हमलों की रणनीति बनाने में मदद मिलती है। इसके अलावा, यूक्रेन में अब अपने ही ड्रोन बनाने की फैक्ट्री और विशेषज्ञ तैयार हो चुके हैं। हालांकि यूक्रेन को आधुनिक तकनीक और समर्थन मिल रहा है, लेकिन उसकी चुनौतियां भी कम नहीं हैं। जैसे ड्रोन हमले रूसी सेना को धीमा कर सकते हैं, लेकिन उन्हें पूरी तरह रोक नहीं सकते, रूस लगातार मिसाइल और बमबारी करता जा रहा है, यूरोप और अमेरिका से हथियारों की सप्लाई बनाए रखना और नए हथियारों के लिए सैनिकों को ट्रेनिंग देना भी यूक्रेन के लिए बड़ी चुनौती है। रूस की रणनीति अब यह है कि यूक्रेनी सेना की सप्लाई लाइन को काटा जाए, उन्हें घेरा जाए और धीरे-धीरे एक-एक इलाके पर कब्जा किया जाए। इसके लिए रूसी सेना छोटे-छोटे समूहों में काम कर रही है ताकि वे ड्रोन हमलों से बच सकें। यूक्रेन की गैर पारंपरिक रणनीतियां जैसे लंबी दूरी तक ड्रोन से हमला, रूस के लिए परेशानी बन चुकी हैं, लेकिन रूस अब भी उनके खिलाफ कोई ठोस समाधान नहीं निकाल पाया है। इससे संकेत नहीं मिलते कि रूस हमला धीमा करने वाला है।

इस समय रूस ने 5 यूक्रेनी प्रांतों के 19% हिस्से पर कब्जा कर लिया है। इनमें से 12% इलाके पर वह पहले ही 2014 में कब्जा कर चुका था। पुतिन की चाहत है कि यूक्रेन की 25% जमीन रूस के अधीन आ जाए, जिसमें एक बफर ज़ोन भी शामिल हो। आपको बता दें कि रूस क्रीमिया पर 2014 में कब्जा कर चुका है लेकिन उसकी मांग सिर्फ क्रीमिया तक सीमित नहीं है, अब वह उन इलाकों को भी यूक्रेन से चाहता है, जिन पर उसकी सेना ने अभी तक कब्जा नहीं किया है, लेकिन रूस अपना दावा करता है। इसके अलावा, वह चाहता है कि युद्ध खत्म होने के बाद यूक्रेन की सेना, उसके हथियार और उसकी सीमाएं नियंत्रित कर दी जाएं, कुछ-कुछ वैसा ही जैसा प्रथम विश्व युद्ध के बाद जर्मनी के साथ किया गया था।

फिलहाल शांति की आस नहीं

इस समय दोनों पक्षों के पास न तो निर्णायक जीत है और न ही शांति का कोई साफ रास्ता। इस लंबी और थकाऊ लड़ाई के बाद भी यह तय नहीं हो पाया है कि कौन जीत रहा है। रूस की धीमी लेकिन स्थायी बढ़त को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता, वहीं यूक्रेन भी टेक्नोलॉजी और नाटो समर्थन के दम पर लगातार जवाबी कार्रवाई कर रहा है। अगर किसी तरह से शांति समझौता हो भी जाता है, तब भी यह जरूरी नहीं कि संघर्ष थम जाएगा। जानकारों का मानना है कि यूक्रेन के भीतर गुरिल्ला युद्ध चलता रहेगा और नाटो देश रूस के लिए लंबे समय तक परेशानी बने रहेंगे। फिलहाल दुनिया को इंतजार है कि यह युद्ध कब और कैसे खत्म होगा?

SONALI PHASAL®
RSF
SYMBOL OF QUALITY

RAMNAGAR
SEED FARM PVT. LTD.

www.ramnagarseedfarm.com

प्ररूप ओ - 2
FORM O-2

भारत सरकार
GOVERNMENT OF INDIA
व्यापार चिन्ह रजिस्ट्री
TRADE MARKS REGISTRY
क्रमांक No. 1101991

व्यापार चिन्ह अधिनियम, 1999
Trade Marks Act, 1999
व्यापार चिन्ह के रजिस्ट्रीकरण का प्रमाणपत्र, धारा 23 (2) नियम 62 (1)
Certificate of Registration of Trade Mark, Section 23 (2), Rule 62 (1)

व्यापार चिन्ह संख्या /Trade Mark No. 1771973 दिनांक/ Date 07/01/2009 जे संख्या/ J.No. 1553

यह प्रमाणित किया जाता है कि जिस प्रकार चिन्ह की समाकृति इसके साथ संलग्न है, वह .....
के बारे में दिनांक ..... नाम से रजिस्ट्रीकृत हो चुका है।

Certified that the Trade Mark / a representation is annexed hereto, has been registered in the name(s) of

SK.ABDUL ZABBAR, VILL.RAMNAGAR,P.O.HARGRAM,P.S.BHATAR,DIST.BURDWAN,PIN-713125,W.B., SK. ALAUDDIN,SK. NARUDDIN, A PARTNERSHIP FIRM., Trading as : M/S. RAMNAGAR SEED FARM, MANUFACTURERS, MERCHANTS AND TRADER, (Partnership Firm)

In Class 31 Under No. 1771973 as of the Date 07 January 2009 in respect of

ALL KINDS OF SEEDS

PANNA

मेरे निदेश पर आज ..... के 14th मास के ..... June, 2013 दे दिन को इस पर मुद्रा लगायी गई।
Sealed at my direction, this day of

व्यापार चिन्ह रजिस्ट्री, KOLKATA
Trade Marks Registry,

व्यापार चिन्ह रजिस्ट्रार
Registrar of Trade Marks

रजिस्ट्रीकरण आवेदन की तारीख से १० वर्ष के लिए है और तत्पश्चात यह १० वर्ष की उत्तरावधि के लिए और प्रत्येक १० वर्ष की उत्तरावधि के अवसान पर भी नवीनीकृत किया जा सकेगा।
Registration is for 10 years from the date of application and may then be renewed for a period of 10 years and also at the expiration of each period of 10 years.
यह प्रमाणपत्र विधि कार्यवाहियों में प्रयोग के लिये या विदेश में रजिस्ट्रीकरण अभिप्राप्त करने के लिये नहीं है।
This certificate is not for use in Legal proceedings or for obtaining Registration abroad.

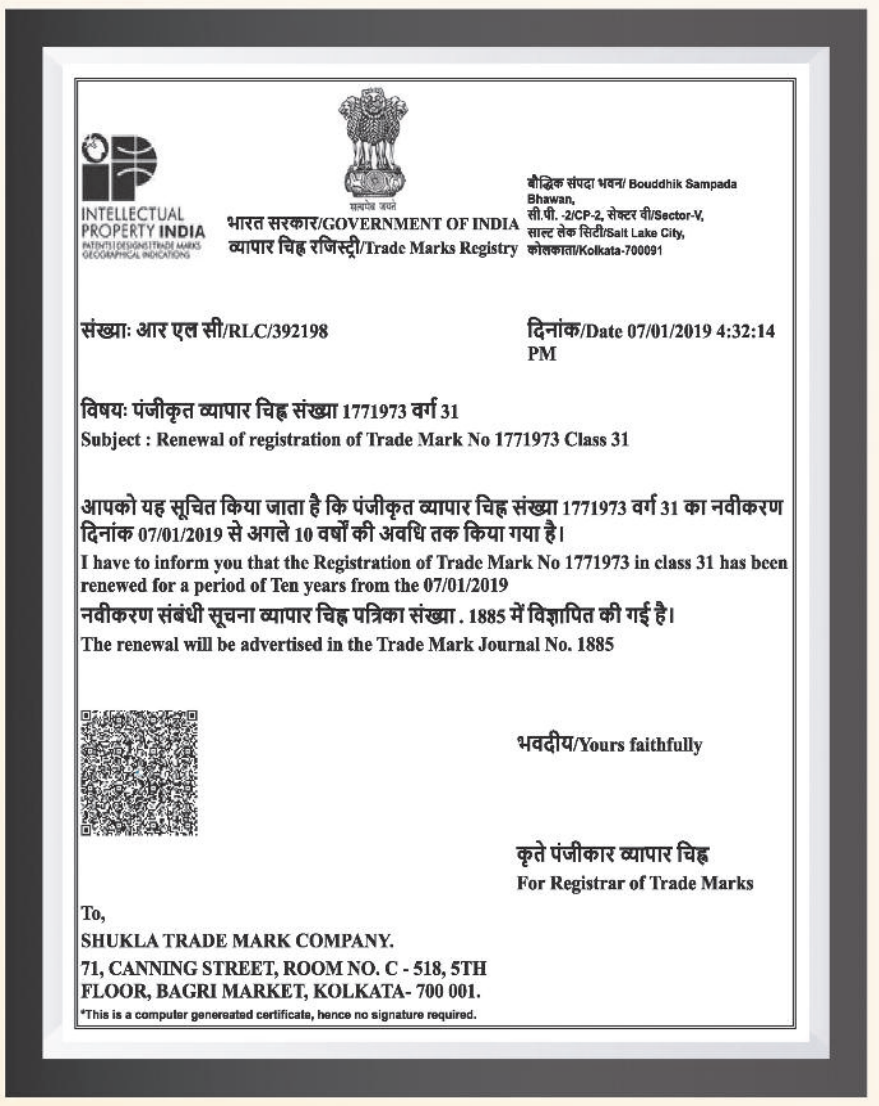

INTELLECTUAL PROPERTY INDIA
PATENTS | DESIGNS | TRADE MARKS | GEOGRAPHICAL INDICATIONS

सत्यमेव जयते
भारत सरकार/GOVERNMENT OF INDIA
व्यापार चिह्न रजिस्ट्री/Trade Marks Registry

बौद्धिक संपदा भवन/ Bouddhik Sampada Bhawan,
सी.पी. -2/CP-2, सेक्टर वी/Sector-V,
साल्ट लेक सिटी/Salt Lake City,
कोलकाता/Kolkata-700091

संख्याः आर एल सी/RLC/392198

दिनांक/Date 07/01/2019 4:32:14 PM

विषयः पंजीकृत व्यापार चिह्न संख्या 1771973 वर्ग 31
Subject : Renewal of registration of Trade Mark No 1771973 Class 31

आपको यह सूचित किया जाता है कि पंजीकृत व्यापार चिह्न संख्या 1771973 वर्ग 31 का नवीकरण दिनांक 07/01/2019 से अगले 10 वर्षों की अवधि तक किया गया है।
I have to inform you that the Registration of Trade Mark No 1771973 in class 31 has been renewed for a period of Ten years from the 07/01/2019
नवीकरण संबंधी सूचना व्यापार चिह्न पत्रिका संख्या . 1885 में विज्ञापित की गई है।
The renewal will be advertised in the Trade Mark Journal No. 1885

भवदीय/Yours faithfully

कृते पंजीकार व्यापार चिह्न
For Registrar of Trade Marks

To,
SHUKLA TRADE MARK COMPANY.
71, CANNING STREET, ROOM NO. C - 518, 5TH FLOOR, BAGRI MARKET, KOLKATA- 700 001.
*This is a computer genereated certificate, hence no signature required.

नकली से बचके असली अपनाओ

सोनाली फसल का उन्नत धान बीज पन्ना घर ले आओ

DSIR RECOGNIZED RECOGNITION FOR IN-HOUSE R&D
ISO 9001:2015 QUALITY MANAGEMENT CERTIFIED COMPANY
ISO 14001 : 2015 CERTIFIED ENVIRONMENT MANAGEMENT
ISO 45001:2018 OCCUPATIONAL HEALTH & SAFETY MANAGEMENT SYSTEM FORCES
Great Place To Work. Certified SEP 2024 – SEP 2026 INDIA

* ट्रेडमार्क और कॉपीराइट ब्रांड का गलत इस्तमाल पर ३ साल तक जेल और ₹ 2 लाख तक का जुर्माना हो सकता है।
* पन्ना एक ट्रेडमार्क और कॉपीराइट ब्रांड है, ट्रेडमार्क और कॉपीराइट ब्रांड उल्लंघन के मामले में, कंपनी नागरिक कार्यवाही शुरू कर सकती है और ₹ 5 करोड़ तक के हरजाना का दावा कर सकती है।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रायपुर, रविवार 8 जून 2025

समय तेजी से बदल रहा है। हर रोज तकनीक नए अवतार में सामने आ रही है। जाहिर है, ऐसे में सर्वाइव करने और ग्रो करने के लिए खुद को लगातार अपडेट करना जरूरी है। अच्छी बात है कि इस बात की महत्ता को समझते हुए आज के युवा अपनी स्किल्स डेवलपमेंट के लिए लगातार प्रयासरत हैं।

युवा नई स्किल्स सीखकर लगातार हो रहे अपडेट

{ कवर स्टोरी/ डॉ. मोनिका शर्मा }

तेजी से बदलते इस दौर में नई सोच ही नहीं न्यू एज स्किल्स भी आवश्यक हैं। आज के युवाओं को सेल्फ डेवलपमेंट की सोच में व्यक्तित्व ही नहीं कौशल को भी रखना होगा। वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम का अनुमान है कि 2030 तक 85 फीसदी ऐसी नौकरियां मौजूद होंगी, जो बिल्कुल नए क्षेत्रों से जुड़ी होंगी। यानी, रोजगार के ऐसे फील्ड और अवसर, जो अभी तक अस्तित्व में नहीं हैं। इसलिए युवाओं में एडॉप्टिबिलिटी और नया सीखने की सोच जरूरी है। देखने में आ रहा है कि सरकार और कंपनियां भी निरंतर कौशल विकास की जरूरत पर बल दे रही हैं। असल में तकनीकी तरक्की और कॉर्पोरेट दुनिया के तेजी से बदलते परिवेश में नए लोगों को ही नहीं पहले से जुड़े कर्मचारियों को भी लगातार नई स्किल सीखनी जरूरी है।

बदलते हालातों से तालमेल

बदलाव के प्रति खुला रुख और बदलती परिस्थितियों के साथ तालमेल बैठाने की सोच आज के समय में बहुत आवश्यक है। एडॉप्टिबिलिटी से जुड़ा यह भाव वह सॉफ्ट स्किल है, जिस पर सीखने-समझने की लगातार चलने वाली प्रक्रिया टिकी होती है। असल में एडॉप्टिबिलिटी का मतलब ही नई परिस्थितियों के लिए खुद को तैयार रखना है। बदलती स्थितियों के साथ आसानी से ढलने की क्षमता जुटाना है। बदलाव के लिए लचीला रुख रखना है। तकनीकी दुनिया में एआई से लेकर प्रोफेशनल वर्ल्ड में लोगों से जुड़ाव की राह चुनने तक, पेशेवर दुनिया में नित नया सीखते रहने की प्रवृत्ति आज के समय की जरूरत है। आज टेक्नोलॉजी, इंडस्ट्रीज, सर्विस सेक्टर हर फ्रंट पर बदलाव आ रहा है। काम-काजी दुनिया की बदलती अपेक्षाओं के अनुरूप ढलना जरूरी है। स्किल्स और माइंडसेट के मोर्चे पर स्वयं को संवारते रहने से ही अपडेट रहा जा सकता है। सुखद है कि युवा अपनी स्किल को निखारने को प्राथमिकता भी दे रहे हैं।

मिलते हैं अनेक फायदे

उम्र के हर पड़ाव पर ही कुछ नया सीखना या सीखते रहना आत्मविश्वास की सौगात देता है। बात जब काम-काजी दुनिया में अपनी जमीन पुख्ता करने में जुटे युवाओं की हो तो, यह पहलू और अहम हो जाता है। असल में अपनी स्किल्स निखारने से जॉब में सुरक्षा मिलती है। किसी क्षेत्र विशेष में पहचान बनाने का अवसर मिलता है। मौजूदा नौकरी में तो आगे बढ़ने के अवसर मिलते ही हैं, करियर के नए दरवाजे भी खुलते हैं। मानसिक रूप से यह स्थिति तनाव से भी दूर रखती है, क्योंकि आने वाले समय के लिए खुद को तैयार करने के प्रयास हर तरह की असुरक्षा से दूर रखते हैं। नई स्किल्स सीखने से हर इंसान को अपने आप के बारे में अच्छी और सकारात्मक अनुभूति होती है। अपनी क्षमता के प्रति बने विश्वास से मन अधिक सशक्त महसूस करता है। काम-काजी दुनिया में इस मनःस्थिति के साथ चुनौतियों का सामना करना और आसान हो जाता है। नए स्किल्स सीखने से नए लक्ष्य बनाने और पाने की भी हिम्मत मिलती है। परिस्थितियों के अनुसार कौशल निखार से मिला आत्मविश्वास अनमोल होता है। ऐसे भरोसे से लबरेज मन-मस्तिष्क, हर हाल में कुछ बेहतर करने का मार्ग खोज लेता है। समझना मुश्किल नहीं कि फील्ड चाहे कोई भी हो, योग्यता के मोर्चे पर बेहतरी की ओर बढ़ते जाना कभी व्यर्थ नहीं जाता। *

डेवलप होती है पर्सनालिटी

फॉर्मल डिग्री के बाद भी कुछ नया सीखते रहना व्यक्तित्व विकास में भी सहायक होता है। नए स्किल्स सीखना अपने ज्ञान को बढ़ाना है। अपनी कार्यक्षमता को बेहतर करना है। समय के साथ चलते रहने की सोच को सही दिशा देना है। खासकर सॉफ्ट स्किल्स को बेहतर करना अच्छी निर्णय क्षमता, प्रभावी कम्युनिकेशन और समस्याओं का समाधान तलाशने में मददगार साबित होता है। ऐसे सभी पहलू व्यक्तित्व विकास से ही जुड़े होते हैं। यही बातें युवाओं की पर्सनालिटी को इंप्रेसिव बनाती हैं। अमेरिकन साइकोलॉजिकल एसोसिएशन के अनुसार, व्यक्ति की पर्सनालिटी उसके स्थाई व्यवहार, विचार, इमोशनल पैटर्न और क्षमताओं को लिए होती है। कॉग्निटिव बिहेवेरियल थेरेपिस्ट और 'द फील गुड जर्नल' के लेखक लुडोविका कोलेला के मुताबिक 'व्यक्तित्व, व्यवहार और विचार पैटर्न का एक संयोजन होता है, जो समय के साथ अपेक्षाकृत स्थिर होता जाता है।' ऐसे में पर्सनल ग्रोथ और पर्सनालिटी डेवलपमेंट, दोनों ही सिस्टमेटिक ढंग से कुछ ना कुछ सीखते रहने से गहराई से जुड़े हैं। साथ ही खुद को सक्रिय रखने के लिए भी न्यू स्किल्स सीखना आवश्यक है। इस तरह नया स्किल, वर्किंग फील्ड में तो बेहतरी से जुड़ा ही है, युवाओं के व्यक्तित्व विकास का भी अहम पहलू है।

अपनी बिजी लाइफ में भी कुछ पल हों दोस्तों के लिए

{ रिलेशनशिप / संध्या सिंह }

वैसे तो आज के दौर में हर व्यक्ति समय की कमी का रोना रोता रहता है। लेकिन इस बिजी लाइफ में भी अगर कुछ पल आप अपने दोस्तों के साथ बिताते हैं तो इसके कई तरह के फायदे आपको मिलेंगे, जीवन में हमेशा जीवंतता बनी रहेगी।

हर रोज सुबह घर से निकलकर पूरा दिन ऑफिस में काम करने के बाद ट्रैफिक और भीड़ की मुश्किलें झेलने के बाद घर पहुंचकर आप अपने कंफर्टेबल जोन में आ जाते हैं। अपने लिए चाय बनाते हैं और किसी किताब को पढ़ने या कोई मनपसंद फिल्म देखने की सोचते हैं। तभी आपके दोस्त का फोन आता है, जिसकी आपके साथ काफी दिनों से मुलाकात नहीं हुई है। वह आपको रात के समय फिल्म देखने के लिए बोलता है तो आप कहते हैं कि नहीं, अब मेरा कोई मूड नहीं है। लेकिन दोस्त 10-15 मिनट के बाद आपको लेने के लिए आ जाता है। मन नहीं होने के बावजूद आप फिल्म देखने चले जाते हैं। लंबे समय के बाद दोस्त से मिलकर, फिल्म देखकर, उसके साथ वक्त बिताकर आपको बहुत अच्छा लगता है। क्या आपने भी ऐसा महसूस किया है?

तनाव होता है कम: यह सच है कि आज के समय में घर से ऑफिस और ऑफिस से घर की व्यस्त दिनचर्या में आपको दोस्तों से मिलने का ख्याल ही नहीं आता है। थकान और तमाम उलझनों के कारण उनके लिए समय निकालना आपके लिए संभव भी नहीं होता। लेकिन विभिन्न सर्वेक्षण इस बात का दावा करते हैं कि अपनी व्यस्त दिनचर्या में भी दोस्तों के लिए वक्त निकालना, आपको काफी हद तक तनावमुक्त करता है। दोस्तों से मिलना, उनके साथ समय बिताना उस समय और जरूरी हो जाता है, जब आप किसी तरह की समस्या से जूझ रहे होते हैं। जाहिर सी बात है, दोस्त के साथ मिलने पर आप उनके साथ अपनी समस्या शेयर करते हैं। आपका दोस्त आपकी समस्या को ध्यान से सुनता है और उसे नए तरीके से देखने और समझने के लिए आपको बहुत सी नई बातें बताता है, जिससे आपको अपनी वो छोटी सी समस्या जितनी पहले बड़ी लग रही थी, अब और छोटी दिखती है।

ऐसे बिताएं समय: यह जरूरी नहीं कि आप अपने पार्टनर के साथ ही घूमने के लिए जाएं। अपने दोस्तों के साथ भी ट्रिप का प्रोग्राम बना सकते हैं। ऐसी ट्रिप, जिसमें सिर्फ आप अपने आपको और दोस्तों को समय दें। न आपके पास लैपटॉप हो, न ई-मेल चेक करने का झंझट और अपने स्मार्टफोन को भी आप दिन के समय या कुछ खास आवर्स में स्विच ऑफ कर दें केवल दोस्तों के साथ घूमने का आनंद लें, घूमें, फिरें और पार्टी करें। उनके साथ मिलकर मूवी देखें, कांसर्ट में शिरकत करें। कोई प्ले देखें। इस तरह की गतिविधियों में शिरकत न करने के कारण हम सामाजिक गतिविधियों से दूर हो जाते हैं। ये वही मौके हैं, जिनके द्वारा आप आपने को सोशलाइज्ड कर सकते हैं।

अलग होता है मिलने का आनंद: अगर आपका दोस्त तनाव में है और वह खुद अपने को घर में बंद कर लेता है, अलग-थलग रहकर वह चिड़चिड़ा और तनावग्रस्त हो जाता है तो यही वह समय है, जब आप उसको उसकी बंद दुनिया से बाहर लाकर अपना सहारा दे सकते हैं। भले ही आजकल मोबाइल फोन, व्हाट्सएप कॉल, ई-मेल या एसएमएस के जरिए हम दोस्तों से कनेक्ट होते हैं, लेकिन वर्चुअल दुनिया से निकलकर आमने-सामने की बातचीत का कोई विकल्प नहीं होता।

मिलने की करें पक्की प्लानिंग: हम अकसर अपने दोस्तों से मिलने की प्लानिंग तो बहुत करते हैं, लेकिन मिल नहीं पाते। इसके लिए हर बार की मीटिंग के बाद अगली बार मिलने की एक तारीख निर्धारित कर लें और उसके लिए किसी भी सूरत में समय निकालें। जीवन की आपा-धापी के बीच दोस्तों के लिए समय जरूर निकालें। तो अगली बार जब आपसे कोई कहे कि चलो मिलते हैं, इसे एक अनिश्चित समय के लिए न टालें। मोबाइल फोन निकालकर कैलेंडर देखकर तुरंत पहले से एक तारीख तय कर लें और अपने शेड्यूल को उसी हिसाब से अडजेस्ट करके अगली बार जरूर मिलें। *

बोरियत को कहें बाय-बाय जिंदगी में भरें नई उमंग

वजहें अलग-अलग हो सकती हैं, लेकिन बोरियत की फीलिंग कभी न कभी सभी को होती है। ऐसे में उसकी वजह तलाशें, उसका समाधान करें और जिंदगी को नई उमंग के साथ जीना शुरू करें।

{ लाइफस्टाइल / शैलेंद्र सिंह }

किसी ने सच ही कहा है, चलती का नाम जिंदगी है। लेकिन कभी-कभी अपनी जिंदगी से बोरियत महसूस होने लगती है। बोर होने का मतलब है रुकावट, थकावट, कल्पनाहीनता वगैरह-वगैरह। सवाल है, ऐसी स्थिति में क्या किया जाए? हमें समझना होगा कि जब तक हम कल्पनाशील नहीं होंगे, बोरियत को दूर करने की चेष्टा नहीं करेंगे, तब तक बोरियत हमें अपने चंगुल में जकड़े रखेगी। बोरियत होने के दौरान हमें कोई भी चीज अच्छी नहीं लगती। दूसरे शब्दों में हम कह सकते हैं कि बोरियत एक किस्म का डिप्रेशन है। इसलिए जैसे ही आप बोरियत महसूस करें तुरंत समझ जाएं कि आपके साथ कुछ गड़बड़ है।

बोरियत का मतलब: आमतौर पर बोरियत एक जैसी स्थिति से होती है। एक ही तरह के खाने से, एक ही तरह के कपड़ों से, एक ही तरह के काम से, एक ही जगह रहने से, एक जैसी बातों से और एक जैसे रिश्तों से। कुल मिलाकर बोरियत की तह में है एकरसता। अतः जीवन में एकरसता से बचना चाहिए।

क्यों होती है बोरियत: यह कोई बंधा-बंधाया नियम नहीं है कि बोरियत वही महसूस करेगा, जो शादी-शुदा हो। आजकल काम-काजी जीवन से जूझ रही युवा लोग भी बोरियत के चंगुल में बहुत जल्दी आ जाते हैं। वे चाहते हुए भी इससे दूर नहीं हो पाते। इसका सीधा सा जवाब यह है कि उनके पास सोशल होने का समय नहीं होता है। दोस्तों से झगड़ने का समय नहीं है। अपनों से बात करने का समय नहीं है। पार्टी करने का समय नहीं है। समय के अभाव के चलते बोरियत हमारी जिंदगी में गहरे तक घर कर गई है। बोरियत बड़े पैमाने पर प्रेमियों के संबंधों में देखने को मिलती है। हैरानी की बात यह है मौजूदा समय में बोरियत ने सबसे ज्यादा युवा कपल को ही घेरे रखा है, क्योंकि उनके पास एक-दूसरे के लिए समय नहीं है। इस तरह उनके जीवन में एकरसता बहुत आसानी से आ जाती है। वे ऊब से भर जाते हैं।

ऐसे करें बोरियत दूर: पुरुषों को यह समझना चाहिए कि आमतौर पर हर महिला की जिंदगी में उसका प्यार सबसे ज्यादा मायने रखता है। चाहे उसके पास करने को बहुत कुछ हो, चाहे उसके पास सोचने को बहुत कुछ हो, बावजूद इसके उनके जीवन में अपना पार्टनर सबसे खास होता है। लेकिन जैसे ही उसे महसूस होने लगे कि उसका पार्टनर काम के दबाव के चलते उसे नजरंदाज कर रहा है तो वह गहरे तक अवसादग्रस्त हो जाती है। वे मनोवैज्ञानिक तौर पर बुरी तरह आहत हो जाती हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं कि मन ही मन कुढ़ना स्वास्थ्य पर बुरा असर डालता है। इसलिए पुरुषों को चाहिए कि वे अपनी पार्टनर को समय दें और अपने जीवन से बोरियत दूर रखें।

इन पर भी करें अमल: कपल्स के लिए यह भी जरूरी है कि हमेशा रोमांटिक बने रहें। चाहे स्थितियां कैसी भी क्यों न हो, अपने पार्टनर का सम्मान करें और उसे अपना पूरा समय दें। खासतौर पर पुरुषों को चाहिए कि वे अपनी पार्टनर को जरा भी नजरंदाज न करें। बोरियत से बचने के लिए हमेशा खुद में नए-नए बदलाव करते रहें। कभी-कभी घर को भी नया लुक देकर बोरियत से दूर हुआ जा सकता है। लड़कियों के लिए खुद को सजाना हमेशा दिलचस्पी भरा होता है। बोरियत घेर रही हो तो खुद को संवारें। यही नहीं रोमांसपूर्ण आकर्षण बनाए रखने के लिए कोशिश करें कि वही ड्रेस पहनें जो एक-दूसरे को अच्छे लगें। अचानक का स्पर्श भी आकर्षण बढ़ाता है, इसलिए मौका बे मौका एक-दूसरे को चुपके से छुएं जब दूसरा किसी और काम में खोया हो। इस तरह से दोनों के बीच लगाव बना रहेगा, जो बोरियत से दूर रखती है। जो लोग सिंगल है, वे अपने दोस्तों के साथ आउटिंग और हैंगआउट कर सकते हैं। बोर शब्द बेहद सामान्य प्रतीत होता है और लगता है कि कुछ घंटों में ही हम सामान्य हो जाएंगे। लेकिन ऐसा नहीं हो पाता, क्योंकि बोरियत दीमक की तरह है जो धीरे-धीरे अंदर की जीवंतता को निचोड़ लेती है। इसलिए अपने आस-पास के माहौल में भी निरंतर तब्दीलियां करें और रिश्तों में हमेशा गर्मजोशी बनाए रखें। *

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

शोधपरक-संग्रहणीय पुस्तक

हिंदी पत्रकारिता के इतिहास का विधिवत विवरण वर्ष 1826 से मिलता है, जब 'उदंत मार्तंड' साप्ताहिक समाचार पत्र के माध्यम से जुगल किशोर शुक्ल ने इसकी शुरुआत की। इसके लगभग 50-55 वर्ष के बाद ही वर्ष 1882 में हिंदी बाल पत्रकारिता की भी नींव पड़ी। उसके बाद से लेकर इक्कीसवीं सदी के तीसरे दशक तक पहुंचने की अपनी यात्रा में बाल पत्रकारिता, किन-किन सोपानों से होकर गुजरी, किन विभूतियों ने बाल पत्रकारिता को दिशा देने में महत्वपूर्ण योगदान दिया और किन प्रमुख बाल पत्रिकाओं ने बाल पाठकों को आकृष्ट करने में महती भूमिका निभाई, इन तमाम पक्षों पर विस्तार से और पूरी प्रामाणिकता के साथ ब्योरा प्रस्तुत करती है, कुछ समय पूर्व छपकर आई पुस्तक-हिंदी बाल पत्रकारिता का इतिहास। इसे सुप्रसिद्ध बाल साहित्यकार डॉ. सुरेंद्र विक्रम ने लिखा है। इस किताब को कुल पांच अध्यायों में बांटा गया है। पहले अध्याय में वर्ष 1882 से 1947 तक, दूसरे अध्याय में 1948 से 1960 तक, तीसरे अध्याय में 1961 से 2000 तक, चौथे अध्याय में 2001 से अब तक की बाल पत्रकारिता पर विहंगम दृष्टि डाली गई है। पांचवें अध्याय में हस्तलिखित बाल पत्रिकाओं का दुर्लभ विवरण दिया गया है। परिशिष्ट में सौ से अधिक बाल पत्रिकाओं के मुख पृष्ठ का संकलन लेखक के समर्पण और अथक परिश्रम को सिद्ध करता है। कुल मिलाकर यह एक शोधपरक-संग्रहणीय किताब है। *

पुस्तक: हिंदी बाल पत्रकारिता का इतिहास, **लेखक:** डॉ. सुरेंद्र विक्रम, **मूल्य:** 600 रुपए, **प्रकाशक:** भावना प्रकाशन, दिल्ली

भूखे भजन न होय गोपाला

अब सब लोग गोला बनाकर खड़े हो गए और एक-दूसरे का सामान आपस में बांटने लगे। फिर सबने खाना शुरू किया। खाते-खाते बात करने लगे, 'आज खाने में बहुत मशक्कत हुई। इसे कह सकते हैं कि हम लोग मेहनत करके ही खाते हैं।'

{ व्यंग्य / रमेश सैनी }

रामलाल बहुत सहनशील सहिष्णु लंबी सोच वाले व्यक्ति हैं। उनकी सोच बहुत उदारवादी है। *जीना ऐसा ना कोई से दोस्ती ना काहू से बैर। जहां काम पड़े अपना, अपना लो भले हो गैर।* यह उनके जीवन का फलसफा है। वे रोज सुबह चाय-पान के बाद अखबार पढ़ते हैं। उसमें भी सबसे पहले सिटी पेज में साहित्यिक, धार्मिक, सामाजिक और राजनीतिक कार्यक्रमों की सूचना पढ़ते हैं। लंबे अनुभव ने उन्हें सिखा दिया है कि किस आयोजन में स्वरुचि भोजन की व्यवस्था है। अनेक बार यह संयोग हो जाता है कि एक ही दिन में दो-चार आयोजन स्वरुचि भोज वाले की संभावना होती है। तब यह कयास लगाते हैं कि सबसे अच्छा भोज कहां पर होगा? तब वे उस आयोजन में ठाठ-बाट के साथ सम्मिलित हो जाते हैं। वे साहित्यक, धार्मिक और राजनीतिक आयोजनों के हिसाब से ड्रेस का चयन करते हैं। रामलाल जी अभिनय कला में मास्टर हैं। जहां जैसी जरूरत पड़ी, वैसा अपने को ढाल लेते हैं।

वे कुछ दिन पहले एक साहित्यिक आयोजन में मिल गए। आजकल आयोजन में भी भीड़ जुटाने के लिए स्वरुचि भोज रख लेते हैं। ऐसे में आयोजक को लगता है कि काफी भीड़ जुटी है और आयोजन सफल हो गया है। आयोजक भी श्रोताओं की सहनशक्ति, धैर्य और विश्वास की परीक्षा लेते हैं, उन्हें लगता है अगर शुरुआत में ही भोज रख दिया तो लोग खाकर आयोजन से निकल लेंगे। इस वजह से कार्यक्रम के बाद भोज रखते हैं। पर आयोजक डार-डार और श्रोता पात-पात। कुछ लोग समूह बनाकर आयोजन को सफल बनाने में योगदान देते हैं। ऐसे समूह में जो चतुर-चालाक और समझदार किस्म के लोग होते हैं, उन्हें आयोजन में शुरुआत में भेज देते हैं। उन्हें अकल होती है कि आयोजन कब खत्म होगा उसका अनुमान लगा लेते हैं। फिर वे कार्यक्रम खत्म होने के आधा-पौन घंटा पहले फोन कर देते हैं। तब उनके लोग भोज प्रारंभ होने के पहले भोजन स्थल पर पहुंच जाते हैं। रामलाल जी इसी तरह वर्षों से आयोजन को सफल बनाने में अपना योगदान दे रहे हैं।

उस रोज भी आयोजन समाप्त होने पर, जैसे ही स्वरुचि भोज आरंभ हुआ वहां उपस्थित अधिकांश लोग हमलावर के रूप में भोजन के स्टॉल पर टूट पड़े। मैं भी भीड़ में लग गया और सबके साथ धक्के खाकर भोजन के स्टॉल तक पहुंच गया। फिर धक्के से आगे बढ़ा तो सलाद, अचार और पापड़ के पास पहुंचा। मेरे आगे खड़े सज्जन मेरी दयनीय स्थिति को देखकर द्रवित हो गए और टमाटर के आठ-दस टुकड़े, दस-बारह पापड़ के टुकड़े मेरी प्लेट में रख दिए। फिर उन्होंने मुट्ठी भर अचार के टुकड़े मेरी प्लेट पर पटक दिए। मैं वहीं रुककर उन्हें कातर निरीह नजरों से देखने लगा। पर भीड़ को मेरा इस तरह रुककर देखना पसंद नहीं आया और मुझे धक्का मार कर लाइन से अलग कर दिया। फिर मैंने अपनी नजरें चारों ओर दौड़ाईं, शायद कोई पहचान वाला मिल जाए। तब देखा रामलाल आगे बढ़ने की कोशिश कर रहे हैं। काफी कशमकश के बाद वे हार मान गए और लाइन से बाहर आ गए। मैंने दूर से उन्हें इशारा किया, यहां कैसे? मेरे पास आकर बोले, 'भाई साहब ने बुलाया था, तो मजबूरन आना पड़ा।' यह उनका तकिया कलाम है। मैंने देखा उनकी प्लेट में सिर्फ दाल ही दाल दिख रही थी। मैंने पूछा, 'यह क्या, सिर्फ दाल! किसी वैद्य ने कहा है?' इस पर मुस्कुरा कर बोले, 'सिर्फ दाल ही ले पाया। आगे बढ़ने से पहले ही भीड़ के धक्के ने इस शरीफ आदमी को समुद्र की लहर की भांति बाहर कर दिया।' यह कहकर वे एक किनारे खड़े हो चारों तरफ देखने लगे। उनकी नजर लाइन में लगे लोगों से टकराई। एक इशारा आया। उन्होंने संकेत भाषा में उत्तर दिया। तब वह आदमी दो कदम आगे बढ़ा। चार-छः कटोरी प्लेट में रखी और उनमें रायता भरकर बाहर आ गया। मुझे आश्चर्य हुआ। एक ही जगह से बाहर कैसे आ गया? उस आदमी ने आगे खड़े दो-तीन लोगों को संकेत किया। उन्होंने भी संकेत में अपना अभिप्राय बताया, फिर वे लोग एक-एक कर बाहर आकर खड़े हो गए। मैंने देखा एक की कटोरियों में पनीर की सब्जी भरी है और साथ में दस-पंद्रह रोटियां। दूसरे की कटोरियों में रसगुल्ले ही भरे पड़े हैं और तीसरे की प्लेट में चावल या उसे पुलाव कहा जाए पूरी तरह लबालब भरा हुआ है। चौथे आदमी की प्लेट में आठ-दस कटोरियों में खीर थीं। अब सब लोग गोला बनाकर खड़े हो गए और एक-दूसरे का सामान आपस में बांटने लगे। फिर सबने खाना शुरू किया। खाते-खाते बात करने लगे, 'आज खाने में बहुत मशक्कत हुई। इसे कह सकते हैं कि हम लोग मेहनत करके ही खाते हैं।' मैं भी उनके साथ खड़ा था। उन्होंने मुझ पर दया कर कुछ चीजें मेरी प्लेट में रख दीं।

अब सबके साथ मैं भी खाने लगा पर धीरे-धीरे। तब उनमें से एक ने कहा, 'भाई साहब, संकोच मत करिए, दिल खोलकर खाइए। हम मेहनत का खा रहे हैं। आप तो निश्चिंत होकर खाएं। इस सुरुचि भोज को हम लोग सहभागी भोज बनाकर एक पिकनिक सा आनंद लेते हैं।' तब मैंने उनसे कहा, 'आज का कार्यक्रम बहुत अच्छा रहा।' उनमें से दूसरा बोला, 'कार्यक्रम! हमें तो समझ में नहीं आया, हमारा पूरा ध्यान कार्यक्रम के बाद भोज में ही रहा। भोजन अच्छा, तो कार्यक्रम अच्छा। अन्यथा सब बेकार है। आखिर हम लोग खाना खाने के लिए ही तो जीते हैं और जीने के लिए ही खाते हैं। हमारे यहां कहावत है-भूखे भजन न होय गोपाला।' यह कह वे चुप होकर मुझे देखने लगे और मैं उन्हें। *

तरकश

संजय के. दीक्षित

अफसरशाही का सेफ गेम

अफसरशाही ने सेफ गेम खेलने के लिए दिमाग तो अच्छा दौड़ाया था मगर नम्बर रांग डायल हो गया। बात कर रहे हैं कि नया रायपुर और पुराने रायपुर के बीच सेड़ीखेरी के प्राइम लोकेशन में नेताओं, अफसरो और जजों की आवासीय योजना की। पिछली सरकार ने 2022 में इसके लिए 23 एकड़ जमीन आबंटित की थी। इसमें 134 प्लॉट काटे गए। इनमें से विधायकों और सांसदों को 49 प्लॉट मिले। तब तक सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस संजीव खन्ना की डबल बेंच ने सरकारी जमीन पर बड़ा फैसला दे दिया। तेलांगना के एक केस में नवंबर 2024 में 64 पेज के आदेश में डबल बेंच ने कहा कि किसी भी वर्ग विशेष को सरकारी जमीन रियायती दर पर नहीं दी जा सकती। अगर प्लॉट दे भी दिया गया हो तो उसे निरस्त कर पैसा वापिस किया जाए। सीजेआई के इस फैसले से अफसरशाही ने जोरदार आइडिया निकाला। प्लान हुआ, पहले जजों को प्लॉट अलॉट कर दिया जाए, फिर अफसरों का। ताकि, कोई कानूनी अड़चन न आए। इसके लिए बिलासपुर हाई कोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल से संपर्क किया गया। खुशामदी लहजे की नुमाइश हुई...सर, किन-किन जज साहबों को प्लॉट देना है, आपलोग ही फायनल कर उनके नाम और एड्रेस दे दीजिए, बाकी चिंता की कोई बात नहीं...हमलोग सब कर लेंगे। बताते हैं, रजिस्ट्रार जनरल से होते हुए मामला चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा तक पहुंचा। सीजे इसे सुनते ही भड़क गए। बोले, बिल्कुल नहीं...सुप्रीम कोर्ट जब इस पर रोक लगा चुकी है, तब जजों को सरकारी प्लॉट कैसे दिया जा सकता है। इसके बाद रजिस्ट्रार जनरल ने पत्र लिखकर बता दिया कि जजों को प्लॉट देना सुप्रीम कोर्ट के आदेश का उल्लंघन होगा, ऐसा कतई संभव नहीं है। इससे अफसरशाही सकपका गई। जजों को पहले प्लॉट देने की होशियारी में पूरे 85 प्लॉट अधर में लटक गए हैं। इसमें जजों के बाद ऑल इंडिया सर्विस के आईएएस, आईपीएस और आईएफएस अफसरों को प्लॉट दिया जाना था। मगर अब न उगलते बन रहा और न निगलते।

बड़ा खेल, बड़ी चूक

रजिस्ट्रार जनरल के पत्र को अफसरशाही ने चतुराई दिखाते हुए दबा दिया कि ज्यादा बवेला मचा तो फिर आगे से अधिकारियों को सरकारी प्लॉट मिलना मुश्किल हो जाएगा। मगर इस पत्र को दबाने का नुकसान यह हुआ कि रायपुर एयरपोर्ट के पास विधायकों की बनने वाली कालोनी के लिए रायपुर जिला प्रशासन ने बस्तियों को हटाने की नोटिस जारी कर दी। जाहिर है, जिला प्रशासन को अगर हाई कोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल के पत्र की जानकारी होती तो शायद ऐसा नहीं होता। क्योंकि, सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस के आदेश के बाद तो किसी वर्ग विशेष को प्लॉट दिया ही नहीं जा सकता। भले ही वो जनप्रतिनिधि हो, जज या अफसर। यहां तक कि सेड़ीखेरी में राज्य प्रशासनिक सेवा को प्लॉट मिला है, उस पर भी अब खतरे मंडराने लगे हैं। फिर विधायकों की कॉलोनी कैसे बन सकती है? जाहिर है, जो चीज बननी ही नहीं, उसके लिए सरकार की किरकिरी हो गई कि माननीयों के लिए गरीबों की बस्ती उजाड़ी जा रही है।

डीजीपी के लिए आरटीआई

यूपीएससी ने डीजीपी के लिए दो नामों को पेनल राज्य सरकार को भेज दिया है। हालांकि, नाम चार आईपीएस अधिकारियों के गए थे। मगर आधे कट गए। इससे खफा होकर एक आईपीएस ने आरटीआई लगाकर यूपीएससी से जानकारी मांगी है कि किस आधार पर उनका नाम पेनल से काटा गया। बताते हैं, जिन दो आईपीएस अफसरों के खिलाफ केस थे, वे सभी क्लियर हो गए हैं। फिर, पेनल अगर तीन का भी होता तो कोई फर्क नहीं पड़ता। क्योंकि, नाम पर टिक तो मुख्यमंत्री को लगाना था। पुलिस महकमा हैरान है कि दो नाम आखिर कटे कैसे। डीपीसी में चीफ सिकरेट्री अमिताभ जैन गए थे। अमिताभ का ऐसा स्वभाव नहीं कि वे किसी का नाम कटवाएं। अब, यूपीएससी में किसी ने कंप्लेन किया होगा तो बात दीगर है।

मंत्रालय में रिफार्म?

सामान्य प्रशासन विभाग ने मंत्रालय में अटैचमेंट समाप्त करने के लिए विभागों से तीन दिन में रिपोर्ट मांगी है। जीएडी को यह बात खटक रहा है कि 200 से अधिक अधिकारी, कर्मचारी मंत्रालय में लंबे समय से बिना बताए मंत्रालय में अटैच हैं। स्थिति यह हो गई है कि वहां बैठने की अब जगह नहीं पुर पा रही। जीएडी की शिकायत कुछ हद तक ठीक है...मगर प्रश्न यह भी है कि सचिवों को बाहर से अधिकारियों, कर्मचारियों को मंत्रालय लाने की जरूरत क्यों पड़ी? इस बात से इंकार नहीं कि 50 परसेंट लोग जोर-जुगाड़ लगाकर मंत्रालय में घुस आए होंगे, मगर 50 परसेंट तो काम के होंगे। जीएडी को सचिवों से पूछना चाहिए कि क्या मजबूरी थी कि उन्हें बाहर से कर्मचारियों को बुलाना पड़ा। पता ये भी करना चाहिए कि मंत्रालय के स्टॉफ कार्यकुशलता में कितने माहिर हैं, कितने अनुशासित भी। पावरफुल आईएएस उनका कुछ कर सकते हैं क्या? सुनिल कुमार जैसे अब तक के सबसे तेज-तर्रार चीफ सिकरेट्री नौकरशाहों को तो कस दिए थे मगर उससे नीचे देखने की कभी कोशिश नहीं की। वो तो गनीमत है कि भोपाल वाले अब नहीं के बराबर है, वरना दसेक साल पहले मंत्रालय में नौकरशाहों से ज्यादा नीचे वालों की तूती बोलती थी।

आईएएस, डिप्टी कलेक्टर और भृत्य बराबर

समानता का यह अधिकार छत्तीसगढ़ के मंत्रालय में ही देखने को मिल सकता है। वहां आईएएस और डिप्टी कलेक्टर भी डिप्टी सिकरेट्री हैं तथा भृत्य कैडर वाले भी। दरअसल, मंत्रालय में हर पांच साल में प्रमोशन का प्रावधान है। सो, वहां प्यून में भर्ती होने वाले पांच साल में बाबू प्रमोट हो जाते हैं और फिर उसके बाद सेक्शन ऑफिसर, अंडर सिकरेट्री से होते हुए उप सचिव बन जाते हैं। वहीं, सीनियर डिप्टी कलेक्टर भी मंत्रालय में डिप्टी सिकरेट्री बनते हैं तो आठ साल की सर्विस वाले आईएएस भी। 2017 बैच के आईएएस इस समय मंत्रालय में डिप्टी सिकरेट्री हैं। मंत्रालय के इस प्रमोशन सिस्टम से बाकी कर्मचारियों को ईर्ष्या हो सकती है।

2 बड़े रिफार्म

इस हफ्ते छत्तीसगढ़ में दो बड़े रिफार्म किए गए। पहला, कम संख्या वाले 10 हजार से अधिक स्कूलों को दूसरे स्कूलों में मर्ज कर दिया गया और 13 हजार अतिशेष शिक्षकों को शिक्षक विहीन स्कूलों में पोस्ट किया गया। हालांकि, अतिशेष के नाम पर बीईओ और डीईओ ने तबाही मचाते हुए कई खोखा का खेला कर डाला। फिर भी सुधार की दिशा में इसे बड़ा कदम माना जा रहा है...राज्य बनने के बाद कभी भी इतने बड़े स्तर पर युक्तियुक्तकरण नहीं किया गया। और न ही शिक्षक विहीन स्कूलों की सुध ली गई। जाहिर है, 211 स्कूलों में एक भी बच्चे नहीं थे, फिर भी बरसों से शिक्षक और स्कूल चल रहे थे। दूसरा रिफार्म है...आवास और पर्यावरण विभाग की किफायती जन आवास योजना। लोवर मीडिल और मीडिल क्लास को इस योजना से कम कीमत में सुव्यवस्थित कॉलोनियों में मकान मुहैया हो सकेगा। दावा है कि इससे छोटे मकानों की कीमत 30 परसेंट तक कम हो जाएगी। वहीं, रियल इस्टेट में इंवेस्टमेंट बढ़ेगा।

मंत्रिमंडल विस्तार का जिन्न

सीएम विष्णुदेव साय की दिल्ली में पीएम नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात के साथ ही मंत्रिमंडल विस्तार का जिन्न एक बार फिर बाहर आ गया है। सोशल मीडिया में फिर अटकलों का दौर शुरू हो गया है। मगर इस बार विश्वास का संकट है। असल में, दो बार शपथ होते-होते मामला टांय-टांय फुस्स हो गया था। पहली बार दिसंबर 2024 में शपथ के लिए राज्यपाल का बस्तर दौरा निरस्त हो गया था। सो, इस बार मंत्रिमंडल विस्तार की खबर अगर सही भी होगी, तब भी राजभवन से जब तक अधिकृत जानकारी नहीं आएगी, कोई भरोसा नहीं करने वाला। यहां तक कि दावेदारों को भी यकीं नहीं होगा...बेचारे कई बार ठगे से रह गए।

माटीपुत्र की आखिरी लड़ाई

प्रदेश के सबसे सीनियर आईएफएस अधिकारी सुधीर अग्रवाल हक की आखिरी लड़ाई लड़ने सुप्रीम कोर्ट की देहरी पर पहुंच चुके हैं। हालांकि, हेड ऑफ फॉरेस्ट बनने के लिए उनके पास अब टाईम नहीं बचा है। दो-एक महीने में रिटायर हो जाएंगे, मगर उम्मीद पर दुनिया टिकी है तो फिर सुधीर पीछे क्यों रहते? असल में, दिसंबर 2023 में सरकार बदली तो सुधीर बेहद आशान्वित थे कि पिछली सरकार में बेहद पावरफुल रहे श्रीनिवास राव की जगह उन्हें कुर्सी मिल जाएगी। मगर ऐसा हुआ नहीं तो इसका ठीकरा सूटकेस और गांधीजी पर नहीं फोड़ना चाहिए। 80 हजार स्केल वाले सीएस, डीजीपी और पीसीसीएफ जैसे शीर्ष पदों के लिए हथेली में रेखाएं भी होनी चाहिए। हथेली में भाग्य रेखा प्रबल हो सारी व्यवस्थाएं अपने आप हो जाती हैं।

प्रमोटी आईएएस पावरफुल!

ऐसा नहीं कह सकते कि प्रमोटी आईएएस अधिकारियों की पिछली सरकार में ही चलती थी। इस सरकार में भी कुछ अफसरों का रुतबा कायम है। आरआई प्रमोशन घोटाले में सरकार ने ईओडब्लू जांच का ऐलान किया था। मीडिया में खबर आई कि ईओडब्लू ने 40 या 45 बिंदुओं पर जवाब मांगा है। मगर उसके बाद कुछ नहीं हुआ। ये भी पता नहीं चल पा रहा कि एफआईआर वगैरह दर्ज भी हुआ है या नहीं। दरअसल, जमीन-जायदाद वाले विभाग में पूरा जीवन समर्पित कर देने वाले अफसर ने उपर के न जाने के कितने प्रभावशाली अधिकारियों और मंत्रियों, नेताओं के लैंड मैनेजमेंट में हाथ बंटाया होगा। नई सरकार को इसकी जानकारी नहीं रही होगी, इसलिए केस ईओडब्लू को दे दिया। मगर सिस्टम के ऐसे उपयोगी लोगों के खिलाफ भला जांच कैसे हो सकती है?

अंत में दो सवाल आपसे

1. क्या ये सही है कि अच्छी पोस्टिंग के लिए काम के साथ 20 से 25 परसेंट लॉबिंग काम करती है?
2. मंत्रिमंडल की सर्जरी की खबर से कौन-कौन से मंत्री को रात में नींद की गोली लेनी पड़ रही है?

बेटे ने पिता को ईंट से मारकर कर दी हत्या

भिलाई। बेटा-बहू के विवाद में पिता की हत्या करने का मामला सामने आया है। शिकायत पर पुलिस ने बेटे को गिरफ्तार कर लिया है। मामले में पुलिस ने आरोपी बेटे के खिलाफ धारा 296, 351(2), 115(2), 103 बीएनएस के तहत जुर्म दर्ज किया है। एएसपी पद्मश्री तंवर ने बताया कि राहटादाह धमधा निवासी मुसाफिर दास मारकंडे ने शिकायत किया। 24 मई की रात बडे. पिता धरमपाल मारकंडे अपने घर में खाना खाकर आराम कर रहे थे। इस दौरान बेटा शंकरदास मारकंडे का पत्नी लीला मारकंडे के साथ विवाद चल रहा था। इस दौरान धमरपाल मारकंडे ने बेटा शंकर को विवाद करने पर मना किया। इसी बात को लेकर शंकर ने पिता धरमपाल को गाली गलौज कर घर पर पड़े ईंट उठाकर सिर पर हमला कर दिया। घटना में धरमपाल सिर व बायां आंख में गंभीर चोट आई। उपचार के लिए जिला अस्पताल दुर्ग भेजा गया। जहां उपचार के बाद 4 जून को धरमपाल ने दम तोड़ दिया। मामले में पुलिस ने शंकर दास मारकंडे को गिरफ्तार कर जेल दुर्ग में दाखिल किया।

हाईवा ने बाइक सवार युवक-युवती को रौंदा

महासमुंद। रेत से भरे ट्रक ने हाईवे पर बाईक सवार युवक-युवती को रौंद दिया। शनिवार देर शाम हुई इस घटना में युवक की मौके पर ही मौत हो गई वहीं, घायल अवस्था में अस्पताल में युवती ने भी दम तोड़ दिया। घटना एनएच 353 में ग्राम बेलसोंडा स्थित रेलवे क्रॉसिंग के पास हुई। मिली जानकारी के अनुसार बाइक एवं हाइवा क्रमांक सीजी 04 नज़ 7705 दोनों घोड़ारी से महासमुंद आ रही थी तभी बेलसोंडा रेलवे क्रॉसिंग के पास मोड़ पर बाइक हाइवा के अंदर जा घुसी और हाइवा में रेत लदा हुआ था। इस हादसे मे बाइक सवार दो लोगों में से एक की मौत हो गई और एक युवती को गंभीर रुप से घायल हालत में जिला अस्पताल में लाया गया, जहां उसकी भी मौत हो गई।

epaper : www.haribhoomi.com
हरिभूमि
Email : response.haribhoomi@gmail.com

CLASSIFIED

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 79871-19756
6263818152

Appointment आवश्यकता

अतिशीघ्र आवश्यकता है- औद्योगिक क्षेत्र हेतु सुरक्षा गार्ड वेतन 14000/- सुपरवाइजर 16000/- फील्ड ऑफिसर 15000/- (आवास फ्री PF +ESIC) **संपर्क:-** ALERT SGS PRIVATE LIMITED, **भर्ती कार्यालय, साकरा चौक, सिलतरा, रायपुर, छत्तीसगढ.** 7747000019, 7746000016, 7747000016, 7746000019. (RO-074)

आवश्यकता है- बंगलो एवं ऑफिस में कार्य हेतु अनुभवी सिक्योरिटी गार्ड की तत्काल आवश्यकता है। अनुभवः- 5 से 10वर्ष योग्यताः 10वी पास वेतनः 15000 से 20000 केवल अनुभवी उम्मीदवार ही **संपर्क करें:-** 9109972720. (RO-091)

शिक्षाकर्मी

आवश्यकता है- लेडी इंचार्ज, रिशेप्सनिष्ट, कम्प्यूटर टीचर एवं फिजीक्स, कैमिस्ट्री, बायोलॉजी, मैथ्स, इंगलिश, एकाउंट, कॉमर्स, इकोनॉमिक्स पढ़ाने हेतु शिक्षक/ शिक्षिकाओं, ड्राईवर की आवश्यकता हैं। साक्षात्कार 10.06.2025 प्रातः 9:30बजे, **रायपुर कॉन्वेंट हा.से. स्कूल, पानी टंकी के पास खमतराई,** 9826198065, 07712252855(RO6982)

Requirement- Gurunanak Daffodil school 1. English Teacher (Secondary Classes) 2. Pre-Primary Teacher 3. Primary Teacher 4. Computer Teacher B.ED Female candidate preffered walk in on 13/06/2025, Friday. Timing- 9:30am to 12:30pm. Add- Near Friends Cafe, Vaishali nagar, Bhilai. Contact- 8109128056, 9827906768 (आरो न.-764)

विवेकानन्द विद्यापीठ
कोटा, रायपुर (छ.ग.) 492010
Email:vvr1929@gmail.com
संस्था द्वारा संचालित आदर्श आवासी उ.मा. विद्यालय में कक्षा 11वीं एवं 12वीं में अध्यापन हेतु गणित, रसायन एवं वाणिज्य विषयों मे अंशकालीन व्याख्याताओं एवं कम्प्यूटर ऑपरेटर की आवश्यकता है। इच्छुक दिनांक 11.06.2025 तक संस्था के उपरोक्त पते मे अथवा ई-मेल पर आवेदन भेज सकते है।
प्राचार्य

आवश्यकता है- महारानी लक्ष्मीबाई विद्यापीठ उ.मा.वि. तीन दर्शन मंदिर केम्प- 1 भिलाई को सभी विभाग में विषय शिक्षकों की आवश्यकता है। बायोडाटा सहित **विद्यालय में संपर्क करें।** (आरो न.-763)

आवश्यकता है- हिंदी मीडियम के स्कूल हेतु आठवीं तक पढ़ाने विवाहित शाकाहारी संस्कारी टीचर (पार्ट टाइम /फुल टाइम)10 सुबह से 4 शाम चाहिए एक आयामदर 1 कुक महिला (सादा भोजन) महिला व 1 श्रमजीवी मजदूर की आवश्यकता है मानदेय/ निवास /अन्य सुविधाएं पात्रतानुसार **संपर्क - गोकर्ण हायर सेकेंडरी स्कूल धुसेरा- सेजबहार रायपुर संपर्क -9977604440 सुबह 8:00 से 10 तक** (RO-6884)

आवश्यकता है- जागृति उ. मा. विद्यालय, भाटागांव, रायपुर में रसायन अंग्रेजी, गणित, हिंदी साहित्य, भौतिकी विषय हेतु वह प्राथमिक विभाग शिक्षक /शिक्षिकाओं की आवश्यकता है। **समय प्रातः- 09 से 01 बजे। मो. नंबर -77459-09680, 7999097105. दिनांक - 02/06/2025, 04/06/2025, 06/06/2025,** (RO-973)

आवश्यकता है- सहायक शिक्षक ,व्याख्याता गणित, विज्ञान, कामर्स , जीव विज्ञान , **सम्पर्क-राष्ट्रीय विद्यालय बैकुण्ठ धाम , शारदा पारा कैम्प 2 भिलाई । मो.9584313384** (आरो न.-768)

हरिभूमि क्लासीफाईड
छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

मार्केटिंग

आवश्यकता है- रायपुर में मार्केटिंग कार्य करने के लिए युवतियों की आवश्यकता है वेतन- 10,000 से 20,000 महीना योग्यतानुसार **संपर्क करें- 8962274079 पता रायपुरा चौक रायपुर** (RO-6888)

घरेलूकार्य/ड्रायवर

आवश्यकता है- घर में खाना बनाने के लिए अनुभवी युवती एवं एक ड्राइवर की आवश्यकता है । रहने की सुविधा वेतन योग्यता अनुसार **संपर्क करें- 9425207767, 9340109282** (RO-6889)

बाई

आवश्यकता है- बच्चा संभालने हेतु 24 घंटे की बाई (लड़की) चाहिये। रहना एवं खाना दिया जाएगा। **स्थान तेलीबांधा, रायपुर सम्पर्क करे मोबाइल नंबरः- 9575042804.** (RO-103)

साफ-सफाई

आवश्यकता है- रायपुर आफिस में राख-रखाव एवं साफ सफाई कार्य के लिए पांचवी या आठवीं पास लड़का चाहिए कोई योग्यता की जरूरत नहीं इमानदार व परिश्रमी लड़का चाहिए **मो. 9399463415** (RO-973)

ट्रस्ट कार्य

आवश्यकता है- ट्रस्ट में काम करने के लिए ईमानदार एंव मेहनती युवक-युवतियों एंव दिव्यांग की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार दिया जाएगा। पुरे छत्तीसगढ राज्य के हर तहसील कस्बा। एंव जिला के लिए - **संपर्क- 9770131293.** (RO-6883)

ड्रायवर

आवश्यकता है- ऑफिस बंगलो एवं ऑफिस में कार्य हेतु अनुभवी ड्राइवर की आवश्यकता है। अनुभवः 5 से 10 वर्ष योग्यताः- लग्जरी कार चलाने का अनुभव वेतनः 15000 से 20000 केवल अनुभवी उम्मीदवार ही **संपर्क करें:- 9109972720.** (RO-092)

चिकित्साकर्मी

आवश्यकता है- हॉस्पिटल में कार्य करने हेतु प्रशिक्षित व अनुभवी नर्सिंग स्टाफ जिसमें जी.एन. एम. व बी.एस.सी. नर्सिंग फिजियोथेरेपी डॉक्टर एवं कंप्यूटर ऑपरेटर व वार्ड बॉय एवं स्वीपर की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार **संपर्क करें- श्री कृष्ण हॉस्पिटल मेन रोड न्यू राजेंद्र नगर रायपुर (छ.ग.) मों नंबर 9691631006, 9926115911, 9617952445.**(RO-6860)

लेबर

आवश्यकता है- राजनांदगांव के पास स्थित फार्म में ही रह कर काम करने के लिए परमानेंट लेबरों की। **संपर्क :- 7722916130** (आरो न.-767)

पैकेजिंग/ डिलवरी कार्य

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य , माल पैकेजिंग, डिलवरी कार्य हेतु 10वी, 12वी पास युवकों की आवश्यकता वेतन योग्यतानुसार **मिलेः डुको आर्ट शादीजा कंपाउंड LIG-64, बैंक ऑफ बड़ौदा के पास अवंति विहार रायपुर 99932-40022.** (RO-101)

आर्किटेक्ट

Requirment- DRAFTING/DIPLOMA/BE.CIVIL DRAWING DESIGN WORK AUTOCAD COMPULSORY SURVEYOR TS AND ACCOUNTANT EXPERIENCE/FRESHERS BOTH Time 9amto7pm INFRONT OF SINGAPORECITY MOHABAZAR RAIPUR C.G. vivekagr100@gmail.com WHATSUP 9131883997. (RO-8895)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

टेक्नीशियन

आवश्यकता है- CCTV कैमरा फिटिंग कार्य हेतु लड़को की आवश्यकता है, फ्रेशर 6000 वा अनुभावी को 8000 se 10000 तक वा पेट्रोल, इंश्योरेंस भी हमारा रहेगा, खुद का बाइक होना अनिवार्य है, **लक्ष्मी सिक्योरिटी सिस्टम भाटागांव रायपुर-mob 93292-94567-91652-22223** (RO-115)

आवश्यकता है- कंप्यूटर हार्डवेयर इंजीनियर ट्रबल शूटिंग, नेटवर्किंग के अनुभवी युवक व आफिस ब्वॉय एवं सीसीटीवी कैमरा इंस्टॉलेशन हेतु युवक की आवश्यकता है आकर्षक वेतन **मो. 92008-10000, 93291-25758.** (RO-095)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- अमलीडीह क्षेत्र में सेनेटरी हार्डवेयर दुकान/ गोदाम में काम करने के लिए 2 व्यक्ति, ई रिक्शा चलाने के लिए 1 ड्राइवर की आवश्यकता है मिलकर **संपर्क करें, वाहेगुरु ट्रेडर्स, मेडिशाइन हॉस्पिटल के पीछे न्यू राजेंद्र नगर मो. 91741-00009, 96301-04010** (RO-350)

आवश्यकता है- बर्जर पेंट दुकान में कार्य करने हेतु लड़कों की आवश्यकता है ,वेतन 10 से 12,000, अनुभवी एवं आसपास रहने वालों को प्राथमिकता। **अमृत सेल्स ,रेल्वे स्टेशन के सामने, रायपुर मोबाइल 9827174205** (RO-118)

आवश्यकता है- दवा कंपनी में कार्य हेतु दसवीं /बारहवीं पढ़े दुर्ग छत्तीसगढ़ी निवासी लड़को की आवश्यकता है। मिलने का समय शाम 5 से 7 बजे **डॉ.एच सी.अग्रवाल स्वरूप टॉकीज के सामने दुर्ग, मो.-94255-55659, 96177-89223** (आरो न.-7185)

हरिभूमि क्लासीफाईड
छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

चौकीदार

आवश्यकता है- मकान बन रहा है उसके लिये चौकीदार की आवश्यकता है। जो 24 घंटा वहाँ रह सके परिवार के साथ पेमेंट- 15,000 महीना **सम्पर्क करे - मोबाइल न. (1) 07898489888 (2) 08959913111 मिलने का समय :- दोपहर 1 बजे से 6 बजे तक ऐड्रेस जीवन विहार तेलीबांधा रायपुर** (RO-351)

अन्य

आवश्यकता है- सीधी भर्ती नौकरी बैंक, एयरपोर्ट पोस्टमैन जिलानुसार लड़के-लड़कियां 8वी- ग्रेजुएट (30500- 70500) फीस-600/- (रहना खाना+ मेडिकल फ्री) आवेदन करें:- **7434907396.** (RO-089)

Business व्यापार

व्यापार- जुड़िये ऐसे आकर्षक व्यवसाय से जो बिना रिस्क आपको घर बैठे दें सकता है 30000- 50000 प्रतिमाह आमदनी, जिसमे ऑटोमैटिक मशीन द्वारा डिस्पोजल दोना पत्तल, प्लेट्स बनायें, कच्चा माल देने तैयार माल लेने का अनुबंध पेशेवर प्रशिक्षण सहित **संपर्क:-** APS **इंटरप्राइजेस, रायपुर- 9111760925, 9977676447, बिलासपुर - 8359913999, 9589288936, रायगढ़, अंबिकापुर कोरबा- 9826020603.** (RO-080)

Property प्रापर्टी

प्लाट

बेचना है- स्टील प्रोफेसर कालोनी, नेहरूनगर पश्चिम भिलाई दुर्ग, सबसे पाश, शांत कालोनी में, डाइवर्टेड प्लॉट 1200, 2000, 2400 स्क्वायर फीट कॉल 7803060600 वीरेन्द्र पुरी गोस्वामी (आरो न.-765)

हरिभूमि क्लासीफाईड
छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

कृषि भूमि

बेचना है- कृषि भूमि अतिशीघ्र बेचना है ग्राम-रामपुर तहसील- दाढ़ी जिला- बेमेतरा (छ.ग.) में। **सम्पर्क करें- 8817731165** (RO-37884)

मकान

बेचना है- रायपुरा साईं मंदिर के पीछे 600 वर्गफुट में 2 बी.एच.के. डायवर्सन नक्शा पास, सेपरेट बोर्ड, फॉल सीलिंग, पोर्च नवनिर्मित मकान बेचना है **संपर्क करें:-** 9300505421, 9993451070. (RO-096)

For Rent किराया

किराये से देना है- हीरापुर, हर्षित लैंडमार्क के सामने, रिंग रोड नं- 2 पर 2400 वर्ग फीट में निर्मित ग्राउंड फ्लोर पर विभिन्न साइज की 05 दुकानें किराए से देना है। **संपर्क:** 9425205273. (RO-1648)

मकान किराये से देना है- आदर्श नगर prime location मेनरोड से नजदीक 3300 Sqft,4 BHK/6 BHK डुप्लेक्स डबल रोड मकान Family, Office, Commercial **उपयोग हेतु किराये से देना है। संपर्क-** 9039017682, 9131917808 (आरो न.-766)

RENT- URGENTLY NEED FURNISHED INDIVIDUAL ACCOMODATION IN RAIPUR FOR 12 TO 13 PERSONS FOR 6 MONTHS, MINIMUM 7 BEDROOMS IN ONE HOUSE OR TWO ADJACENT HOUSE/FLAT. CONTACT IMMEDIATELY P.L.VERMA 9981921111 HIRA POWER AND STEELS LTD RAIPUR. (RO-114)

वाहन

स्कूल वाहन उपलब्ध है - मारुति वैन और इको उपलब्ध है। स्कूली बच्चों को ले जाने ले आने हेतु , स्कूल- (होली क्रॉस बैरन बाजार), (पुलिस पब्लिक स्कूल) A. P. S ग्राउंड शैलेंद्र नगर राजकुमार कॉलेज **संपर्क करें-** 9893079294 उमेश साहू (RO-6886)

हरिभूमि क्लासीफाईड
छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

विज्ञापन बुकिंग टाइम
सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें
62638-18152

वैवाहिकी

वधु चाहिए

वधु चाहिए
33 वर्षीय प्राइवेट जॉब बंगाली ब्राह्मण लड़के के लिए बंगाली ब्राह्मण या कायस्थ परिवार की सुन्दर सुशील शिक्षित वधु चाहिए।
सम्पूर्ण बायोडाटा सहित सम्पर्क करें-
9399715688

वधु चाहिए
42 वर्षीय 5'-10" अविवाहित मांगलिक व्यवसायरत कलार वर हेतु सामान्य परिवार की सजातीय वधू चाहिए
-:सम्पर्क करें:-
9301260984

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पुर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

अक्षय की 'हाउसफुल-5' को मिली शानदार ओपनिंग ...

मुंबई। सिनेमाघरों में शानदार ओपनिंग मिली है और क्रिटिक्स ने भी फिल्म को सराहा है। तरुण मनसुखानी के निर्देशन में बनी इस फिल्म में अक्षय कुमार के अलावा नरगिस फाखरी, अभिषेक बच्चन, जैकलीन फर्नांडिस, रितेश देशमुख और सौंदर्या शर्मा ने अहम किरदार निभाए हैं। शुक्रवार को थिएटर्स में रिलीज हुई इस फिल्म का ओपनिंग डे पर वर्ल्डवाइड कलेक्शन 40 करोड़ रुपए रहा है। फिल्म की कमाई के आंकड़े सैकनिल्क ने अपनी एक रिपोर्ट में साझा किए हैं। भारतीय बॉक्स ऑफिस की बात करें तो फिल्म का नेट कलेक्शन 24 करोड़ रुपए रहा और इसकी ग्रॉस कमाई शुक्रवार को 28 करोड़ 75 लाख रुपए रही।

लाइफ Style

ईडन

श्रेयस के प्यार में हुईं दिवानी

एजेंसी ⏭ मुंबई

अभिनेत्रियों का नाम अक्सर क्रिकेटर्स संग जुड़ता रहता है। एक तरफ जहां आरजे महवश का नाम युजवेंद्र चहल के साथ चर्चा में हैं। तो वहीं, एक और एक्ट्रेस का दिल एक फेमस क्रिकेटर पर आ गया है। आइए जानते हैं वो एक्ट्रेस और क्रिकेटर? दरअसल, ये एक्ट्रेस कोई और नहीं, बल्कि बिग बॉस 18 की कंटेस्टेंट रह चुकी ईडन रोज हैं। ईडन ने हाल ही में अपने इंटरव्यू में बताया कि उनका दिल पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर पर आ गया है।

ईडन ने इंटरव्यू के दौरान बताया कि वो अय्यर के प्यार में दीवानी हैं। वो अय्यर को बेहद पसंद करती हैं। यही नहीं, उन्होंने तो यहां तक कह दिया कि वो दिमाग में अय्यर को अपना पति भी मान चुकी हैं। ईडन ने इंटरव्यू में ये भी बताया कि वो श्रेयस अय्यर की इस कदर दीवानी हैं कि उन्होंने खुद को क्रिकेटर के दो बच्चों की मां भी मान लिया है। बता दें कि ईडन सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वो अक्सर अपनी लेटेस्ट तस्वीरें और वीडियोज शेयर करती रहती हैं। फैंस भी ईडन की पोस्ट को काफी पसंद करते हैं। बिग बॉस 18 में भी ईडन को काफी पसंद किया गया था।

ईडन रोज ने इंटरव्यू में ये भी बताया कि वो श्रेयस अय्यर की इस कदर दीवानी हैं कि उन्होंने खुद को क्रिकेटर के दो बच्चों की मां भी मान लिया है। बता दें कि ईडन सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं।

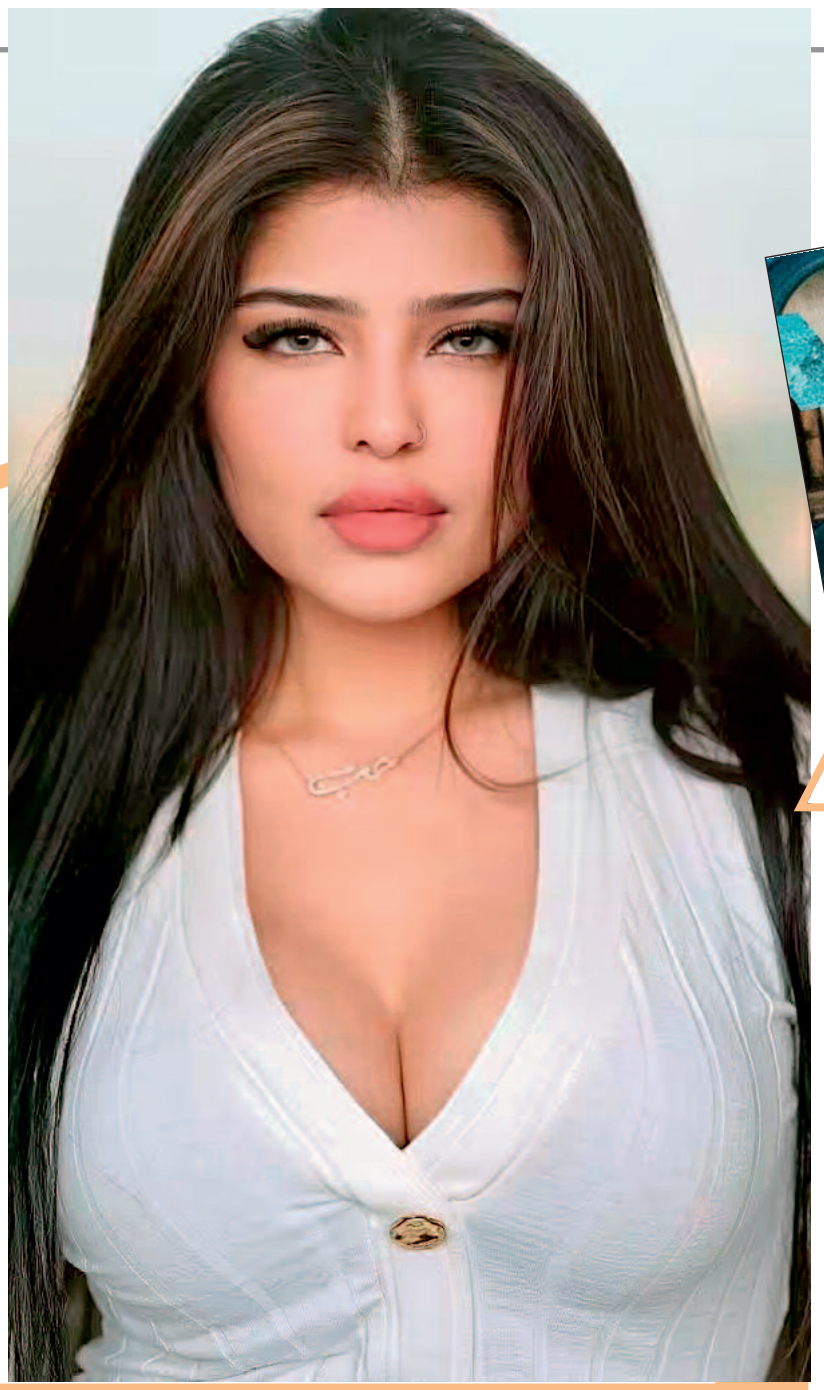

हॉलीवुड मसाला

25वीं फिल्म नवंबर में होगी रिलीज

लॉस एंजिल्स। जेम्स बॉन्ड सीरीज की अब तक 24 फिल्में रिलीज हो चुकी हैं। 25वीं फिल्म इस साल नवंबर में रिलीज होगी। इसका नाम है नो टाइम टू डाय। इस फिल्म के साथ ही डेनियल क्रेग पांचवी बार जेम्स बॉन्ड की भूमिका में दिखाई देंगे। डेनियल दुनिया के महंगे हीरोज में शुमार हैं। जेम्स बॉन्ड की अब तक की फिल्मों में डेनियल क्रेग के अलावा रोजर मूर, शॉन कॉनरी, प्रियस बॉसनन, टिमोथी डॉल्टन और जॉर्ड लेजेनबे ने एजेंट 007 की भूमिका निभाई है।

जीरो डार्क थर्टी : लादेन की मुश्किलों की कहानी...

लॉस एंजिल्स। जीरो डार्क थर्टी साल 2012 में रिलीज हुई थी। कैथरीन बिगेलो की फिल्म 'जीरो डार्क थर्टी' में ना सिर्फ ये दिखाया था कि उस रात क्या और कैसे हुआ बल्कि 9/11 के हमलों के बाद ओसामा बिन लादेन की 10 सालों की मुश्किलों की कहानी भी बताती है। ऑस्कर पुरस्कार के लिए नामांकित फिल्म 'जीरो डार्क थर्टी' को विवादों का सामना भी करना पड़ा था। 'जीरो डार्क थर्टी' में दो हेलीकॉप्टरों के ओसामा के घर में घुस कर किए गए हमले को बेहतरीन तरीके से पेश किया गया था। फिल्म आतंकवाद पर होने वाली लड़ाई को दर्शाती है।

नेटफ्लिक्स ने रिलीज किया 'राणा नायडू सीजन 2' का ट्रेलर

मुंबई। फिक्सर वापस आ गया है और इस बार मामला निजी है! नेटफ्लिक्स इंडिया की 2023 की ब्रेकआउट सीरीज़ राणा नायडू 13 जून को लौट रही है अपने दूसरे सीज़न के साथ, जो पहले से भी ज्यादा गंभीर, डार्क और उलझनों से भरा हुआ है। लेकिन जब फिक्सर की खुद की दुनिया बिखरने लगती है, तो सारे नियम बदल जाते हैं।

इस बार राणा सिर्फ अपने क्लाइंट्स के मसले नहीं सुलझा रहा। जब राणा का अपना परिवार दांव पर हो , जो लाइन क्रॉस किया... वो गया! सीजन 1 में दर्शकों को राणा नायडू की खतरनाक, ऐड्रेनालिन-से भरी और स्टाइलिश दुनिया में खींच लिया गया था- एक ऐसा फिक्सर जो अमीरों और बेपरवाह लोगों के लिए आख़िरी उम्मीद था। वह जुर्म मिटा सकता था, कहानियां बदल सकता था और सबसे काले रहस्यों को साफ नजरों से दफन कर सकता है! राणा के लिए कोई भी चीज़

बहुत उलझी हुई नहीं थी सिवाय उसके अपने पिता के। फिर हुयी थी नागा नायडू की एंट्री- राणा का बिछड़ा हुआ पिता, पछतावे, ग़ुस्से और अनसुलझे अतीत का टाइम बम। नायडू परिवार सिर्फ बेमेल और उलझा हुआ नहीं है; वो अस्थिर हैं, ज़ख़्मों से भरे हैं, और अपने अतीत के साए से आँख मिलाने के लिए बहुत घमंडी भी।

अमिताभ बच्चन का व्यवहार पहली बार मुझसे बहुत कठोर रहा : सानंद वर्मा

मुंबई। अभिताभ बच्चन बॉलीवुड में करीब 50 साल से काम कर रहे हैं। उन्होंने अपने इस करियर के दौरान कई एक्टर्स और टीम्स के साथ काम किया। अमिताभ बच्चन के साथ काम करने वालों में भाभी जी घर पर हैं एक्टर सानंद वर्मा का नाम भी शामिल है। हाल ही में सानंद वर्मा ने अमिताभ बच्चन ने अपनी मुलाकात को याद किया। सानंद वर्मा ने कहा कि अमिताभ बच्चन ने पहली बार मुलाकात में उन्हें बेटी की तरह ट्रीट किया, लेकिन दूसरी मुलाकात के दौरान अमिताभ उनके साथ बहुत कठोर थे।

सानंद ने सुनाया पहली मुलाकात का किस्सा

बातचीत के दौरान सानंद वर्मा ने कहा, 'मैंने बहुत सारे स्टार्स के साथ बात की है, लेकिन मैं उनके बारे में इतना सोचता नहीं था। लेकिन मैंने अमिताभ बच्चन का औरा तब महसूस किया जब मैं उनके साथ कौन बनेगा करोड़पति का प्रोमो शूट कर रहा था। पहली बार जब मैं उनसे मिला...वो ऐसे थे...मुझे लगा मैं अभिषेक बच्चन हूं। मुझे ऐसा लगा कि मैं उनका बेटा हूं। हमने तीन घंटे बात की थी।'

क्या बोले सानंद वर्मा : *सानंद ने आगे कहा, 'पहली मुलाकात में उन्होंने मुझ बहुत अटेंशन दी और दूसरी बात में उन्होंने मुझे पूरी तरह नजरअंदाज किया, ये नोटिस किया जा सकता था। मुझे नहीं लगता कि उनके जैसा कोई दूसरा एक्टर है हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में, लेकिन हां फिल्म इंडस्ट्री में कोई दोस्त नहीं है।'*

दूसरी मुलाकात में किया नजरअंदाज

सानंद वर्मा ने आगे कहा, "हालांकि, जब मैं उनसे दूसरी बार मिला एक एड शूट के लिए, वो बहुत रूड थे, उन्होंने ढंग से बात नहीं की। शूट के बाद मैं उनके पास गया और कहा कि मैं बहुत भाग्यशाली हूं कि मुझे आपके साथ दो बार काम करने का मौका मिला। लेकिन उन्होंने मेरी तरफ देखा तक नहीं, वो पेंटिंग को घूरते रहे और कहा भगवान करे आपको तिबारा मौका मिले।"

शूटिंग सेट पर पहुंची आमिर की मां

मुंबई। आमिर खान ने बताया कि उनकी मां ने कभी शूटिंग होते नहीं देखी थी। लेकिन जब 'सितारे जमीन पर' की शूटिंग चल रही थी तब उनकी मां जीनत हुसैन ने लोकेशन पर जाकर यह देखने की इच्छा जताई कि फिल्में कैसे बनती हैं। उस वक्त उनकी टीम 'हैप्पी वेडिंग सॉन्ग' शूट कर रही थी। आमिर खान ने बताया, 'प्रसन्ना मेरे पास आए और बोले- सर अगर आप बुरा ना मानें तो क्या आप अम्मी जी से सीन में आने के लिए विनती कर सकते हैं? यह फिल्म का आखिरी गाना है, यह एक वेडिंग सेलिब्रेशन सीक्वेंस है।' प्रसन्ना ने समझाया कि आमिर खान की मां बड़े आराम से इस सॉन्ग में किसी मेहमान के तौर पर नजर आ सकती हैं।

सामंथा ने हटवाया ये माया चेसावे टैटू

मुंबई। हाल ही में साउथ अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु ने नथिंग टू हाइड का एक वीडियो पोस्ट किया था। इस वीडियो ने सबका ध्यान तब खींचा, जब नेटिजंस ने देखा कि उन्होंने अपना वाईएमसी नाम का टैटू हटवा दिया है, जिसे उन्होंने अपने पूर्व पति और अभिनेता नागा चैतन्य की याद में बनवाया था। हालांकि, इस समय अभिनेत्री और डायरेक्टर राज निदिमोरु संग अफेयर्स की चर्चाएं भी चल रही हैं। उसी दौरान अभिनेत्री के इस फैसले ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो की शुरुआत में अभिनेत्री कैमरे के सामने खड़ी होकर नथिंग टू हाइड लिखती हैं और इसके बाद वह कैमरे की तरफ पीठ करके खड़ी होती हैं।

अनुपमा को गलत ढंग से छुएगा मालिक

मुंबई। अनुपमा जब एक घर में खाना पका रही होगी तब घर का मालिक उसके साथ बदतमीजी करेगा। वह उसे गलत ढंग से छूने की कोशिश करेगा और गलत व्यवहार करेगा। अनुपमा जब इस बात का विरोध करेगी तो घर की मालकिन दौड़ी हुई आएगी। लेकिन तब यह शख्स बड़ी चालाकी से अनुपमा पर उसके साथ छेड़छाड़ करने का आरोप लगा देगा। औरत भड़क जाएगी और वह अनुपमा का वीडियो बनाकर वायरल कर देने की धमकी देगी। वह अनुपमा को चरित्रहीन कहेगी और बोलेगी कि उसे कहीं पर काम नहीं मिलेगा।

बिना मेहनताना लिए भाग जाएगी अनुपमा : अनुपमा विरोध करेगी और वहां से भाग निकलेगी। वह पैसे मांगेगी तो इस घर का मालिक और मालकिन उसे पैसे देने से इनकार कर देंगे। अनुपमा बिना पैसे लिए ही वहां से भाग जाएगी और किसी तरह स्टेशन पहुंचेगी। वह ट्रेन में एक कोने में बैठी सुबुकती रहेगी और जब किसी तरह घर पहुंचेगी तो अपनी आपबीती रूम में साथ रहने वाली दोनों लड़कियों को बताएगी। ये लड़कियां अनुपमा को हिम्मत से लड़ने और गलत का विरोध करने के बारे में भाषण देंगी।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

इंजीनियरिंग कार्य हेतु ई-निविदा सूचना

क्र.संख्या (1) ई-निविदा संख्याः डीआरएम - इंजी.-बीएसपी-टी-59-25-26, दिनांकः 30.05.2025.
कार्यः बिलासपुर संभाग के वरिष्ठ मंडल अभियंता/उत्तर के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत बधवाबारा (बीडीडब्लूए) गुड्स शेड में बुनियादी ढांचे के विकास और करौंजी गुड्स शेड में गैल्वेनाइज्ड शीट, स्प्रिंकलर और अन्य संबंधित विविध कार्य का निष्पादन। **निविदा मूल्यः** ₹ 11,51,97,626/-. **अमानत राशिः** ₹ 7,26,000/-. **कार्य पूर्णता की अवधिः** 12 माह।

क्र.संख्या (2) ई-निविदा संख्याः डीआरएम - इंजी.-बीएसपी-टी-60-25-26, दिनांकः 30.05.2025.
कार्यः बिलासपुर संभाग के सहायक मंडल अभियंता/शहडोल के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत सेवा भवन का निर्माण/ सुधार, पैनल कक्षों और ईआई भवन में रिसाव को रोकना, मानवयुक्त कक्षों में शौचालय, स्टेशन/ सेवा भवन में मौजूदा जल निकासी और सीवरेज सुविधाओं के उन्नयन कार्य का निष्पादन। **निविदा मूल्यः** ₹ 2,19,93,647/-. **अमानत राशिः** ₹ 2,60,000/-. **कार्य पूर्णता की अवधिः** 12 माह।

क्र.संख्या (3) ई-निविदा संख्याः डीआरएम - इंजी.-बीएसपी-टी-61-25-26, दिनांकः 30.05.2025.
कार्यः बिलासपुर संभाग के वरिष्ठ मंडल अभियंता/उत्तर के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत छोटे पुलों के आरसीसी स्लैब और आरसीसी बॉक्स का प्रतिस्थापन/ पुनर्स्थापन के कार्य का निष्पादन। **निविदा मूल्यः** ₹ 13,12,50,489/-. **अमानत राशिः** ₹ 8,06,300/-. **कार्य पूर्णता की अवधिः** 18 माह।

क्र.संख्या (4) ई-निविदा संख्याः डीआरएम - इंजी.-बीएसपी-टी-62-25-26, दिनांकः 30.05.2025.
कार्यः (i) बिलासपुर संभाग के सहायक मंडल अभियंता/उमरिया के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत करकेली में 04 नग टाइप–II क्वार्टर, उमरिया में 01 नग टाइप–III क्वार्टर और 16 नग टाइप–II क्वार्टर का निर्माण तथा (ii) सहायक मंडल अभियंता/ शहडोल के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत अमलाई में 08 नग टाइप–II क्वार्टर और बुरहार में 08 नग टाइप–II क्वार्टर का निर्माण कार्य। **निविदा मूल्यः** ₹ 6,90,65,094/-. **अमानत राशिः** ₹ 4,95,300/-. **कार्य पूर्णता की अवधिः** 12 माह।

क्र.संख्या 1 से 4 के लिए समानः निविदा जमा करने की आरंभ तिथिः 11.06.2025 से। **निविदा जमा करने की अंतिम तिथिः 25.06.2025 के 11.00** बजे तक।

उपरोक्त ई–निविदा सूचना की पूरी जानकारी वेबसाइट **https://www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। उपरोक्त निविदाओं हेतु ई–टेन्डर के अलावा अन्य निविदा स्वीकार नही की जाएगी।

मंडल रेलवे प्रबंधक(अभियंता)/ सीपीआर/10/89 **द.पू.म.रे., बिलासपुर**

South East Central Railway @secrail

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

सुविधाएं : पी.एफ.टी. ब्रांकोस्कोपी स्लीप स्टडी
डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
स्पेशलिस्ट : खासी, श्वॉस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद
गरचा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड, रायपुर
मो. 7999450384, 7042974029
समय : दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)

अहलूवालिया हॉस्पिटल
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, प्रभात टॉकीज के पास, स्टेशन रोड रायपुर
0771-4050006, 81031 28515
डॉ. एस.के. अहलूवालिया M.B.B.S., DLO
डॉ. गौरव अहलूवालिया M.B.B.S., D.N.B.-ENT, M.N.A.M.S.
नाक,कान, गला विभाग
चक्कर की जाँच एलर्जी
Dental & Consmetic Treatments
• टेढ़े मेढ़े दांतो को सीधा करना
• दांतो की नसों का इलाज
• दांतों की सफाई व चमकाना
• दंत प्रत्यारोपण
• मुंह के कम खुलने का इलाज
(Hearing Aids) सुनाई मशीन

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर
ई.एन.टी. हॉस्पिटल (ISO 9001-2000 Certified)
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.)
फोनः 0771-4044551
समयः सुबह 9.30 से 4.30 तक

निवेद चेस्ट & आई केयर
उपलब्ध सुविधायें: एलर्जी, अस्थमा, निमोनिया, फिजीयॉथेरेपी, धुम्रपान नियंत्रण स्लिप स्टडी और आईसीयू केयर
आई केयर सुविधायें: मोतियाबिंद, काला मोतिया, डायबिटिक रेटिनॉपेथी और मेडिकल रेटिना
डॉ. देवी ज्योति दास M.D. DNB PULMONARY MEDICINE (DELHI) (Gold medalist)
डॉ. नमित नंदे MS Ophthalmology
24, Central Avenue, Ground Floor, Below SBI Personal Banking Branch, Choubey Colony, Raipur (C.G.), Mob.: 0711-4337888,7697752001

उपलब्ध विशेषताएं
• लेप्रोस्कॉपिक एवं जनरल सर्जरी
• जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स
• जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी
• ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल)
• गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल
(मल्टीस्पेशियलिटी सेन्टर)
जी.ई.रोड, आर.के.सी. कॉम्प्लेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोनः +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. राजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कॉपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हर्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलब्ध
OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Centre
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्प्लेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311
Email:bsinghania111@yahoo.co.in
रानी सती मंदिर के पास, केनाल सिविल रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479
0771-4020411
www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
* आयुष्मान कार्ड / राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव *
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन
डॉ. रितेश रंजन
(MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)

मनोरोग नशा उन्मूलन एवं यौन रोग विशेषज्ञ
प्रभा मनोचिकित्सा क्लिनिक
मो. 9977247553
नया पता : शॉप नं. 119, प्रथम तल, लालगंगा मिडास, फाफाडीह, रायपुर
समय : सुबह 11.00 से शाम 5.00 बजे तक
सिरदर्द, मिर्गी, मानसिक तनाव, घबराहट, असामान्य व्यवहार, डिप्रेशन, शीर्ष पतन, आदि, हर माह के प्रथम रविवार को कवर्धा में 12.00 से 4.00 एवं 8.30 से 10.30 बेमेतरा में

श्रीराम किंकर मेडीकल इंस्टीट्यूट
डॉ. नवनीत जैन एम.एस.- एडवांस लेप्रोस्कोपी एवं जनरल सर्जन (गोल्ड मेडलिस्ट)
डॉ. करूणा जैन एम.डी.- प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ
लिली चौक, रायपुर - 492001
फोन : 0771-2536521, मो. 9329103589

डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
डायबिटिक क्लीनिक
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304
17, गुरूकुल कॉम्प्लेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

विज्ञापन हेतु संपर्क करें :
7987119756, 9303508130

डॉ. मनोज अग्रवाला
एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)
स्किन क्लिनिक
लेजर • मुहांसें • सोरासिस • स्किन एलर्जी • पिगमेंटेशन • विटिलियो / ल्यूकोडरमा • पीआरपी थेरेपी • एलोपेसिया • आर्टीकेरिया • कंगल इंफेक्शन • टैली कंसल्टेशन • लेजर थेरेपी
चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) 0771-4003777, 77778-76292

भारत सरकार

विकसित भारत का अमृत काल
सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण के
11 साल

CBC 46101/13/0012/2526

दशकों का इंतजार हुआ खत्म, सपनों को मिली उड़ान

सैनिक स्कूल और नेशनल डिफेंस एकेडमी के
दरवाजे बेटियों के लिए खुले
पहली बार आर्म्ड फोर्सेज में स्थायी कमीशन मिला

जैकेट के शेष

रीपा पर रार...441 ....

कि इस प्रोजेक्ट में जमकर धांधली की गई है। पूर्ववर्ती सरकार ने रीपा का प्रोजेक्ट किसानों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से खेती-किसानी के साथ ही गांव में उद्यम लगाने के लिए वित्तीय एवं तकनीकी सहायता देने के उद्देश्य से रीपा योजना शुरू की गई थी। इसकी लागत दो करोड़ रुपये रखी गई थी। इसमें 1.20 करोड़ रुपये में अधोसंरचना, पांच लाख रुपये तकनीकी कार्य, 40 लाख रुपये में मशीनरी, वर्किंग कैपिटल, 35 लाख ब्रांडिंग मार्केटिंग, पम्पलेट, होर्डिंग्स, क्रेता-विक्रेता सम्मेलन, कानूनी सलाह में खर्च करने का प्रावधान था। नियमों के अनुसार, तीन एकड़ की जमीन की अर्हता बताई थी, जिसमें एक एकड़ में अधोसंरचना व शेष में पार्किंग व गोदाम स्थापित किया जाना था।

खरीदी का नहीं कराया गया भौतिक सत्यापन : तीन सौ रीपा बनाया गया है उसमें करोड़ों की गड़बड़ी हुई है, उसका पूरी तरह से भौतिक सत्यापन भी नहीं किया गया है। मामले में साय सरकार आने के बाद कई जगहों से शिकायत आने के बाद पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने पूरी प्रोजेक्ट को रोक दिया है। बताया गया है कि जिलों में गोठानों को महात्मा गांधी ग्रामीण औद्योगिक पार्क के रूप में विकसित करना था। बिलासपुर जिले में 65 ग्रामीण क्षेत्र के गोठानों का चयन किया गया है। इसमें 33 में ही काम शुरू हो पाया है।

2 करोड़ के काम के लिए बनाई 80 लाख की प्रोजेक्ट रिपोर्ट : रीपा के निर्माण में जशपुर में दो करोड़ के काम के लिए 80 लाख रुपए में प्रोजेक्ट रिपोर्ट बनाई गई। कोरिया में 50 लाख रुपए खर्च किए गए। दंतेवाड़ा में एक रीपा के लिए 90 लाख रुपए की खरीदी की गई। रीपा के लिए डीएमएफ, एसबीएम जैसे मदों से भी पैसा दिया गया था। कई जगहों पर रीपा के नाम पर जो खरीदी की गई मौके पर नहीं है।

बिना बजट की ....

तैयार किया गया था। यह योजना पूरी तरह से जिला कलेक्टरों पर छोड़ दिया गया था। इन कारणों से पूरी योजना असफल रही। प्रोजेक्ट में गतिविधियों के अभाव के कारण इस पर कोई काम नहीं हो सका।

बंद करने का निर्णय ....

माध्यम था। साय सरकार ने इसे बंद कर दिया है। बंद करने का निर्णय निंदनीय है। को जोड़कर सखक्त बनाना था, लेकिन शासन का उद्देश्य चकनाचूर होकर रह गया है। जिले में अंजोरा, चंदखुरी, सांकरा को छोड़ शेष सभी रीपा उद्योगों में काम हुआ या नहीं, इसकी जानकारी भी कोई ठीक से नहीं दे पाया। हरिभूमि के पडताल में अंजोरा में पानी बोतल बनाने और सांकरा में गुलाल और चंदखरी में पनी व दूध बनाने का किया जा रहा है, लेकिन इसमें भी आधा दर्जन कर्मचारी की कार्यरत है। अंजोरा यूनिट में मिनिरल वाटर बनाने की प्लानिंग थी, लेकिन वहां सिर्फ पानी बोतल ही बनाकर सप्लाई किए जा रहे हैं।

कबाड़ में तब्दील हो रहा ....

बडा खुलासाः निजी हाथों में चुपके से सौंपे काम : हरिभूमि के पड़ताल में यह बात सामने आई है कि जिला प्रशासन द्वारा इन यूनिटों के संचालन में महिला समूहों की मदद नहीं किए जाने के कारण वे काम छोड़ गए। ऐसे में जिला प्रशासन द्वारा अंजोरा, चंदखुरी सहित कई यूनिट को निजी हाथों में सौंप दिया गया है।

जिले में इस तरह की प्लानिंग थी : अंजोरा में मिनिरल वाटर प्लांट, कातरो में स्टेशनरी व प्लेक्स प्रिंटिंग यूनिट, ढाबा में गवर्नमेंट मैन्यूफैचरिंग यूनिट, चंदखुरी मिल्क प्रोसेस, मोहंदी में एलईडी एवं सोलर लाइट असेमबलिंग यूनिट, हसदा में टामाटो प्रोसेसिंग पैकिंग यूनिट, पुर्दा में बनाना कलस्टर, दानी कोकडी गांव में सीमेंट पोल, टाइल्स फेब्रिकेशन चैनलिंक फैसिंग, सांकरा में गुलाल एक्सटेनसन, फुंडा में एनीमल फीड कोल्ड प्रेस आईल यूनिट, कुर्मीगुंड्रा में हेल्थी स्नैक्स मैन्यूफैक्चरिंग यूनिट व अशोगा गांव में एचडीईपी बैग बारदाना प्रोसेसिंग आदि लगनी थी, लेकिन यहां सिर्फ स्ट्रक्चर में राशि फूंके गए हैं।

बंद है दानी कोकड़ी में यूनिट : धमधा ब्लॉक के अंतर्गत ग्राम पंचायत दानी कोकड़ी सहित अन्य जगहों में कांग्रेस के जमाने में लोगों को आत्मनिर्भर और रोजगार में सहायक बनने वाली महात्मा गांधी रोलर इंडस्ट्रियल पार्क के नाम से योजना बनाकर इन्हीं चिन्ह अंकित जगह पर इंडस्ट्रियल पार्क का निर्माण किया गया था। जिसके चलते महिला स्व सहायता समूह की महिलाओं को कई परिवारों को रोजगार मिल रहा था, लोग वहां गोबर से पेट फुटपाथ पर लगाने वाले चेकर किसानों के खेतों पर लगने वाले फेंसिंग पोल बेकरी आइटम तथा कन कई अन्य प्रकार के उत्पाद बनाकर स्वावलंबी बन रहे थे और अपने रोजगार का रास्ता बनाया था। योजना को बंद करने के बाद कई एकड़ में फैले इस पार्क की बिल्डिंग जर्जर स्थिति में आते जा रही है, सामाजिक तत्वों का अड्डा बन चुका है।

गरियाबंद-देवभोग और फिंगेश्वर में रीपा सेंटर बंद : गरियाबंद जिले के फिंगेश्वर, छुरा, गरियाबंद, मैनपुर और देवभोग ब्लॉक की चिन्हित ग्राम पंचायतों में दो-दो रीपा सेंटर स्थापित किए गए थे। यानी जिले में कुल 10 रूरल इंडस्ट्रियल पार्क शुरू किए गए थे। उद्देश्य था कि ग्रामीण युवाओं को गांव में ही रोजगार मिले और बाजार से जुड़ाव भी हो सके। शुरूआत में यह योजना ग्रामीण आजीविका का बड़ा जरिया बनी, लेकिन अब अधिकांश यूनिट या तो पूरी तरह बंद हैं या सीमित संचालन में हैं। देवभोग में दोनों रीपा सेंटर बंद हैं। यहां संचालन की जिम्मेदारी वन विभाग को दी गई थी, लेकिन कार्य ठप है। फिंगेश्वर (श्यामनगर) में बिहान योजना से जुड़ी महिलाएं सिलाई कार्य में लगीं, लेकिन अन्य यूनिट बंद। भेंडरी, लोहरसी में फर्नीचर निर्माण ठप पड़ा है। गरियाबंद (चौखली) मिल्क प्रोसेसिंग यूनिट बंद हो चुकी है, यहां टेंडर प्रक्रिया लंबित। फुलकर्रा में पेवर ब्लॉक, प्लाई ब्रिक्स यूनिट फंड की कमी के कारण बंद। वहीं अमलीपदर में मसाला निर्माण का काम चालू है, लेकिन बाकी यूनिट बंद है। योजना के तहत खरीदे गए करोड़ों रुपए के संसाधन अब कबाड़ में तब्दील हो रहे हैं और कई सेंटरों के भवन अधूरे या बेकार पड़े हैं।

नहीं मिल रोजगार : रीपा योजना से ग्रामीणों को रोजगार मिलने की उम्मीद थी, लेकिन वर्तमान में महिला समूहों को काम न देकर निजी ठेकेदारों को बगैर प्रक्रिया को यूनिट सौंप दिया गया है। जिसमें हमने पहले भी विरोध किया था।
टिकेश्वरी देशमुख, पूर्व जनपद सभापति, दुर्ग

बंद कर दिया गया : जन-जन के लिए कल्याणकारी योजनाओं में से एक बहुत बड़ी योजना हमारे सरकार की रही है। जिससे युवाओं को रोजगार मिल रहा था, उसे आज की सरकार ने बंद कर दिया है।
शिवकुमार वर्मा, अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस कमेटी धमधा

क्या है बोधघाट ....

के ग्राम बारसूर से लगभग 8 कि.मी. एवं जगदलपुर शहर से लगभग 100 कि. मी. दूरी पर प्रस्तावित है।

राहुल के बयान ....

राहुल गांधी के इस आरोप के बाद सियासत गरमा गई है। भाजपा ने कहा कि कांग्रेस अपनी करनी व कथनी से चुनाव हारती जा रही है। अपनी नाकामियों को छुपाने राहुल चुनाव आयोग जैसी संस्थाओं की कर्तव्यनिष्ठा पर उंगली उठा रहे हैं। चुनाव आयोग ने 24 दिसंबर 2024 को ही कांग्रेस को भेजे अपने जवाब में ये सभी तथ्य सामने रखे थे, जो चुनाव आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। ऐसा प्रतीत होता है कि बार-बार ऐसे मुद्दे उठाते समय इन सभी तथ्यों को पूरी तरह से नजरअंदाज किया जा रहा है। चुनाव आयोग ने राहुल गांधी के आरोप पर जवाब देते हुए कहा कि महाराष्ट्र की मतदाता सूची के खिलाफ लगाए गए निराधार आरोप कानून के शासन का अपमान हैं।

राहुल के अनुसार ऐसे हुई चुनाव में गड़बड़ी

स्टेप 1: चुनाव आयोग की नियुक्ति करने वाले पैनल में गड़बड़ी करना। स्टेप 2: मतदाता सूची में फर्जी नाम जोड़ना। स्टेप 3: मतदान प्रतिशत को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाना। स्टेप 4: जहां-जहां बीजेपी को जीत की जरूरत थी, वहीं फर्जी मतदान कराना। स्टेप 5: सबूतों को छिपाना। राहुल ने आगे कहा, यह समझना मुश्किल नहीं है कि महाराष्ट्र में बीजेपी इतनी बेताब क्यों थी, लेकिन धांधली करना मैच-फिक्सिंग जैसा है जो टीम धोखा देती है वो भले खेल जीत जाए, मगर इससे संस्थाओं को नुकसान पहुंचता है और जनता का नतीजों से भरोसा उठ जाता है।

फुटबॉल मैच की ....

राउत फाइनेंस कंपनी में काम करते थे। शुक्रवार शाम 7 बजे के करीब वो मैदान में ही अपनी टीम का मैच देख रहे थे। उनकी टीम ने काफी बेहतर प्रदर्शन किया और मैच को अपने नाम कर लिया। इससे सुरेश राउत खुशी से झूम उठे। वो जोश में कुर्सी से उठे और अचानक ही उन्हें सीने में दर्द हुआ तो फिर से कुर्सी में बैठ गए। फिर दोबारा उठ नहीं पाए लोगों ने तुरंत उपचार के लिए अस्पताल लेकर गए। लेकिन डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। संदेह जताया जा रहा है कि मौत हार्ट अटैक से हुई है लेकिन जांच व पीएम रिपोर्ट मिलने के बाद मौत का असली कारण स्पष्ट हो पाएगा। शनिवार को पीएम के बाद परिजनों को शव सौंपा गया। सुरेश विवाहित था अपने पीछे भरापूरा परिवार छोड़ गए।

बच्चों को प्रेरित ....

काफी खुश हुए और झूम उठे। कुर्सी में बैठे सुरेश उठ ही रहे थे कि उनकी तबीयत अचानक बिगड़ी और कुर्सी से दोबारा नहीं उठ पाए। सुरेश राउत काफी अच्छे और बच्चों को प्रेरित करने वाले कोच थे। उनकी मौत के बाद से स्थानीय खेल प्रेमियों में शोक व्याप्त है।

रेनकोट-सफेद शर्ट में ....

के बाद उसी स्कूटी पर घूमने निकलते दिखाई दे रहे हैं। फुटेज में सोनम एक रेनकोट और सफेद शर्ट पहने नजर आ रही है, जो राजा के शव के पास मिली शर्ट से मिलती-जुलती है। यह वही रेनकोट, शर्ट व स्कूटी है, जो बाद में राजा के शव के पास लावारिस हालत में बरामद हुए। यह नया सीसीटीवी फुटेज पुलिस जांच के लिए अहम साबित हो सकता है, क्योंकि यह राजा और सोनम की आखिरी गतिविधियों को दर्शाता है। मेघालय पुलिस, एनडीआरएफ और विशेष जांच दल सोनम की तलाश में जुटे हैं, लेकिन परिवार और रघुवंशी समाज ने इस मामले की जांच सीबीआई को सौंपने की मांग की है।

पेज एक के शेष

पहाड़ से बुझाती है ....

साल के 12 महीने में केवल गर्मी के समय बहती पानी की धारा थोड़ी सी पतली हो जाती है। समुद्र तल से करीब 4 हजार 500 फीट की ऊंचाई में किरंदुल बसा है। इस स्थल की खूबसूरती को देखते हुए लोगों ने रामाबुटी को पर्यटन स्थल का दर्जा देने की मांग शासन प्रशासन से की है। ऊपर पहाड़ में भगवान शंकर, गणेश जी और बजरंगबली की प्रतिमा स्थापित की गई है, जहां रोजाना लोग पहुंचते हैं। विशेष रूप से महाशिवरात्रि और रामनवमी पर यहां पूजा अर्चना के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचते हैं।

65 साल पहले पहाड़ में रहती थी आयतीबाई पुजारी : रामाबुटी में 1960 में एक महिला को प्रथम पुजारी के रूप में दर्शाया गया है, जिसका नाम आयतीबाई वड्डे है। लगभग 60 साल पहले रामाबुटी एक वीरान निर्जन स्थल रहा होगा। आज वहां पहाड़ में चढ़ने के लिए पक्की सीढ़ियां बन गई है, लेकिन उस समय कोई साधन नहीं रहा होगा। लेकिन महिला का पुजारी के रूप में वहां होना आश्चर्यचकित करता है।

बिजली का उपयोग ....

लोगों के घरों तक पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि विशेष बात यह है कि राज्य का पहला नगरीय निकाय है, जहां बिजली का उपयोग पानी सप्लाई में नहीं होता है। यहां खर्च भी मामूली होती है जो केवल टंकी में पानी को साफ करने के लिए जो केमिकल उपयोग होता है उसी में राशि खर्च होती है।

महिला को लेकर नशे...

इरादतन हत्या का मामला दर्ज कर ड्राइवर व्यापारी को गिरफ्तार कर कार जब्त कर लिया है। तोरवा टीआई अभय सिंह बैस ने बताया, 7 जून को शाम 4 बजे लालखदान संतनगर निवासी सनत टण्डन पिता बंशीलाल टण्डन 40 साल, सुरेश बर्मन, विकास वर्मा व एक अन्य युवक घर के पास मुख्य मार्ग में सड़क किनारे पैदल घूम रहे थे। इसी दौरान तेलीपारा निवासी शंकर हार्डवेयर दुकान का संचालक प्रणय जुनेजा नशे में स्विफ्ट क्रमांक सीजी 10 एएल, 3207 में मस्तूरी की ओर जा रहे थे। लालखदान के पास उन्होंने नशे में तेज रफ्तार से खतरनाक तरीके से गाड़ी चलाते हुए सड़क किनारे में घूम रहे चारों युवकों को जबरदस्त टक्कर मार दी। हादसे में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए और एक अन्य युवक बाल बाल बच गया, उसे सामान्य चोट आई है। हादसे के बाद लोगों की भीड़ एकत्रित होकर कार सवार व्यापारी को पकड़ लिया। सूचना पर तोरवा पुलिस मौके पर पहुंच गई। तत्काल गंभीर रूप से घायल तीनों युवकों को नजदीक के एक निजी हास्पिटल में ले जाया गया। जहां डाक्टर ने परिक्षण के बाद सनत टण्डन को मृत घोषित कर दिया। वहीं सुरेश बर्मन, विकास वर्मा का इलाज चल रहा है, उनकी भी स्थिति गंभीर बताई जा रही है। पुलिस ने व्यापारी का मुलाहिजा कराया तो डाक्टर ने शराब पीने की पुष्टि की है। पुलिस ने बीएनएस गैर इरादतन हत्या की धारा 105 के तहत व्यापारी को गिरफ्तार कर कार जब्त कर लिया है।

तीन दिन पहले उसलापुर ब्रिज में हुआ था हादसा : 4 जून की रात आदित्य साहू देवरीखुर्द, प्रशांत श्रीवास तिफरा, रोनित ज्वाला तोरवा निवासी स्कार्पियों क्रमांक सीजी 10 बीएन, 2706 में कोटा से पार्टी मनाकर लौट रहे थे। रात 12.30 बजे उसलापुर ब्रिज उनकी तेज रफ्तार स्कार्पियो अनियंत्रित होकर फुटपाथ से टकराकर क्षतिग्रस्त हो गई थी। तीनों नशे में होने प्रतीत हो रहे थे। टीआई प्रदीप आर्या ने बताया, चालक आदित्य साहू के खिलाफ बीएनएस की धारा के तहत जुर्म दर्ज कर लिया गया है। युवक रेलवे हास्पिटल में भर्ती है। बेडहेड टिकट मिलने पर शराब पीने व नहीं पीने की पुष्टि हो पाएगी। सूचना देने के बाद भी निगम सेतु विभाग रेलिंग क्षतिग्रस्त होने की रिपोर्ट लिखाने नहीं आ रहा है।

आटो से भाग...

रही थी। लोग घायलों को अस्पताल ले जाने में व्यस्त हुए तो महिला आटो में बैठकर भाग गई।

कार में मिली...

व्यापारी व महिला को कुछ नहीं किया और व्यापारी को पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने कार की तलाशी ली तो 3 नग बीयर की बोतल मिली।

प्रथम पेज के शेष

मोर्चे पर डटी हुई हैं तीनों सेनाएं...

खिलाफ युद्ध की कार्रवाई मानते हुए करारा जवाब दिया जाएगा। पहलगाम हमले में कुल 26 निर्दोष लोगों की उनका धर्म पूछकर बेहद निर्मम तरीके से आतंकवादियों ने हत्या कर दी थी। जिनमें से 25 भारतीय और 1 नेपाल का नागरिक था। ये सभी पर्यटक थे और पहलगाम घूमने के लिए गए थे। इस हमले की जिम्मेदारी पाक समर्थित ल०कर-ए-तैयबा के छद्म आतंकी संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने ली थी। पाकिस्तान ने हमेशा की तरह इस हमले में उसकी कोई भागीदारी होने से इंकार किया। लेकिन भारत द्वारा घरेलू से लेकर वैश्विक स्तर पर रखे गए पुख्ता सबूतों के जरिए दूध का दूध और पानी का पानी हो गया है। आतंकवाद के मामले पर पाकिस्तान बेनकाब हो गया है।

अभी समाप्त नहीं हुआ ऑपरेशन सिंदूर : भारत ने 7 मई की कार्रवाई के बाद कई मौकों पर ये साफ कर दिया है कि अभी ऑपरेशन सिंदूर पूरी तरह से समाप्त नहीं हुआ है। इसे फिलहाल अस्थायी रूप से स्थगित किया गया है। पहलगाम हमले के बाद प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में हुई उच्चस्तरीय बैठकों में यह स्पष्ट कर दिया गया था कि पाकिस्तान की तरफ से भारत के खिलाफ भविष्य में किए जाने वाले ऐसे किसी भी हमले को युद्ध की कार्रवाई के तौर पर देखा जाएगा। उसके खिलाफ भारत का जवाब भी उसी अंदाज में दिया जाएगा। प्रधानमंत्री ने कहा है कि भविष्य में पाकिस्तान से कोई भी बातचीत केवल आतंकवाद और उसके द्वारा अवैध ढंग से कब्जाए हुए पीओके को खाली कराने के मुद्दे पर ही होगी। आतंकवाद और बातचीत साथ-साथ नहीं चल सकते हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी पाकिस्तान को दी गई अपनी हालिया चेतावनी में कह चुके हैं कि ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय नौसेना केवल मोर्चे पर तैनात थी। भविष्य में पाक ने कोई गलती की तो अब सैन्य अभियान की शुरुआत नौसेना ही करेगी। उस समय पाकिस्तान के दो नहीं चार टुकड़े हो जाएंगे।

आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ है अमेरिका

एजेंसी ▶▶ वाशिंगटन

भारत-पाकिस्तान के बीच ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हुए संघर्ष के बाद पहली बार अमेरिका का बड़ा बयान सामने आया है। अमेरिका के उप विदेश मंत्री क्रिस्टोफर लैंडाउ ने कांग्रेस सांसद शशि थरूर के नेतृत्व वाले सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल से कहा कि अमेरिका आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ मजबूती से खड़ा है। बता दें कि यह प्रतिनिधिमंडल पहलगाम आतंकवादी हमले और ऑपरेशन सिंदूर पर भारत के रुख से अवगत कराने के लिए अमेरिका में है। भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को यहां लैंडाउ से मुलाकात की थी। भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, 'डॉ. शशि थरूर के नेतृत्व में सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल की अमेरिकी उप विदेश मंत्री लैंडाउ के साथ अच्छी और स्पष्ट बातचीत हुई। भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने उन्हें पहलगाम आतंकवादी हमले की क्रूरता और 'ऑपरेशन सिंदूर' के बारे में जानकारी दी।' लैंडाउ ने 'एक्स' पर एक 'पोस्ट' के जरिए कहा कि भारतीय संसदीय प्रतिनिधियों के साथ यह बैठक 'शानदार' थी।

उन्होंने कहा, 'मैंने फिर से पुष्टि की कि अमेरिका आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ मजबूती से खड़ा है। हमने दोनों देशों में विकास और समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए व्यापार और वाणिज्यिक संबंधों का विस्तार करने समेत अमेरिका-भारत रणनीतिक संबंधों पर चर्चा की।

'जिस करप्शन की जानकारी मैंने पीएम को दी, उसी में मुझे फंसाया जा रहा'

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के किरू हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट से जुड़े भ्रष्टाचार मामले में चार्जशीट दाखिल होने के 15 दिन बाद जम्मू-कश्मीर के पूर्व गवर्नर सत्यपाल मलिक ने चुप्पी तोड़ी। मलिक 11 मई से दिल्ली के राम मनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती हैं। उन्होंने शनिवार को एक्स पर पोस्ट के जरिए भ्रष्टाचार के आरोपों का खंडन किया।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
इलेक्ट्रिकल हिस्सा कार्य हेतु निविदा सूचना

निविदा सूचना क्र. : **Sr. DEE (RS&G) BSP/OTP/25-26-05**, दिनांक 05.06.2025. **कार्य का नाम** : कार्य का इलेक्ट्रिकल हिस्सा : "कोरबा में मालगाड़ी परीक्षा यार्ड और संबंधित रिक लाइन कार्य का उन्नयन।"
निविदा मूल्यः ₹ **96,53,709.32/-**। अमानत राशिः ₹ **1,93,100/-**। निविदा बंद होने की तिथि व समय : दिनांक **04/07/2025, 15:00** बजे।
विस्तृत जानकारी/ निविदा दस्तावेज का विक्रय, पात्रता का मापदंड तथा अन्य विस्तृत विवरण निविदा दस्तावेज जो हमारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है उससे डाउनलोड कर/ देख सकते हैं।
वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (RS&G) सीपीआर/10/93 द.पू.म. रेलवे, बिलासपुर
South East Central Railway @secrail

न्यायालय तहसीलदार तहसील धरसींवा जिला रायपुर (छत्तीसगढ़)

रा.मा.क्र./20250611700003/ब/121 वर्ष 2024-25 ग्राम धरसींवा प.ह.नं. 18 रा.नि.मं. रायपुर - 15 धरसींवा — **ईश्तहार** — धरसींवा, दिनांक 03/06/2025 तहसील धरसींवा जिला रायपुर (छ.ग.)

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक कार्यालय / उमनि / वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जिला रायपुर छ.ग. का पत्र क्रमांक / उमनि / वपुअ / राय / एसी-1 / एम 5337 / 2025 दिनांक 06.05.2025 के द्वारा थाना धरसींवा परिसर शासकीय भूमि पर खसरा नंबर 362 रकबा 0.474 हे. एवं खसरा नंबर 360/1 रकबा 2.836 हे. भूमि पर स्थित है, जहां पर वर्तमान में थाना भवन एवं आवासीय भवन स्थित है। किन्तु वर्तमान तक विधिवत रूप थाना धरसींवा के नाम पर उक्त भूमि का आबंटन हेतु आवेदन कलेक्टर महोदय रायपुर के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, जो जाँच प्रतिवेदन हेतु अनुविभागीय अधिकारी (रा.) महोदय रायपुर से प्राप्त हुआ है।
अतः आवेदित संस्था द्वारा प्रस्तुत भूमि आबंटन बाबत आवेदन के संबंध में जिस किसी व्यक्ति/ संस्था को दावा / आपत्ति प्रस्तुत करना हो वे नियत सुनवाई दिनांक 18/06/2025 तक स्वतः अथवा वैध प्रतिनिधि के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर दावा / आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत समयावधि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर न्यायालय द्वारा विचार नहीं किया जावेगा।
आज दिनांक 03/06/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया। तहसीलदार धरसींवा
मुहर

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
ई-निविदा सूचना सातवां शुद्धि पत्र

निविदा क्रमांकः **सी.ई.सी./बी.एस.पी./24-25/14** दिनांक **31-12-2024** (ओपन टेंडर ई.पी.सी. सिंगल स्टेज) (टू पैकेट सिस्टम) **कार्य** : "रेलवे परियोजना का दोहरीकरण जिसमें जंगल को छोड़कर बोरिडांड स्टेशन (वेस्ट एंड किमी 925.625) से शुरू होकर (चिरमिरी लाइन किमी. 929.990) और बोरिडांड स्टेशन (वेस्ट एंड किमी. 925.625) से बैकुंठपुर रोड स्टेशन (वेस्ट एंड किमी. 967.055) तक का खंड शामिल है। जंगल क्षेत्र के किमी. 941.800 से किमी. 942.800 और किमी. 955.700 से किमी. 956.700 तक दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे क्षेत्र में छत्तीसगढ़ राज्य में मौजूदा सिंगल बीजी लाइन के (बी.आर.एन.डी – बी. आर.एच. लाइन से किमी. 39.430 किमी और वी.आर.एन.डी.– सी.एच.आर.एम लाइन के लिये 4.365 किमी."।
निविदा मूल्य : ₹ 610,80,00,000.00/–, अमानत राशिः ₹ 2,00,00,000.00, निविदा दस्तावेज की लागतः शून्य, कार्य पूरा होने की तिथि: 30 (तीस) महीना नियत तिथि से।
क्रमांकः 1, आइटम विवरणः निविदा मूल्य, मूल ई–निविदा में दर्शाया गया : रू. 60,64444000/–, संशोधित रूप में : रू. 6108000000/–
संशोधित आरएफपी और संशोधित ड्राफ्ट कन्सेशन, एग्रीमेंट, निविदा पूर्व स्पष्टीकरण के संबंध में सहायक दस्तावेज, निविदा पूर्व स्पष्टीकरण में सुधार आईआरईपीएस पोर्टल पर दर्शाया गया है।
निविदा बंद होने का समय एवं दिनांकः 23–06–2025 को 15.00 बजे तक। निविदा खोलने का समय एवं दिनांकः 30–06–2025 को 15.30 बजे तक। विस्तृत जानकारी/ निविदा दस्तावेज का पात्रता का मापदंड तथा अन्य विस्तृत विवरण हेतु मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण)/दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर–पिन 495004 अथवा उप मुख्य परियोजना प्रबंधक पश्चिम/निर्माण/नागपुर, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर – पिनः 440001 के कार्यालय से संपर्क करें अथवा निविदा कागजात जो हमारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है उसे
उप मुख्य अभियंता/निर्माण
CPR/10/FL/90 द. पू. म. रेलवे, बिलासपुर
South East Central Railway @secrail

आतंकवाद के अपराधियों और उसके 'पीड़ितों को एक बराबर नहीं समझता भारतः जयशंकर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

■ नई दिल्ली में ब्रिटेन के विदेश मंत्री के साथ बैठक में बोले विदेश मंत्री

सीमाई तनाव के मध्य भारत और ब्रिटेन के विदेश मंत्रियों के बीच शनिवार को नई दिल्ली में एक महत्वपूर्ण प्रतिनिधिमंडल स्तर की द्विपक्षीय बैठक हुई। जिसमें आतंकवाद का मुद्दा प्रमुखता से शामिल किया गया।

विदेश मंत्री डॉ.एस.जयशंकर ने 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम में हुए बर्बर आतंकी हमले की कड़ी निंदा करने और आतंकवाद के खिलाफ जारी भारत की लड़ाई में सद्भावना के साथ अपना समर्थन प्रदान करने के लिए ब्रिटेन के विदेश मंत्री डेविड लैमी के प्रति धन्यवाद के साथ आभार जताया। इसके अलावा जयशंकर ने लैमी को आतंकवाद को किसी भी परिस्थिति में कतई बर्दाश्त न करने की नीति यानी जीरो टॉलरेंस को लेकर बनी हुई भारत की प्रतिबद्धता को स्पष्ट करते हुए यह साफ कर दिया कि आतंकवादी हमले के शिकार पीड़ितों और उसके अपराधियों में कभी भी कोई समानता नहीं हो सकती है। साथ ही उन्होंने यह उम्मीद भी जताई कि हमारे भागीदार देश भारत के इस मत को समझेंगे। यह जानकारी विदेश मंत्रालय ने 7 जून को जारी किए गए एक बयान के जरिए दी।

राशिफल

मेष — मानसिक शान्ति रहेगी, परन्तु बातचीत में सन्तुलित रहें। परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। वस्त्रों पर खर्च बढ़ेंगे। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

वृष — परिवार का साथ मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। किसी मित्र के सहयोग से आय में वृद्धि हो सकती है। यात्रा पर जाना हो सकता है।

मिथुन — आत्मविश्वास से लबरेज रहेगें। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। कार्यभार में वृद्धि होगी। वाहन सुख में वृद्धि भी हो सकती है। व्यर्थ की चिंता बढ़ सकती हैं।

कर्क — क्रोध के अतिरेक से बचें। शैक्षिक कार्यों कार्यों में सफलता मिलेगी। भाइयों का सहयोग मिलेगा। संयत रहें।

सिंह — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। मन प्रसन्न भी रहेगा, परन्तु सन्तान के स्वास्थ्य से मन परेशान भी हो सकता है। किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं।

कन्या — आत्मविश्वास में कमी रहेगी। कारोबार में कठिनाइयां आ सकती हैं। स्वास्थ्य का ध्यान भी रखें। भागदौड़ अधिक रहेगी। खर्चों की अधिकता रहेगी।

तुला — किसी मित्र के सहयोग से कारोबार में परिवर्तन के अवसर मिल सकते हैं। सेहत का ध्यान रखें। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी।

वृश्चिक — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। कारोबार पर ध्यान रखें। कारोबारी कार्यों में कठिनाइयां आ सकती है।

धनु — आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु धैर्यशीलता में कमी रहेगी। संयत रहें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यर्थ की परेशानी बढ़ सकती हैं।

मकर — क्रोध के अतिरेक से बचें। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कारोबार में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। शैक्षिक कार्यों में मनचाही सफलता मिलेगी।

कुंभ — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा, परन्तु आत्मसंयत भी रहें। मानसिक शान्ति के लिए प्रयास करें। जीवनसाथी का साथ मिलेगा। कारोबार में वृद्धि होगी।

मीन — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। पठन-पाठन में रुचि रहेगी, परन्तु शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आ सकते हैं। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्चों की अधिकता रहेगी।

शब्द पहेली - 5891

बाएँ से दाए
1. सरदार, अगुआ-4
5. जनमत, एक राय-4
9. पुराना जुकाम-3
10. चिंता, परवाह-3
12. पैंदा, तल्ला-2
14. ताल, सुर, आलाप-2
15. महोदय (अंग्रेजी-2)
16. लाडला, दुलारा-2
17. निवास करना-3
19. डोली उठाने वाले-3
21. नसीरुद्दीन शाह की फिल्म-3
22. तड़फाना-4
24. जल में रहनेवाला-4
25. दरियादिल, करुण-5
26. इराक की राजधानी-4
29. भेंट, पुरस्कार-4
33. पासों से भविष्य देखना-3
34. अश्ववाहक, घुड़सवार-3
36. चौकसी, रखवाली-3
37. हलक, कंठ-2
38. सदैव-2
39. लार -2
42. निश्चित-2
42. कालीन-3
43. बंदर, मर्कट-3
45. किसान-4
46. इस्लामी कैलेंडर का एक महीना -4

ऊपर से नीचे
2. क्रिकेट में बनते हैं-2
3. नगमा, गीत (उर्दू-3)
4. जो लायक न हो-4
5. अधिकारी, अफसर-4
6. राशिचक्र की एक राशि -3
7. झगड़ा, बैर-2
8. आदत, व्यवहार-4
11. शमशीर-4
13. तरंग, हिलोर-3
16. तृष्णा, लोभ-3
18. अमेरिका स्थित वेधशाला-2
20. जितेंद्र इस फिल्म में सात सवाल हल करते हैं -5
21. नीर, पानी-2
23. देवर्षि-3
24. ईर्ष्या,

किसानों को सिर्फ 4% की दर से मिलेगा 5 लाख रु. तक का लोन

- केसीसी योजना के लिए लाभ लेना बहुत आसान, मिल रहे बड़े फायदे
- किसान, चाहे वह जमीन का मालिक हो या बटाइदार, कर सकते हैं आवेदन
- केंद सरकार ने लोन सीमा को 3 लाख से बढ़ाकर 5 लाख रुपये तक किया
- खेती, पशुपालन या मछली पालन के लिए ले सकते हैं किफायती लोन
- किसान क्रेडिट कार्ड योजना की शुरुआत 1998 में हुई थी
- इसका मकसद किसानों को खेती की जरूरतों के लिए सस्ता लोन उपलब्ध कराना

जानकारी
बिजनेस डेस्क

किसानों के लिए खेती को आसान और किफायती बनाने के मकसद से शुरू की गई किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) योजना अब और भी फायदेमंद हो गई है। केंद्रीय बजट 2025-26 में केंद्र सरकार ने इस योजना की लोन सीमा को 3 लाख रुपये से बढ़ाकर 5 लाख रुपये कर दिया था। इतना ही नहीं, इसकी ब्याज दर भी 4% सालाना है, जो किसानों के लिए बड़ा लाभ है। इसके साथ ही सरकार ने इस योजना की ब्याज सहायता (इंटरेस्ट सब्सिडी) को वित्त वर्ष 2025-26 तक बढ़ाने का फैसला किया है, जिससे किसानों को सस्ता लोन मिलना जारी रहेगा। यह खबर उन लाखों किसानों के लिए खुशखबरी है, जो खेती, पशुपालन या मछली पालन के लिए किफायती लोन की तलाश में हैं। आइए, इस योजना को विस्तार से समझते हैं और जानते हैं कि इसे लेना कितना आसान है।

क्या है किसान क्रेडिट कार्ड योजना

किसान क्रेडिट कार्ड योजना की शुरुआत 1998 में हुई थी। इसका मकसद था किसानों को उनकी खेती की जरूरतों के लिए सस्ता और आसान लोन उपलब्ध कराना। इस योजना को भारत सरकार, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) और नाबार्ड ने मिलकर शुरू किया था। यह कार्ड किसानों को एक क्रेडिट लाइन देता है, जिसका इस्तेमाल वे बीज, खाद, कीटनाशक, कृषि उपकरण खरीदने पशुपालन और मछली पालन जैसे कामों के लिए कर सकते हैं। इस कार्ड की खासियत यह है कि यह 5 साल की वैलिडिटी के साथ आता है और समय पर लोन चुकाने पर ब्याज में छूट भी मिलती है।

क्या हैं अतिरिक्त फायदे?

किसान क्रेडिट कार्ड के साथ कई अतिरिक्त फायदे भी मिलते हैं। मसलन, अगर फसल प्राकृतिक आपदा या कीटों के कारण खराब हो जाती है, तो बीमा कवरेज मिलता है। इसके अलावा, अगर किसान अपने केसीसी खाते में पैसे जमा करता है, तो उसे बचत खाते की तरह ब्याज भी मिलता है। साथ ही, कई बैंक केसीसी के साथ रुपे डेबिट कार्ड भी देते हैं, जिससे किसान आसानी से मंडियों या इनपुट डीलरों के साथ लेन-देन कर सकते हैं।

बढ़ गई सीमा

हाल ही में सरकार ने किसान क्रेडिट कार्ड के तहत लोन की अधिकतम सीमा को 3 लाख से बढ़ाकर 5 लाख रुपये कर दिया है। यह फैसला 2025 के बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लिया, जिसका मकसद किसानों को उनकी बढ़ती जरूरतों के लिए ज्यादा आर्थिक सहायता देना है। इस लोन पर सामान्य ब्याज दर 7% सालाना है, लेकिन सरकार 2% की ब्याज सहायता देती है। इसके अलावा, अगर किसान समय पर लोन चुका देते हैं तो उसे 3% की अतिरिक्त छूट मिलती है। इस तरह प्रभावी ब्याज दर सिर्फ 4% रह जाती है। यह सुविधा खेती के साथ-साथ मछली पालन और पशुपालन करने वाले किसानों के लिए भी उपलब्ध है।

बढ़ाई गई ब्याज सहायता की डेडलाइन

केंद्र सरकार ने हाल ही में संशोधित ब्याज सहायता योजना को वित्त वर्ष 2025-26 तक बढ़ाने की मंजूरी दी है। इसका मतलब है कि किसानों को अगले वित्त वर्ष तक 4% की रियायती ब्याज दर पर लोन मिलता रहेगा। यह फैसला मई 2025 में केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में लिया गया। इस कदम से देश के करीब 7.7 करोड़ किसानों, मछुआरों और डेयरी किसानों को फायदा होगा। यह योजना सुनिश्चित करती है कि किसानों को कम लागत पर कार्यशील पूंजी मिले, ताकि वे अपनी खेती को और बेहतर कर सकें।

आसान है केसीसी बनवाना

किसान क्रेडिट कार्ड बनवाना बेहद आसान है। कोई भी किसान, चाहे वह जमीन का मालिक हो, किरायेदार किसान हो या बटाईदार, सभी इस योजना के लिए आवेदन कर सकता है। इसके लिए जरूरी डॉक्यूमेंट्स में आधार कार्ड, पैन कार्ड, जमीन के डॉक्यूमेंट और फसल की जानकारी शामिल होती है। आवेदन की प्रक्रिया ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह से उपलब्ध है। ऑनलाइन आवेदन के लिए किसान को पीएम किसान योजना की वेबसाइट (**pmkisan.gov.in**) पर जाना होगा। वहां से केसीसी का फॉर्म डाउनलोड कर सकते हैं। फॉर्म में जमीन और फसल की जानकारी भरकर, जरूरी डॉक्यूमेंट्स के साथ इसे नजदीकी बैंक में जमा करना होता है।

सिक्योरिटी की जरूरत नहीं

अगर ऑनलाइन प्रक्रिया में दिक्कत हो, तो किसान अपने नजदीकी बैंक शाखा में जाकर सीधे आवेदन कर सकता है। बैंक में एक साधारण फॉर्म भरना होता है, जिसमें जमीन के कागजात और पहचान पत्र जमा करने होते हैं। आमतौर पर, अगर सभी डॉक्यूमेंट सही हैं, तो 5 से 7 दिनों के अंदर बैंक लोन स्वीकृत कर देता है। इसके अलावा, 1.6 लाख रुपये तक के लोन के लिए कोई सिक्योरिटी देने की जरूरत नहीं होती। 3 लाख रुपये से ज्यादा के लोन के लिए जमीन या अन्य संपत्ति को सिक्योरिटी के तौर पर रखना पड़ सकता है। साथ ही, इस कार्ड के साथ किसानों को फसल बीमा और डेबिट कार्ड जैसी सुविधाएं भी मिलती हैं।

कैसे करें इस्तेमाल?

किसान क्रेडिट कार्ड एक रिवॉल्विंग कैश क्रेडिट खाते की तरह काम करता है। इसका मतलब है कि किसान जरूरत के हिसाब से पैसे निकाल सकता है और चुकाने के बाद फिर से लोन ले सकता है। लोन की राशि फसल की कटाई और बिक्री की अवधि के आधार पर चुकानी होती है। किसान को साल में दो बार ब्याज और एक बार पूरी लोन राशि जमा करानी होती है। अगर समय पर भुगतान किया जाता है, तो अगले ही दिन नया लोन लिया जा सकता है। यह लचीलापन किसानों के लिए बड़ा फायदा है, क्योंकि वे अपनी जरूरतों के हिसाब से पैसे का इस्तेमाल कर सकते हैं।

कौन उठा सकता है फायदा

यह योजना सिर्फ खेती करने वालों तक सीमित नहीं है। पशुपालन, मछली पालन, बागवानी या अन्य कृषि से जुड़े काम करने वाले लोग भी इसके लिए पात्र हैं। इसके अलावा, स्वयं सहायता समूह और संयुक्त देयता समूह भी इस कार्ड के लिए आवेदन कर सकते हैं। सरकार का मकसद है कि ज्यादा से ज्यादा किसानों को इस योजना का लाभ मिले, ताकि वे अपनी खेती को आधुनिक और लाभकारी बना सकें।

5 साल में 4 गुना रिटर्न, कम खर्च में तिहरा बेनिफिट दिया

5 स्टार रेटिंग, कम खर्च वाले टॉप 5 इक्विटी फंड्स में तीन एचडीएफसी म्यूचुअल फंड के

इन स्कीम्स ने 5 साल में 32% तक रिटर्न देकर निवेशकों की दौलत कई गुना तक कर दी

इन सभी फंड का एक्सपेंस रेशियो यानी निवेश का खर्च 1 फीसदी से भी काफी कम यानी फायदा

बिजनेस डेस्क। इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में पैसे लगाने वाले निवेशकों को हमेशा ऐसी स्कीम की तलाश रहती है, जिनकी रेटिंग अच्छी हो और जो कम से कम खर्च में हाई रिटर्न देने की क्षमता रखते हों। हम यहां ऐसे ही 5 इक्विटी फंड्स की जानकारी देने जा रहे हैं, जिन्हें 5 स्टार रेटिंग मिली हुई है और जो पिछले 5 साल में 32% तक एवरेज एनुअल रिटर्न दे चुके हैं। इतना ही नहीं, इन सभी फंड का एक्सपेंस रेशियो यानी निवेश का खर्च 1 फीसदी से भी काफी कम है। यानी इनमें निवेश करने वालों को बेस्ट रेटिंग, बेस्ट रिटर्न और कम खर्च का तिहरा बेनिफिट मिल रहा है। इन टॉप 5 में से तीन स्कीम्स एचडीएफसी म्यूचुअल फंड की हैं। ये सभी इक्विटी फंड, निवेश के मामले में फ्लेक्सिबल इनवेस्टमेंट स्ट्रैटजी पर चलते हैं। इस इनवेस्टमेंट स्ट्रैटजी में फंड मैनेजर लार्ज कैप, मिड कैप और स्मॉल कैप स्टॉक्स में फंड एलोकेशन अपनी मर्जी से तय करते हैं। इससे उन्हें बाजार के रुझान के हिसाब से एलोकेशन करके बेहतर रिटर्न हासिल करने का मौका मिलता हैं. साथ ही हर मार्केट सेगमेंट में निवेश करने की वजह से पोर्टफोलियो के डायवर्सिफिकेशन का लाभ भी मिलता है। जिन लोगों के पोर्टफोलियो में इक्विटी स्कीम्स की संख्या ज्यादा नहीं रहती उन्हें आमतौर पर एक ही स्कीम में बेहतर डायवर्सिफिकेशन के लिए ऐसे ही फंड्स में निवेश करने की सलाह दी जाती है।

फ्लेक्सिबल स्ट्रैटजी वाले टॉप इक्विटी फंड

हम यहां जिन टॉप 5 इक्विटी फंड्स की चर्चा करने जा रहे हैं, वे सभी इसी फ्लेक्सिबल निवेश रणनीति को फॉलो करते हैं। दरअसल, किसी भी मार्केट सेगमेंट वाले स्टॉक्स में निवेश की छूट के कारण ही वैल्यू रिसर्च ने एचडीएफसी फोकस्ड 30 फंड, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल इंडिया इक्विटी एफओएफ और एचडीएफसी रिटायरमेंट सेविंग्स फंड (इक्विटी प्लान) को भी फ्लेक्सी कैप फंड की लिस्ट में शामिल किया है। इस लिस्ट में पराग पारीख फ्लेक्सी कैप फंड और एचडीएफसी फ्लेक्सी कैप फंड जैसी विशाल एसेट मैनेजमेंट वाली स्कीम्स भी शामिल हैं। इन सभी फंड्स को वैल्यू रिसर्च ने 5 स्टार रेटिंग दी गई है।

1. एचडीएफसी फोकस्ड 30 फंड (डायरेक्ट प्लान) एम.एस.

- 5 साल का औसत सालाना रिटर्न : 31.95%
- 3 साल का औसत सालाना रिटर्न : 26.26%
- एक्सपेंस रेशियो : 0.61%
- एसेट अंडर मैनेजमेंट : 19,551 करोड़ रुपये
- 1 लाख का निवेश 5 साल में हुआ : 4,00,361 रुपये
- 10 हजार की मंथली **SIP** से 5 साल में जमा हुए : 11,62,044 रुपये

2. एचडीएफसी फ्लेक्सी कैप फंड (डायरेक्ट प्लान)

- 5 साल का औसत सालाना रिटर्न : 31.22%
- 3 साल का औसत सालाना रिटर्न : 25.41%
- एक्सपेंस रेशियो : 0.73%
- एसेट अंडर मैनेजमेंट : 75,724 करोड़ रुपये
- 1 लाख का निवेश 5 साल में हुआ : 3,89,267 रुपये
- 10 हजार की मंथली एसआईपी से 5 साल में जमा हुए : 11,30,375 रुपये

3. आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल इंडिया इक्विटी एफओएफ (डायरेक्ट प्लान)

- 5 साल का औसत सालाना रिटर्न : 30.54%
- 3 साल का औसत सालाना रिटर्न : 23.09%
- एक्सपेंस रेशियो : 0.63%
- एसेट अंडर मैनेजमेंट : 178 करोड़ रुपये
- 1 लाख का निवेश 5 साल में हुआ : 3,79,592 रुपये
- 10 हजार की मंथली एसआईपी से 5 साल में जमा हुए : 10,86,103 रुपये

4. एचडीएफसी रिटायरमेंट सेविंग्स फंड इक्विटी प्लान

- 5 साल का औसत सालाना रिटर्न : 29.55%
- 3 साल का औसत सालाना रिटर्न : 22.52%
- एक्सपेंस रेशियो : 0.74%
- एसेट अंडर मैनेजमेंट : 6473 करोड़ रुपये
- 1 लाख का निवेश 5 साल में हुआ : 3,65,209 लाख रुपये
- 10 हजार की मंथली एसआईपी से 5 साल में जमा हुए : 10,46,988 रुपये

5. पराग पारिख फ्लेक्सी कैप फंड-डायरेक्ट प्लान

- 5 साल का औसत सालाना रिटर्न : 27.34%
- 3 साल का औसत सालाना रिटर्न : 22.21%
- एक्सपेंस रेशियो : 0.63%
- एसेट अंडर मैनेजमेंट : 103,866 करोड़ रुपये
- 1 लाख का निवेश 5 साल में हुआ : 3,43,054 रुपये
- 10 हजार की मंथली एसआईपी से 5 साल में जमा : 10,31,937 रुपये

एकमुश्त और एसआईपी पर शानदार रिटर्न

ऊपर दिए आंकड़ों से साफ है कि इन पांचों म्यूचुअल फंड्स ने पिछले 5 साल के दौरान अपने निवेशकों को शानदार रिटर्न दिए हैं। फिर चाहे वो वन-टाइम इनवेस्टमेंट हो या सिस्टमैटिक इनवेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिये किया गया निवेश, लेकिन निवेशकों को यह याद रखना चाहिए कि इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश के साथ मार्केट रिस्क जुड़ा रहता है। इसलिए निवेश का फैसला करने से पहले अपनी रिस्क लेने की क्षमता को जरूर ध्यान में रखें।

(डिस्क्लेमर : इस आर्टिकल का मकसद सिर्फ जानकारी देना है. निवेश की सिफारिश करना नहीं। म्यूचुअल फंड्स का पिछला रिटर्न भविष्य में जारी रहने की कोई गारंटी नहीं होती. निवेश के फैसले अपने निवेश सलाहकार की राय लेकर ही करें।)

कम खर्च में बढ़िया कमाई करवाने वाले 5 स्मॉल कैप फंड कर सकते मालामाल

35% से 39% तक रहा 5 साल का एनुअल रिटर्न, निवेशकों के पैसों को साढ़े चार गुना से 5 गुना तक बढ़ाया बेहद कम एक्सपेंस रेशियो के साथ दे रहे अच्छा रिटर्न

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

स्मॉल कैप म्यूचुअल फंड्स पर स्टॉक मार्केट की उथल-पुथल का ज्यादा असर पड़ता है। यानी बाजार में गिरावट आने पर उनके ज्यादा तेजी से गिरने की आशंका रहती है, लेकिन इसके साथ ही रिकवरी होने पर उनमें मुनाफे की गुंजाइश भी अधिक होती है। यही वजह है कि स्मॉल कैप फंड्स को हाई रिस्क, हाई रिटर्न इनवेस्टमेंट माना जाता है, लेकिन हम इस रिपोर्ट में 5 ऐसे स्मॉल कैप फंड्स के बारे में बताने जा रहे हैं, जिन्हें पिछले 5 साल के प्रदर्शन के आधार पर लो कॉस्ट, हाई रिटर्न यानी कम खर्च में मोटा मुनाफा देने वाला कहा जा सकता है। इन सभी फंड्स का 5 साल का औसत सालाना रिटर्न 35% से 39% तक रहा है, वह भी काफी कम लागत यानी एक्सपेंस रेशियो के साथ। जिन 5 स्मॉल कैप फंड्स की जानकारी दी है, उनका 5 साल का एवरेज एनुअल रिटर्न 35.81% से लेकर 39.61% तक है। इस हाई रिटर्न की बदौलत इन फंड्स ने 1 लाख रुपये के एकमुश्त निवेश को 5 साल में 4.65 गुना से लेकर 5.3 गुना तक कर दिखाया है। इतना ही नहीं, इन स्मॉल कैप फंड्स में अगर किसी ने 5 साल तक हर महीने 5,000 रुपये का निवेश किया होगा, तो उसकी मौजूदा फंड वैल्यू भी 5.74 लाख रुपये से लेकर 6.57 लाख रुपये तक हो गई होगी। इन सभी फंड्स को वैल्यू रिसर्च ने 5 या 4 स्टार की रेटिंग दी है और इनके डायरेक्ट प्लान का एक्सपेंस रेशियो 0.34% से 0.65% के बीच है, जिसे काफी किफायती माना जा सकता है।

1. निप्पॉन इंडिया स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान

- 5 साल का औसत सालाना रिटर्न (डायरेक्ट प्लान) : 39.61%
- एक्सपेंस रेशियो (डायरेक्ट प्लान) : 0.65%
- 1 लाख रुपये के लंपसम निवेश की 5 साल बाद वैल्यू : 5.3 लाख रुपये
- 5000 रुपये मंथली एसआईपी की 5 साल में फंड वैल्यू : 6,15,113 रुपये (एन्युलाइज्ड रिटर्न : 29.21%)

2. बंधन स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान

- 5 साल का औसत सालाना रिटर्न (डायरेक्ट प्लान) : 38.21%
- एक्सपेंस रेशियो (डायरेक्ट प्लान) : 0.39%
- 1 लाख रुपये के लंपसम निवेश की 5 साल बाद वैल्यू : 5.04 लाख रुपये
- 5000 रुपये मंथली एसआईपी की 5 साल में फंड वैल्यू : 6,57,581 रुपये (एन्युलाइज्ड रिटर्न : 32.04%)

3. एडलवाइज स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान

- 5 साल का औसत सालाना रिटर्न (डायरेक्ट प्लान) : 36.35%
- एक्सपेंस रेशियो (डायरेक्ट प्लान) : 0.43%
- 1 लाख रुपये के लंपसम निवेश की 5 साल बाद वैल्यू : 4.71 लाख रुपये
- 5000 रुपये मंथली एसआईपी की 5 साल में फंड वैल्यू : 5,74,266 रुपये (एन्युलाइज्ड रिटर्न : 26.32%)

4. टाटा स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान

- 5 साल का औसत सालाना रिटर्न (डायरेक्ट प्लान) : 35.98%
- एक्सपेंस रेशियो (डायरेक्ट प्लान) : 0.34%
- 1 लाख रुपये के लंपसम निवेश की 5 साल बाद वैल्यू : 4.65 लाख रुपये
- 5000 रुपये मंथली एसआईपी की 5 साल में फंड वैल्यू : 5,83,439 रुपये (एन्युलाइज्ड रिटर्न : 26.98%)

5. इनवेस्को इंडिया स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान

- 5 साल का औसत सालाना रिटर्न (डायरेक्ट प्लान) : 35.81%
- एक्सपेंस रेशियो (डायरेक्ट प्लान) : 0.44%
- 1 लाख रुपये के लंपसम निवेश की 5 साल बाद वैल्यू : 4.62 लाख रुपये
- 5000 रुपये मंथली एसआईपी की 5 साल में फंड वैल्यू : 6,16,477 रुपये (एन्युलाइज्ड रिटर्न : 29.31%)

स्मॉल कैप में निवेश से पहले रिस्क समझ लें

स्मॉल कैप म्यूचुअल फंड्स लॉन्ग टर्म में औसत से काफी बेहतर रिटर्न देने के लिए जाने जाते हैं. लेकिन इन पर बाजार की उथल-पुथल का ज्यादा असर पड़ता है। इसी वजह से इन्हें काफी अधिक जोखिम की रेटिंग दी जाती है, लेकिन जो निवेशक हाई रिटर्न के लिए ज्यादा रिस्क लेने की क्षमता रखते हैं, वे अपने पोर्टफोलियो में इन्हें जगह दे सकते हैं। अगर सिस्टमैटिक इनवेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिये लंबी अवधि तक निवेश किया जाए, तो इस रिस्क को कुछ हद तक कम किया जा सकता है। ऐसे में निवेशकों को कम से कम 7 साल या उससे ज्यादा समय के लिए निवेश जारी रखना चाहिए। साथ ही स्मॉल कैप में एक्सपोजर 10-15 फीसदी से ज्यादा नहीं होना चाहिए। इसलिए अगर अगर आप लंबी अवधि के लिए निवेश की सोच रहे हैं और ज्यादा जोखिम उठाने को तैयार हैं, तो स्मॉल कैप फंड्स अच्छा रिटर्न देने का दम रखते हैं, लेकिन ध्यान रखें कि ये फंड्स वोलैटाइल होते हैं और शॉर्ट टर्म में उतार-चढ़ाव ला सकते हैं।

रिटायरमेंट की रेस जीतनी है तो पहले से करें तैयारी

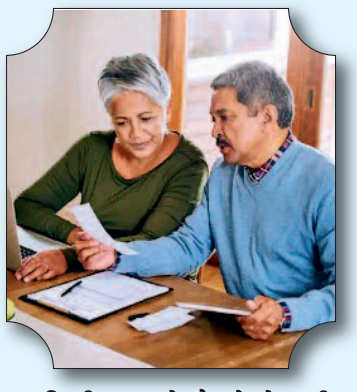

आखिरी वक्त में दौड़ने से नहीं बनेगा काम, फेल हो सकती है पूरी प्लानिंग

युवाओं के लिए रिटायरमेंट का वक्त भले ही दूर हो, लेकिन जल्दी करें

तैयारी जितनी जल्दी शुरू करेंगे, बाद में उतनी ही आसानी होगी

सुझाव
बिजनेस डेस्क

अगर आप भी चाहते हैं कि आपका बुढ़ापा पूरी मस्ती में कटे तो रिटायरमेंट के लिए बेहतर प्लानिंग करें। इससे आपको असानी रहेगी और समय रहते आप रिटायरमेंट के लिए अच्छा खासा पैसा जुटा लेंगे। रिटायरमेंट की प्लानिंग ऐसी दौड़ है, जिसमें जीतना है तो शुरुआत समय रहते करनी होगी। अगर आप आखिरी वक्त में तैयारी शुरू करेंगे, तो न तो सही ढंग से पैसों का इंतजाम हो पाएगा और न ही रिटायरमेंट के बाद की जिंदगी सुकून भरी बन पाएगी। कामकाजी जिंदगी के शुरुआती दौर में रिटायरमेंट भले ही काफी दूर का लक्ष्य नजर आता हो, लेकिन उसके लिए जितनी जल्दी तैयारी शुरू की जाएगी, बाद में उतनी ही आसानी होगी। इसके लिए समय रहते अमाउंट जुटा लेना जरूरी है। तभी आपका बुढ़ापा बिना किसी टेंशन के कट सकेगा।

जल्द शुरुआत बड़ा फायदा

जानकारों का कहना है कि रिटायरमेंट प्लानिंग को आखिरी समय की तैयारी के तौर पर नहीं, बल्कि आदत के रूप में अपनाना चाहिए। जो लोग शुरुआत से ही छोटी-छोटी रकम निवेश करना शुरू कर देते हैं, उन्हें कंपाउंडिंग का सबसे बड़ा फायदा मिलता है। इससे समय रहते आप अच्छा खासा पैसा जुटाकर अपने जीवन का समृद्ध बना सकते हैं। उनका यह भी मानना है कि रिटायरमेंट की तैयारी एक लंबी प्रक्रिया है और यह एक बार का काम नहीं, बल्कि लगातार चलने वाली आदत होनी चाहिए। अगर आप अपने करियर के शुरूआती सालों में ही निवेश की आदत डाल लेते हैं, तो समय के साथ आपका फंड अपने आप बढ़ता चला जाएगा।

रेगुलर इनवेस्टमेंट

रिटायरमेंट फंड के लिए हर महीने एक तय रकम अलग रखना जरूरी है। यह रकम आपकी आमदनी के अनुसार कम ज्यादा हो सकती है, लेकिन इसे एक नियम की तरह अपनाना चाहिए। इससे यह प्लानिंग सिर्फ कागज पर नहीं, आपकी वित्तीय आदतों में शामिल हो जाएगी। हर महीने रिटायरमेंट के लिए निवेश की गई छोटी-छोटी रकम भी लंबे समय में बड़ा फंड तैयार कर सकती है, बशर्ते आप रेगुलर इनवेस्टमेंट का सिलसिला बनाए रखें।

सही एसेट एलोकेशन है बेहद जरूरी

रिटायरमेंट के लिए निवेश करते वक्त सिर्फ सेविंग अकाउंट या फिक्स्ड डिपॉजिट पर भरोसा करना ठीक नहीं. आपको अपनी रिस्क लेने की क्षमता के हिसाब से इक्विटी और डेट जैसे विकल्पों के बीच संतुलन बना कर निवेश करना चाहिए। नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) इस मामले में एक बेहतर विकल्प है, क्योंकि इसमें आप अपनी रिस्क प्रोफाइल के मुताबिक इक्विटी, डेट और गवर्नमेंट बॉन्ड्स का चुनाव कर सकते हैं।

इंक्रिमेंट के साथ बढ़ाते चलें निवेश

जैसे-जैसे आपकी सैलरी बढ़ती है, वैसे ही रिटायरमेंट के लिए की जाने वाली निवेश की रकम भी बढ़ानी चाहिए. यह अपने फ्यूचर को और मजबूत बनाने का एक सबसे अच्छा तरीका है। हर साल अपने रिटायरमेंट पोर्टफोलियो का रिव्यू जरूर करें और जरूरत के हिसाब से उसमें बदलाव करें। यदि आप सही प्लानिंग के साथ चलेंगे तो परेशानी नहीं होंगे और अपने लिए आसानी से अच्छा फंड जुटा पाएंगे। रिटायरमेंट के बाद आपको किसी का मुंह ताकने की जरूरत नहीं होगी। अपने खर्चे खुद उठाने में सक्षम होंगे।

पूरी तैयारी के साथ होना चाहिए रिटायरमेंट

रिटायरमेंट का मकसद सिर्फ नौकरी खत्म होना नहीं है, बल्कि एक ऐसी जिंदगी जीना है, जिसमें आर्थिक चिंता न हो। अगर आप अपने करियर को बनाने में जितनी मेहनत करते हैं, उतनी ही एनर्जी अपने वित्तीय भविष्य को बनाने में भी लगाएं. रिटायरमेंट प्लानिंग को आज शुरू करना आपके कल को बेहतर बना सकता है। इसलिए यह समझना जरूरी है कि रिटायरमेंट की रेस में जीतने के लिए शुरुआत अभी से करनी होगी। आखिरी वक्त में दौड़ने से मंजिल नहीं मिलती, बल्कि वक्त पर उठाया गया एक-एक कदम आपके आने वाले कल को बेहतर बनाने में बड़ा योगदान कर सकता है।

रिटायरमेंट के लिए निवेश विकल्प

पीपीएफ (पब्लिक प्रोविडेंट फंड) : पीपीएफ एक लंबी अवधि का निवेश विकल्प है जो आयकर अधिनियम के तहत कर लाभ प्रदान करता है।
-एनपीएस (नेशनल पेंशन सिस्टम) : एनपीएस एक रिटायरमेंट बचत योजना है जो आपको अपने भविष्य के लिए बचत करने में मदद करती है।
-म्यूचुअल फंड : म्यूचुअल फंड एक प्रकार का निवेश विकल्प है जो आपको विभिन्न प्रकार की सिक्योरिटीज में निवेश करने का अवसर प्रदान करता है।

फिक्स्ड डिपॉजिट : फिक्स्ड डिपॉजिट एक प्रकार का निवेश विकल्प है जो आपको एक निश्चित अवधि के लिए अपने पैसे जमा करने का अवसर प्रदान करता है।

शेयर बाजार : शेयर बाजार एक प्रकार का निवेश विकल्प है जो आपको कंपनियों के शेयरों में निवेश करने का अवसर प्रदान करता है।
निवेश करने के लिए कुछ सुझाव

जल्दी शुरू करें: रिटायरमेंट के लिए निवेश करना जितनी जल्दी शुरू करेंगे, उतना ही अधिक समय आपके पैसे को बढ़ने के लिए मिलेगा।

नियमित निवेश करें: नियमित निवेश करने से आपको अपने निवेश लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद मिल सकती है।

विविधीकरण करें: अपने निवेश को विभिन्न प्रकार की सिक्योरिटीज में विभाजित करने से आपको जोखिम को कम करने में मदद मिल सकती है।

अपने निवेश लक्ष्यों को परिभाषित करें: अपने निवेश लक्ष्यों को परिभाषित करने से आपको अपने निवेश निर्णयों को निर्देशित करने में मदद मिल सकती है।

पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए इंग्लैंड पहुंची भारतीय टीम, 20 से नए डब्लूटीसी चक्र की शुरुआत

एजेंसी ▶▶| लंदन

भारतीय टीम पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए शनिवार को इंग्लैंड पहुंच गई है। दोनों टीमों के बीच 20 जून से पहला टेस्ट मैच खेला जाएगा। इस सीरीज के साथ ही भारतीय टीम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के नए चक्र की शुरुआत करेगी। भारत इस सीरीज में विराट कोहली और रोहित शर्मा के बिना उतरेगी जिन्होंने हाल ही में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया था।

भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ शुभमन गिल की कप्तानी में खेलने उतरेगी। गिल को रोहित शर्मा की जगह टेस्ट टीम का कप्तान बनाया गया है। ऋषभ पंत इस सीरीज में उपकप्तान की भूमिका में होंगे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने एक्स पर वीडियो शेयर किया है जिसमें टीम इंडिया के खिलाड़ी एयरपोर्ट पर नजर आ रहे हैं। उनके साथ मुख्य कोच गौतम गंभीर भी मौजूद हैं।

भारतीय टेस्ट टीम

शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (उपकप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, अभिमन्यु ईश्वरन, करुण नायर, नीतीश रेड्डी, रवींद्र जडेजा, ध्रुव जुरेल, वॉशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव।

20 जून से पहला मुकाबला

भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की सीरीज का पहला टेस्ट 20 जून से लीड्स में खेला जाएगा। इस सीरीज के साथ ही भारत के नए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र (2025-27) की शुरुआत भी हो जाएगी। करुण नायर की आठ साल बाद भारतीय टीम में वापसी हुई है। शार्दुल ठाकुर भी भारतीय टीम में वापसी कर रहे हैं।

बीसीसीआई ने शेयर किया वीडियो

बीसीसीआई ने इंग्लैंड पहुंचने का जो वीडियो शेयर किया है उसमें खिलाड़ी एक दूसरे के साथ हंसी मजाक करते नजर आ रहे हैं। वीडियो में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह कह रहे हैं, 'रात में बंदे ने चश्मा पहना हुआ है।' वीडियो में गिल भी नजर आए। वहीं, साई सुदर्शन ने कहा, 'भारतीय टेस्ट टीम का हिस्सा बनकर उत्सुक हूं।' इसमें पंत, रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव और प्रसिद्ध कृष्णा जैसे खिलाड़ी भी एयरपोर्ट पर नजर आ रहे हैं। मालूम हो कि केएल राहुल, करुण नायर और यशस्वी जायसवाल जैसे खिलाड़ी पहले ही इंग्लैंड पहुंच गए थे और वे इंग्लैंड लायंस के खिलाफ अनौपचारिक टेस्ट में हिस्सा ले रहे हैं।

भारत को 18 साल से जीत का इंतजार

गिल नई जिम्मेदारी के लिए तैयार हैं, लेकिन उनके सामने चुनौती बड़ी है। गिल और मुख्य कोच गौतम गंभीर के नेतृत्व में भारतीय टेस्ट टीम बदलाव के दौर से गुजरी है और अब उसे नतीजे देने होंगे। रोहित और कोहली जैसे अनुभवी बल्लेबाजों की अनुपस्थिति में इंग्लैंड को उसके घर में हराना आसान नहीं रहने वाला है। इंग्लैंड में भारत के आंकड़े भी इसी बात की गवाही दे रहे हैं। दरअसल, भारत ने 2007 के बाद से इंग्लैंड में कोई टेस्ट सीरीज नहीं जीती है, ऐसे में सभी के मन में यही सवाल उठ रहा है कि क्या गिल-गंभीर की ये जोड़ी 18 साल का सूखा समाप्त कर पाएगी?

खबर संक्षेप

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम यूरोप में खेलेगी

नई दिल्ली। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम इस साल चिली के सैंटियागो में होने वाले एफआईएच जूनियर महिला विश्व कप की तैयारियों के सिलसिले में आठ से 17 जून तक बेल्जियम, ऑस्ट्रेलिया और नीदरलैंड के खिलाफ पांच मैच खेलेगी। भारतीय टीम ने हाल ही में अर्जेंटीना के रोसारियो में चार देशों के टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन किया, जहां से वह सीधे बेल्जियम के लिए रवाना हो गई थी। भारत यूरोप के अपने दौरे की शुरुआत एंटवर्प के हॉकी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, विलरिज प्लीन में बेल्जियम के खिलाफ तीन मैचों के साथ करेगा।

भारतीय तीरंदाजों का निराशाजनक प्रदर्शन

अंताल्या। भारतीय तीरंदाज यहां विश्व कप के तीसरे चरण से खाली हाथ लौटेंगे जिससे टीम चयन, तैयारी, मानसिक दृढ़ता पर सवाल उठने तय है चूंकि एशियाई खेलों में अब एक साल का ही समय रह गया है। पिछले महीने शंघाई में भारत दो स्वर्ण, एक रजत और चार कांस्य पदकों के साथ दूसरे स्थान पर रहा था। लेकिन अंताल्या में तीसरे चरण में रिकर्व और कंपाउंड दोनों वर्गों में निराशा हाथ लगी। कंपाउंड वर्ग में व्यक्तिगत और टीम दोनों स्पर्धाओं में भारत के बाहर होने के बाद रिकर्व वर्ग में भी नतीजे उतने ही निराशाजनक रहे।

मेसी निश्चित रूप से करेंगे केरल का दौरा

तिरुवनंतपुरम। केरल के खेल मंत्री वी अब्दुरहीमान ने शनिवार को कहा कि सरकारी की पहले की घोषणा के मुताबिक महान फुटबॉल खिलाड़ी लियोनेल मेसी की अगुआई वाली अर्जेंटीना की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम निश्चित रूप से राज्य का दौरा करेगी। उन्होंने बताया कि प्रायोजक ने इस आयोजन के लिए मैच फीस का भुगतान कर दिया है। उन्होंने कहा कि अर्जेंटीना की टीम के इस साल अक्टूबर-नवंबर में आने की अधिक संभावना है। इस दौरे के दौरान टीम को सरकारी मेहमान की सुविधाएं मिलेंगी।

गिल को लंबे समय तक मिले टेस्ट कप्तानी

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग का मानना है कि भारत ने टेस्ट टीम की कमान शुभमन गिल को सौंपकर सही फैसला किया है और अब इस युवा बल्लेबाज को खुद को साबित करने के लिए लंबे समय तक मौका दिया जाना चाहिए। पोंटिंग को उम्मीद है कि भारतीय टीम मौजूदा बदलाव के दौर को अन्य देशों की तुलना में बेहतर तरीके से निपट सकती है। भारतीय टीम 20 जून से इंग्लैंड में पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला में नई शुरुआत करेगी।

फ्रेंच ओपन

नंबर-1 सबालेंका को 6-7, 6-2, 6-4 से हराया

कोको गॉफ रोलां गैरो की नई क्वीन दूसरी बार जीता ग्रैंड स्लैम खिताब

एजेंसी ▶▶| पेरिस

अमेरिका की वर्ल्ड नंबर-2 कोको गॉफ ने एक सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए शीर्ष रैंकिंग वाली एरिना सबालेंका को 6-7, 6-2, 6-4 से हराकर पहली बार फ्रेंच ओपन महिला एकल खिताब जीत लिया। अमेरिका की 21 साल की दूसरी रैंकिंग वाली गॉफ इससे पहले 2023 अमेरिकी ओपन जीत चुकी हैं। रोलां गैरो पर 2013 के बाद पहली बार दुनिया की पहले और दूसरे नंबर की खिलाड़ी के बीच फाइनल खेला गया। बारह साल पहले सेरेना विलियम्स ने मारिया शारापोवा को हराकर खिताब जीता था। पिछले 30 साल में यह दूसरी बार है जब खिताबी भिड़ंत शीर्ष दो खिलाड़ियों के बीच हुई है।

गॉफ ने दूसरे मैच पॉइंट पर सबालेंका के बैकहैंड शॉट के वाइड होने के साथ खिताब अपने नाम किया। वह जीत दर्ज करने के बाद पीठ के बल लेट गई और अपने चेहरे को दोनों हाथों से ढक लिया। उन्होंने फिर अपने सिर को कोर्ट पर टिकाया और नेट पर सबालेंका का अभिवादन करने के बाद दर्शक दीर्घा में मौजूद फिल्म निर्देशक स्पाइक ली को गले लगाया और अपने साथियों के साथ जश्न मनाया। गॉफ तीसरे सेट में अहम मौके पर अपने खेल का स्तर ऊंचा करने में सफल रही। उन्होंने इस सेट के तीसरे गेम में शानदार रैली जीत कर बेलारूस की सबालेंका पर दबाव बनाए रखा।

जोकोविच का सपना टूटा, सिनर और अल्काराज़ में खिताबी मुकाबला आज

दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर ने नोवाक जोकोविच को सीधे सेटों में 6-4, 7-5, 7-6 (3) से हराकर फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल के फाइनल में जगह बनाई जहां उनका सामना गत चैंपियन कार्लोस अल्काराज से होगा। सिनर ने पहली बार फ्रेंच ओपन के फाइनल में प्रवेश किया हैइस तरह जोकोविच का 25वां ग्रैंडस्लैम जीतने का इंतजार बढ़ गया। यह सिनर की जोकोविच के खिलाफ लगातार चौथी जीत है। सिनर अपना चौथा जबकि अल्काराज अपना पांचवा ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने की कोशिश करेंगे। सिनर ने कहा, 'हम अपने लिए सर्वश्रेष्ठ मौके बनाते हैं और अब मुझे यह मंच मिला है। अभी मेरे लिए इससे बड़ा कोई और मौका नहीं हो सकता।'

सिनर ने रचा इतिहास

सिनर 1968 में शुरू हुए ओपन युग में फ्रेंच ओपन के फाइनल में पहुंचने वाले इटली के दूसरे पुरुष खिलाड़ी बन गए हैं। उनसे पहले 1976 के चैंपियन एड्रियानो पनाटा फाइनल में पहुंचे थे। इससे पहले अल्काराज ने जब लोरेंजो मुसेट्टी के खिलाफ 4-6 7-6(3) 6-0 2-0 से बढ़त बनाई थी, तब इटली का आठवीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी पैर की चोट के कारण मैच से हट गया था।

क्रिकेट

इंग्लैंड ने पहले टी20 मैच में वेस्टइंडीज को 21 रन से हराया

एजेंसी ▶▶| चेस्टर ली स्ट्रीट

इंग्लैंड ने टी20 श्रृंखला के पहले मैच में वेस्टइंडीज को 21 रन से हराया। इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए छह विकेट पर 188 रन बनाए। इसके जवाब में वेस्टइंडीज की टीम नौ विकेट पर 167 रन ही बना सकी।

आईपीएल में शानदार प्रदर्शन करने वाले जोस बटलर ने अपनी अच्छी फॉर्म बरकरार रखी तथा 59 गेंद पर 96 रन बनाए, जिसमें छह चौके और चार छक्के शामिल हैं। उनके अलावा सलामी बल्लेबाज जेमी स्मिथ ने 38 और जैकब बैथेल ने नाबाद 23 रन का योगदान दिया। इसके बाद लियाम डॉसन का जादू चला जिन्हें इंग्लैंड ने 35 साल की उम्र में लगभग तीन साल बाहर रहने के बाद टीम में शामिल किया था। उन्होंने 2016 से 2022 तक 11 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में छह विकेट लिए थे, लेकिन इस मैच में चार ओवर में 20 रन देकर चार विकेट लिए और अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया।

डॉसन ने शीर्ष छह बल्लेबाजों में से चार जॉनसन चार्ल्स, शेरफेन रदरफोर्ड, रोस्टन चेस और रोवमैन पॉवेल को आउट किया। वेस्टइंडीज की तरफ से सलामी बल्लेबाज इविन लुइस ने सर्वाधिक 39 रन बनाए।

लॉर्ड्स ऑस्ट्रेलिया के लिए नई चुनौती

लंदन। ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज स्पिनर नाथन लियोन का मानना है कि सभी प्रारूपों में आईसीसी ट्रॉफी जीतने का अनुभव होने के बावजूद उनकी टीम के लिए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में दक्षिण अफ्रीका से भिड़ना एक अलग चुनौती होगी क्योंकि यह मुकाबला ड्यूक गेंद के साथ विदेशी परिस्थितियों में खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया 11 जून से लॉर्ड्स में होने वाले डब्लूटीसी फाइनल में गत विजेता के रूप में उतरेगा। उनकी टीम में पिछले डब्लूटीसी फाइनल के अलावा 2015 वनडे विश्व कप, 2021 टी20 विश्व कप और 2023 वनडे विश्व कप जीतने वाले खिलाड़ी भी शामिल हैं।

ताइवान ओपन

भारत को छह स्वर्ण, ज्योति ने बाधा दौड़ में मारी बाजी

एजेंसी ▶▶| ताइपे सिटी

याराजी ताइवान एथलेटिक्स ओपन में शनिवार को महिलाओं की 100 मीटर बाधा दौड़ में अव्वल रही और भारत के छह एथलीटों को स्वर्ण पदक मिला। राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी याराजी ने 12.99 सेकंड का समय निकाला। जापान की असुका तेराडा (13.04 सेकंड) और चिसातो कियोयामा (13.0 सेकंड) को क्रमशः रजत और कांस्य पदक मिला।

याराजी ने 29 मई को दक्षिण कोरिया में एशियाई चैंपियनशिप में भी स्वर्ण पदक जीता था जिसमें उन्होंने 12.96 सेकंड का समय निकाला था। राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी तेजस सिरसे ने पुरुषों की 110 मीटर बाधा दौड़ में 13.52 सेकंड का समय निकालकर स्वर्ण जीता। ताइवान के सियेह युआन केइ (13.72 सेकंड) को रजत और कुइ रू चेन (13.75) को कांस्य पदक मिला। भारत की चार गुणा 100 मीटर रिले टीम (गुरिंदरवीर सिंह, अनिमेष कुजूर, मणिकांता होबलीधर और अमलान बोरगोहेन) ने 38.75 सेकंड का समय निकालकर स्वर्ण पदक जीता। वे अपने ही 38.69 सेकंड के राष्ट्रीय रिकॉर्ड से सेकंड के 600वें हिस्से से चूक गए। वे हालांकि टोक्यो विश्व चैंपियनशिप के क्वालीफाइंग मार्क से भी चूक गए। सितंबर में होने वाली विश्व चैंपियनशिप के लिए 14 देश क्वालीफाई कर चुके हैं और अब दो ही स्थान उपलब्ध हैं।

महिला रिले टीम ने जीता सोना

महिलाओं की चार गुणा 100 मीटर रिले टीम (सुधीक्षा वद्दलुरी, स्नेहा सत्यनारायण, अबिनाया राजाराजन और नित्या गंधे) ने भी 44.06 सेकंड का समय निकालकर स्वर्ण पदक जीता। अब्दुला अबूबाकर और पूजा ने क्रमशः पुरुषों की त्रिकूद और महिलाओं की 1500 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीता। अबूबाकर ने 16 . 21 मीटर की कूद लगाई हालांकि उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 17.19 मीटर है। पूजा ने चार मिनट 11.63 सेकंड का समय निकाला।

इंग्लैंड लायंस का स्कोर 192/3 अभी भारत ए से 156 रन पीछे

नॉर्थम्पटन। भारत ए के 348 रन के जवाब में इंग्लैंड लायंस ने चार दिवसीय अनधिकृत टेस्ट के दूसरे दिन शनिवार को 46 ओवर में तीन विकेट पर 192 रन बना लिए। जोर्डन कॉक्स 31 रन बनाकर खेल रहे हैं जबकि जेम्स रियू ने अभी खाता नहीं खोला है। खराब रोशनी के कारण दूसरे दिन का खेल जल्दी समाप्त करना पड़ा और आखिरी सत्र में 13 ओवर ही फेंके जा सके। इंग्लैंड लायंस अभी भी 156 रन पीछे है। एमिलियो गे ने मेजबान टीम के लिए 117 गेंद में सात चौकों की मदद से 71 रन बनाए। उन्हें दिन के आखिरी ओवर में तनुष कोटियान ने पगबाधा आउट किया। इससे पहले भारत ए ने सात विकेट पर 319 रन से आगे खेलते हुए अपने स्कोर में 29 रन और जोड़े। भारत ए के लिए केएल राहुल ने 116 और ज़ुरेल ने 52 रन बनाए थे।

गुकेश तीसरे स्थान पर रहे, कार्लसन ने 7वीं बार जीता नॉर्वे शतरंज का खिताब

एजेंसी ▶▶| स्टावेंजर

विश्व चैंपियन डी गुकेश अंतिम दौर में अमेरिकी ग्रैंडमास्टर फैबियानो कारुआना से हारने के कारण नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में तीसरे स्थान पर रहे, जबकि पांच बार के विश्व चैंपियन मैग्नस कार्लसन ने यहां रिकॉर्ड सातवां खिताब जीता। गुकेश ने 2018 के नॉर्वे शतरंज चैंपियन कारुआना के खिलाफ समय समाप्त होने के कारण एक बड़ी गलती की इसके बाद उन्हें एहसास हुआ कि मौका उनके हाथ से निकल गया है।

गत विजेता कार्लसन ने शुक्रवार को 10वें राउंड में भारत के अर्जुन एरिगैसी के खिलाफ मुख्य बाजी ड्रॉ कराकर अपने अंकों की संख्या 16 पर पहुंचाई और इस तरह से खिताब अपने नाम पक्का किया। कारुआना 15.5 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहे। गुकेश 14.5 अंकों के साथ तीसरे जबकि एरिगैसी 13 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर रहे। महिला वर्ग मे दो बार की विश्व ब्लिट्ज़ चैंपियन, यूक्रेन की अन्ना मुज़ीचुक ने अंतिम राउंड में भारत की आर वैशाली से आर्मागेडन टाई-ब्रेक में हारने के बावजूद 16.5 अंकों के साथ खिताब जीता। भारतीय खिलाड़ियों में कोनेरू हम्पी 15 अंक लेकर तीसरे स्थान पर रही जबकि वैशाली टूर्नामेंट में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर सकी। उन्होंने 11 अंकों के साथ टूर्नामेंट का समापन किया।

भारतीय कुश्ती महासंघ ने जूनियर स्तर पर कसा शिकंजा

उम्र में धोखाधड़ी करने वाले 30 पहलवान निलंबित

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय कुश्ती महासंघ ने जूनियर स्तर पर अधिक उम्र के पहलवानों पर शिकंजा कसते हुए पिछले महीने 400 से अधिक ऐसे मामलों की जांच के बाद 30 पहलवानों को अस्थायी तौर पर निलंबित कर दिया है। डब्लूएफआई ने मुख्य रूप से दिल्ली के अखाड़ों के प्रशिक्षकों और पहलवानों की शिकायतों पर कार्रवाई की, जिसमें कहा गया था कि हरियाणा के कई पहलवानों ने फर्जी प्रमाण पत्र हासिल करके यह दिखाया है कि वे राष्ट्रीय राजधानी में पैदा हुए हैं और जूनियर स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के पात्र हैं।

डब्लूएफआई के एक सीनियर अधिकारी ने बताया, 'हम पहलवानों का करियर खराब नहीं करना चाहते, इसलिए हमने उन्हें जूनियर स्तर की प्रतियोगिताओं जैसे अंडर-18 और कैडेट स्तर की प्रतियोगिताओं में भाग लेने से प्रतिबंधित कर दिया है। अगर वे 18 वर्ष से अधिक उम्र के हैं तो उन्हें सीनियर स्तर पर प्रतिस्पर्धा करनी चाहिए। उन्हें अपने मूल राज्य का प्रतिनिधित्व करना चाहिए। उन्हें डब्लूएफआई से अपने कृत्य और धोखाधड़ी के लिए माफ़ी मांगनी चाहिए। हम उनके मामलों पर विचार करेंगे।

यह कुछ समय से चल रहा है। पिछले 30-40 दिनों में हमने एक-एक करके लगभग 30 ऐसे पहलवानों को निलंबित किया है।' डब्लूएफआई अधिकारी ने बताया कि इनमें से अधिकतर पहलवानों ने हरियाणा में अपने प्रशिक्षकों के बहकावे में आकर दिल्ली के नरेला और रोहिणी क्षेत्र से फर्जी जन्म प्रमाण पत्र हासिल करने के लिए रिश्वत दी।

करीब 300 मामले नरेला क्षेत्र से

अधिकारी ने कहा, 'ऐसे 436 मामलों में से करीब 300 मामले नरेला क्षेत्र से थे, जबकि बाकी मामले सुल्तानपुरी और मंगोलपुरी जैसे क्षेत्र से थे जो रोहिणी क्षेत्र के अंतर्गत आते हैं। इनमें से अधिकतर पहलवान बेगमपुरा से आयु प्रमाण पत्र हासिल कर रहे थे। वे सभी दिल्ली का प्रतिनिधित्व करना चाहते थे, क्योंकि हरियाणा की टीम में चयन होना आसान नहीं है। हमने शिकायतें मिलने के बाद एमसीडी और दिल्ली छावनी बोर्ड से संपर्क किया तथा जांच और सत्यापन के बाद यह साबित हो गया कि उनके प्रमाण पत्र फर्जी थे।'

ccplt20.tv
ccplt20.tv

CHHATTISGARH STATE CRICKET SANGH CSCS

T20 cricket

विमल Elaichi

CHHATTISGARH CRICKET CCPL PREMIER LEAGUE

Season2

जोश का नारा CCPL दोबारा

6th-15th June 2025
Shaheed Veer Narayan Singh International Cricket Stadium, Raipur.

Today's Matches

BILASPUR BULLS VS RAIGARH LIONS
Time 3:30 PM

SURGUJA TIGERS VS RAIPUR RHINOS
Time 7:30 PM

RAJNANDGAON PANTHERS

BASTAR BISONS

Game On ! Excitement On !!

DAILY FREE BUS SHUTTLE
PICKUP POINT- MULTI LEVEL PARKING, GHADI CHOWK, RAIPUR - 2 PM

FREE ENTRY

Scan QR code and watch live matches daily

YouTube SUBSCRIBE LIVE ON @CRICKETCSCSTV

Streaming Partner
SONY SPORTS TEN 5 HD

Media Partner
ASA ADVERTISING AGENCY

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com